THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 125 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.7 2082 गुरुवार, 31 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लॉन्च

श्रीहरिकोटा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट निसार को आज यानी, बुधवार 30 जुलाई को लॉन्च किया गया। इस मिशन पर 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसे नासा और इसरो ने मिलकर बनाया है। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। रॉकेट ने निसार को 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूरज के साथ तालमेल वाली सन-सिंक्रोनस कक्षा में स्थापित किया।

ट्रंप ने कहा-भारत हमारा दोस्त

> लेकिन 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगेगा और जुर्माना भी देना होगा <

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से भारत पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'याद रखें, भारत हमारा मित्र है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं, दुनिया में सबसे ज्यादा हैं, और किसी भी देश की तुलना में उसके यहां सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार प्रतिबंध हैं।

ट्रंप ने पोस्ट में आगे लिखा-इसके अलावा, उन्होंने हमेशा अपने अधिकांश सैन्य उपकरण रूस से खरीदे हैं, और चीन के साथ, वे रूस के सबसे बड़े ऊर्जा खरीदार हैं, ऐसे समय में जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं रोके - सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को 1 अगस्त से 25% टैरिफ और उपरोक्त के लिए जुर्माना देना होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन!' ट्रंप ने अपने एक दूसरे पोस्ट में कहा कि भारत के साथ हमारा व्यापार घाटा बहुत बड़ा है।

डेडलाइन आगे नहीं बढ़ेगी-डोनाल्ड ट्रंप

वहीं इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा-पहली अगस्त की समयसीमा तो पहली अगस्त की ही है-यह मजबूती से कायम है और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

ट्रंप ने पहले 26 फीसदी टैरिफ का किया था एलान

इससे पहले 3 अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत कई देशों पर भारी टैरिफ का एलान किया था। उन्होंने भारत पर 26% 'रेसिप्रोकल टैरिफ' लगाया। चीन पर 34%, यूरोपीय संघ पर 20% और जापान पर 24% टैरिफ लगाया था।

संयुक्त राष्ट्र ने माना-पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ जिम्मेदार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने ग्लोबल टेररिस्ट संगठनों पर बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें माना कि पहलगाम हमले के लिए द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जिम्मेदार है।

टीआरएफ ने हमले के बाद दो बार जिम्मेदारी ली। टीआरएफ ने हमले वाले दिन 22 अप्रैल को घटनास्थल की फोटो भी प्रकाशित की थी। अगले दिन फिर से जिम्मेदारी ली, लेकिन 26 अप्रैल को अचानक अपना दावा वापस ले लिया। इसके बाद टीआरएफ ने कोई और बयान नहीं दिया और किसी अन्य संगठन ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सदस्य देश ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा की मदद के बिना संभव नहीं था। टीआरएफ और एलईटी के बीच संबंध हैं। जबकि एक अन्य सदस्य देश ने एलईटी को निष्क्रिय बताया और इन दावों को खारिज किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पहलगाम क्षेत्र में हालात बहुत संवेदनशील हैं और आतंकवादी संगठन इस तनाव का फायदा उठाने की फिर कोशिश कर सकते हैं। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं।

जयशंकर ने राहुल को बताया 'चाइना-गुरु'

> कुछ लोग चीनी राजदूत से ट्यूशन लेकर देते हैं ज्ञान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में तंज कसा। साथ ही उन्होंने ने राहुल को चाइना-गुरु भी कहा। जयशंकर ने आरोप लगाया कि कुछ लोग चीन को लेकर ज्ञान ओलंपिक जाकर और चीनी राजदूत से प्राइवेट ट्यूशन लेकर हासिल करते हैं। जयशंकर ने कहा कि वे 41 साल तक विदेश सेवा में रहे हैं और चीन में भारत के सबसे लंबे समय तक राजदूत रहे हैं। लेकिन अब कुछ लोग 'चाइना-गुरु' बन गए हैं, जो चीन को लेकर ज्ञान बांटते हैं।

बहस के दौरान जब जयशंकर चीन का जिक्र कर रहे थें, तब उनका सिधा इशारा राहुल गांधी और कांग्रेस की तरफ था। उन्होंने आगे ये भी कहा कि 2008 बीजिंग ओलंपिक में राहुल गांधी और सोनिया गांधी बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए थे और वहीं से उनकी चीन की 'क्लास' शुरू हुई। जयशंकर ने कहा कि मैंने चीन दौरे के दौरान जो भी किया, वह सब कुछ सार्वजनिक था। मैंने आतंकवाद, तनाव कम करने और चीन की तरफ से व्यापार पर लगाए गए प्रतिबंधों पर बात की। मैंने साफ कहा कि भारत-चीन संबंध तीन मूल बातों पर आधारित होंगे आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता।

मैं ओलंपिक क्लास नहीं गया

जयशंकर ने आगे राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं ओलंपिक क्लास में नहीं गया, क्योंकि मैं विशेष व्यक्ति नहीं था। कुछ लोग ओलंपिक में जाकर चीन से ज्ञान प्राप्त करते हैं और फिर चीनी राजदूत को घर बुलाकर ट्यूशन लेते हैं। जयशंकर ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की नजदीकी 1960 के दशक में शुरू हुई थी, लेकिन कांग्रेस सरकारें इस पर ठीक से काम नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा कि चाइना-गुरु अब कहते हैं कि चीन और पाकिस्तान बहुत करीब आ गए हैं, लेकिन असल में यह सब तब हुआ जब हमने पीओके को छोड़ दिया।

उन्होंने ये भी कहा कि विपक्ष बार-बार राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करता है, लेकिन सच्चाई ये है कि श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट पर चीन का कब्जा देश की सबसे बड़ी रणनीतिक चूक थी, जो कांग्रेस सरकार के समय हुआ। इसके साथ ही जयशंकर ने दो टूक कहा कि मैं गुप्त बैठकें नहीं करता, न कोई डील करता हूं।

सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति-पुंछ में 2 आतंकी ढेर

पुंछ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि मारे गए आतंकियों में से एक पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी था।

'अगर पीएम मोदी ट्रंप को झूठा कहें तो पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी'

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के हालिया तनाव को खत्म करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार किए गए दावों से भारत में सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रहा है।

ऐसे में एक बार फिर इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि वे खुद बोल नहीं पा रहे हैं। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी बोलेंगे तो ट्रंप सच सामने ला देंगे, इसलिए मोदी चुप हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी व्यापार डील के लिए पीएम मोदी पर दबाव बना रहे हैं और देखना होगा यह डील कैसी बनती है। राहुल गांधी के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर ट्रंप के दावों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान गोलमोल हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सुझाव दिया कि उन्हें साफ-साफ कहना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति झूठ बोल रहे हैं।संसद में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चल रहे बहस के दौरान कांग्रेस नेताओं की यह आलोचना मोदी सरकार की अमेरिका के प्रति नरम रुख पर सवाल उठाती है।

लद्दाख में सेना की गाड़ी पर चट्टान गिरी

लेफ्टिनेंट कर्नल और एक जवान की मौत

लेह, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लद्दाख के लेह में सेना की एक गाड़ी पर चट्टान गिरने से एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक जवान की मौत हो गई, जबकि मेजर रैंक के दो अधिकारी और एक कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना प्रवक्ता ने दैनिक भास्कर को बताया कि सुबह करीब 11:30 बजे जब सेना का काफिला दुरबुक से चोंगताश जा रहा था, तभी एक सैन्य गाड़ी चट्टान की चपेट में आ गया। घायलों को इलाज के लिए लेह के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह और लांस दफादार दलजीत सिंह के रूप में हुई है। घायलों की पहचान मेजर मयंक शुभम, मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव के रूप में हुई है।

कैश कांड में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकार

> आपके व्यवहार से भरोसा नहीं होता > जांच कमेटी की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो तभी क्यों नहीं आए

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी। बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।

'आरोपियों की पेशी के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत होगी'

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सैंथिल बालाजी से जुड़े नौकरी के बदले नकदी घोटाले मामले में 2000 से ज्यादा लोगों को शामिल करने के लिए तमिलनाडु सरकार की खिंचाई की। कोर्ट ने मामले के सभी आरोपियों और गवाहों का ब्यौरा भी मांगा। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों की सुनवाई को 'बिना पतवार वाला जहाज' करार दिया। पीठ ने कहा कि अगर न्यायिक हस्तक्षेप नहीं होता, तो अनिच्छुक राज्य घोटाले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े मामलों को गरिमापूर्ण ढंग से समाप्त करना चाहता था। पीठ ने बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से कहा कि 2000 से ज्यादा अभियुक्तों और 500 गवाहों के साथ यह भारत का सबसे ज्यादा भीड़-भाड़ वाला मुकदमा होगा। इसके लिए निचली अदालत का एक छोटा सा कोर्ट रूम काफी नहीं होगा और अभियुक्तों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए भी एक क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी। कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित अभियुक्त अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अचानक सामने आ जाएंगे।

करीब 489 सड़क परियोजनाएं अब भी लंबित : गडकरी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि मार्च 2025 तक पूरी की जाने वाली लगभग 489 सड़क परियोजनाएं अब तक लंबित हैं।

इन परियोजनाओं में देरी का कारण जमीन अधिग्रहण, वन और वन्यजीव मंजूरी तथा रेलवे से संबंधित मंजूरियों में विलंब है। गडकरी ने एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार इन लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकारों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ मिलकर सभी प्रयास कर रही है, ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ देरी से चल रही परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है। इसकी वजहों में जमीन और संरचनाओं के लिए मुआवजे की बढ़ी हुई लागत, मूल्य वृद्धि, जीएसटी का असर, जनता की मांग पर अतिरिक्त वर्टिकल/पैदल अंडरपास, रेलवे मानकों को पूरा करने के लिए रोड ओवर ब्रिज या रोड अंडर ब्रिज के डिजाइन में बदलाव आदि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी परियोजना में अत्यधिक देरी होती है और मौजूदा अनुबंध के तहत आगे काम संभव नहीं होता, तो ऐसे अनुबंधों को खत्म कर दिया जाता है और परियोजना को फिर से सौंपा जाता है, चाहे उसमें बदलाव हो या न हो। एक अलग सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस के मानकों के अनुसार किया जाता है।

'वो हमें गोलियों से भूनते रहे, हम उन्हें बिरयानी खिलाते रहे'

> नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर विशेष चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने न तो सीमा विकास पर ध्यान दिया और न ही आतंकवाद के खिलाफ कोई सख्त रुख अपनाया।

नड्डा ने कहा, एक पूर्व रक्षामंत्री ने कहा था कि सबसे अच्छी रक्षा यह है कि सीमाओं का विकास ही न किया जाए। उनके अनुसार, अविकसित सीमा विकसित सीमा से ज्यादा सुरक्षित होती है। यही मानसिकता थी, जिसके तहत उस समय काम हो रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक पूर्व गृहमंत्री को कश्मीर जाने से डर लगता था। नड्डा ने कहा, 'उन्होंने कहा था, मुझे कश्मीर जाने में डर लगता है।'

127 साल बाद भारत लौटीं भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थि अवशेष

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल के बाद भारत वापस लौट आई है। इस बात की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी। अपने सोशल मीडिया एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि हर भारतीय को गर्व होगा कि भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल बाद फिर भारत लौट आई हैं।

ये अस्थियां भारत और भगवान बुद्ध के बीच गहरे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों को दर्शाती हैं। यह हमारी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक विरासत को वापस लाने के लिए सभी संबंधित लोगों और संस्थाओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न सिर्फ सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का उदाहरण है, बल्कि यह भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रति भारत की श्रद्धा को भी दर्शाता है। यह कदम उस समय और भी खास माना जा रहा है जब दुनियाभर में बौद्ध विरासत और भारत के ऐतिहासिक योगदान को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। बता दें कि पिपरहवा, उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जहां 1898 में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध की अस्थियां प्राप्त हुई थीं। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और ये अस्थियां विदेश ले जाई गई थीं। प्रधानमंत्री ने बताया कि ये पवित्र अस्थियां इस साल की शुरुआत में एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में सामने आईं, तब भारत सरकार ने तत्काल प्रयास करते हुए उन्हें वापस भारत लाने में सफलता पाई।

नेहरू का नाम लेने पर कांग्रेस का पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह पर हमला

कहा-वे ओसीडी से पीड़ित

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सरकार की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम लिए जाने पर कांग्रेस में आक्रोश है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला। पार्टी ने कहा कि उनके पास अपनी विफलताओं का कोई जवाब नहीं है। वे ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) से पीड़ित हैं।

वे बात को भटकाना चाहते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कल लोकसभा में गृह मंत्री और प्रधानमंत्री दोनों ने एक बार फिर दिखाया कि जवाहरलाल नेहरू के मामले में वे उस बीमारी से पीड़ित हैं जिसे मेडिकल भाषा में ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) कहा जाता है। संभव है कि आज राज्यसभा में भी यह बात दिखे। उन्होंने कहा कि उनके पास अपनी वर्तमान विफलताओं का कोई जवाब नहीं है।

आंध्र प्रदेश सीआईडी के अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की

12 बक्सों में मिले 11 करोड़ रुपये

हैदराबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद से सटे रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल के काचाराम में स्थित सुलोचना फार्म हाउस में आंध्र प्रदेश सीआईडी के अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की है। 12 बक्सों में लगभग 11 करोड़ रुपये होने की खबर मिली है। जब्त की गई नकदी आंध्र प्रदेश में शराब घोटाले से संबंधित होने की बात कही जा रही है। सीआईडी अधिकारियों ने आधी रात को फार्महाउस पर पहुंचकर 12 बक्सों में रखे 11 करोड़ रुपये जब्त किए। स्थानीय पुलिस को सूचित करने के बाद, आंध्र प्रदेश सीआईडी अधिकारियों द्वारा नकदी को आंध्र प्रदेश राज्य में ले जाया गया। आखिर क्या है ये शराब घोटाला और इसके बारे में अब तक क्या कुछ पता लगा है।

क्या है ये शराब घोटाला?

मामले की जांच कर रहे एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के अनुसार, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के कार्यकाल में कथित तौर पर 3,200 करोड़ रुपये का एक बड़ा शराब घोटाला हुआ था। पुलिस ने इस घोटाले का आरोप तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के पूर्व आईटी सलाहकार केसी रेड्डी राज शेखर रेड्डी पर लगाया है। एसआईटी ने राज को 21 अप्रैल को हैदराबाद हवाई अड्डे पर गिरफ़्तार किया था। राज शेखर और उनके सहयोगियों, जिनमें वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और नौकरशाह शामिल हैं, पर राज्य की शराब नीति का दुरुपयोग करके लोकप्रिय शराब ब्रांडों की जगह कम प्रसिद्ध ब्रांडों को शामिल करने का आरोप है, जिसके बदले में उन्हें 3,200 करोड़ रुपये की रिश्वत मिली। हर महीने 50 से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत प्राप्त करने की विस्तृत योजना के साथ, राज शेखर और अन्य साथियों ने यह सुनिश्चित किया कि उन कंपनियों को नियमित रूप से ऑर्डर दिए जाएं जिनसे पहले से तय रिश्वत प्राप्त होती थी।

और किन लोगों का नाम सामने आया?

राज शेखर इस मामले में सामने आने वाला एकमात्र बड़ा नाम नहीं है। राज की रिमांड रिपोर्ट में जिसपर राजशेखर रेड्डी ने हस्ताक्षर करने से इनकार किया, पूर्व राज्यसभा सांसद वाई विजयसाई रेड्डी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। जो पहले जगन के करीबी सहयोगी थे, जिन्होंने जनवरी में अपनी संसद सदस्यता और राजनीति भी छोड़ दी थी। एक और बड़ा नाम राजमपेट से वाईएसआरसीपी सांसद पीवी मिथुन रेड्डी का है, जो आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री पेड्डीरेड्डी रामचंद्र रेड्डी के बेटे हैं जिन्हें इस मामले में गिरफ़्तार किया गया है । जगन मोहन रेड्डी को आरोपी के रूप में तो नहीं लेकिन उनका प्रस्ताव हाल ही में दायर की गई चार्ज शीट में है।

क्या थी नई शराब नीति?

2019 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान, जगन ने राज्य में चरणबद्ध तरीके से शराबबंदी लागू करने का वादा किया था। सत्ता में आने के तुरंत बाद, अक्टूबर 2019 में, वाईएसआरसीपी एक नई शराब नीति लेकर आई, जिसके बारे में उनका दावा था कि यह इस वादे के अनुरूप है। सरकार ने राज्य की लगभग 3,500 शराब की दुकानों को अपने नियंत्रण में लेने का फैसला किया। शराब की खपत को कम करने के लिए दुकानों के खुलने का समय कम कर दिया गया और कीमतें बढ़ा दी गईं। शराब का कारोबार पूरी तरह से सरकारी स्वामित्व वाली आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) को सौंप दिया गया। सरकार ने शराब की तस्करी और अवैध शराब बनाने पर अंकुश लगाने के लिए निषेध एवं आबकारी विभाग के अंतर्गत एक विशेष प्रवर्तन ब्यूरो (एसईबी) की भी स्थापना की। समय के साथ, लोकप्रिय ब्रांड धीरे-धीरे शराब की दुकानों से गायब हो गए और उनकी जगह नए, अनजान ब्रांड आ गए। बूम और प्रेसिडेंट मेडल जैसे नामों वाले शराब के ब्रांड अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते थे, लोग या तो इस बात पर मज़ाक उड़ाते थे या फिर इस बात पर असंतोष जताते थे कि राज्य में सिर्फ़ ऐसे अनजान ब्रांड ही उपलब्ध हैं।

शराब की तस्करी के बड़े पैमाने पर प्रयास

कीमतों में तेज वृद्धि के कारण पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और तेलंगाना से शराब की तस्करी के बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए, जिसके कारण सरकार को 2021 में कीमतों में कटौती करनी पड़ी। और अब आंध्र प्रदेश शराब घोटाले से जुड़ी एक बड़ी छापेमारी में, एसआईटी अधिकारियों ने हैदराबाद के पास एक गेस्टहाउस से 11 करोड़ रुपये नकद ज़ब्त किए। यह छापेमारी आरोपी वरुण पुरुषोत्तम के इकबालिया बयान के बाद हुई है।

हड्डी के कैंसर के मरीज ने गोलियों की अधिक मात्रा खाकर दे दी जान

राजन्ना-सिरसिल्ला, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते चिकित्सा खर्च से निपटने में असमर्थ, येल्लारेड्डीपेट मंडल के एक कैंसर रोगी ने बड़ी संख्या में फोलिक एसिड की गोलियां खाने के बाद आत्महत्या कर ली। दुमाला गाँव निवासी पिल्ली मानसा (38) हड्डी के कैंसर से जूझ रहे थे और बताया जाता है कि इलाज पर उनका काफी पैसा खर्च हो गया था। परिवार की आर्थिक तंगी तब और बढ़ गई जब उन्हें अपने छोटे बेटे श्रीधर के इलाज के लिए पैसे उधार लेने पड़े, जिसे तीन महीने पहले निमोनिया होने का पता चला था।

बढ़ते खर्चों और परिवार की खराब आर्थिक स्थिति से परेशान होकर, मानसा ने 26 जुलाई को 30 फोलिक एसिड की गोलियाँ निगलकर यह आत्मघाती कदम उठा लिया। उसके बेटे श्रीधर ने, जिसने उसे गोलियाँ लेते देखा था, तुरंत अपने पिता को इसकी सूचना दी। उसे सिरसिला के सरकारी अस्पताल ले जाया गया । हालत बिगड़ने पर उसे येल्लारेड्डीपेट के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया,

केंद्रीय पीसीबी ने पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए जारी किए संशोधित दिशानिर्देश

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण के अनुकूल गणेश चतुर्थी उत्सव सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रमुख निर्देशों में प्लास्टर ऑफ पेरिस या अन्य गैर-जैवनिम्नीकरणीय सामग्रियों के बजाय प्राकृतिक मिट्टी से बनी पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियों का उपयोग शामिल है।

जल निकायों के रासायनिक प्रदूषण को कम करने के लिए मूर्तियों को जैवनिम्नीकरणीय और जैविक रंगों, जैसे चंदन, हल्दी और गेरूआ, से सजाया जाना चाहिए। स्थानीय अधिकारियों को मूर्ति विसर्जन के लिए विशेष रूप से कृत्रिम तालाब या टैंक बनाने और उनका रखरखाव करने के लिए कहा गया है। पर्यावरणीय खतरों से बचने के लिए विसर्जन तालाबों में जमा सभी अपशिष्ट जल को फिटकरी या चूने से पूर्व-उपचारित किया जाना चाहिए। विसर्जन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार एकत्रित और निपटाया जाना चाहिए। नागरिकों, मिट्टी की मूर्ति बनाने वालों, पूजा पंडालों और विक्रेताओं से दिशानिर्देशों का पालन करने और पर्यावरण के प्रति जागरूक समारोहों में भाग लेने का आग्रह किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीजीपीसीबी और सीपीसीबी स्थानीय निकायों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय में इन दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे।

आईटी कॉरिडोर में खड़े रहस्यमयी विमान का अजीब मामला!

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी कॉरिडोर में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक रहस्यमयी मामला सामने आया है, जहाँ एक विमान कई दफ्तरों के सामने, बगल में या पीछे खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। यह चर्चा का विषय बन गया है। कई यूजर्स ने विमान की तस्वीरें पोस्ट की हैं और पूछा है कि क्या शहर में किसी को पता है कि यह वहाँ क्यों खड़ा है? विभिन्न तस्वीरों के अनुसार, विमान हैदराबाद में टी-हब के सामने खुली जमीन पर खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। एक यूज़र ने विमान की एक तस्वीर पोस्ट की, जो उनके कार्यस्थल जैसी लग रही थी। इस पर हैदराबाद के अन्य लोगों, खासकर आस-पास काम करने वालों, ने खूब प्रतिक्रियाएँ दीं और अलग-अलग कोणों से विमान की अपनी-अपनी तस्वीरें साझा कीं। तस्वीर के साथ, यूज़र ने यह भी पूछा कि क्या किसी को इस गए विमान के पीछे का रहस्य पता है। पोस्ट में लिखा था, किसी को पता है कि इस छोड़े गए विमान की कहानी क्या है? हालांकि किसी के पास इसका कोई निश्चित उत्तर नहीं था, लेकिन एक उपयोगकर्ता ने दावा किया कि विमान को लोकप्रिय खाद्य श्रृंखला पिस्ता हाउस द्वारा उस स्थान पर लाया गया था, जिसकी योजना एक हवाई जहाज थीम वाला रेस्तरां खोलने की थी।

पोस्ट में लिखा था, पिस्ता हाउस या किसी बड़ी चेन ने प्लेन रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए यहाँ लाया था, जो चल नहीं पाया। इसलिए यह अभी भी वहीं है, अपने अगले मालिक का इंतज़ार कर रहा है। काश सरकार इसे ले लेती और एक संग्रहालय या कुछ और बना देती-उन लोगों के लिए जो हवाई जहाज़ की सवारी का खर्च नहीं उठा सकते। कम से कम वे इसे देख तो पाते। या इसे एक कंटेंट ज़ोन बना देते-इन प्रभावशाली लोगों को इसकी ज़रूरत है। हालाँकि, यह टिप्पणी अभी तक सत्यापित नहीं हुई है, क्योंकि विमान की उत्पत्ति या उद्देश्य के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बीआरएस ने की सिगाची अग्नि पीड़ितों के लिए तत्काल कार्रवाई और मुआवजे की मांग

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता एरोला श्रीनिवास ने पिछले महीने पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज में हुए अग्निकांड से निपटने के तरीके को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा । उन्होंने 54 मृतकों के शोक संतप्त परिवारों को तत्काल एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की।

मंगलवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, श्रीनिवास ने कहा कि कांग्रेस सरकार पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अमानवीय और लापरवाह है। उन्होंने कहा कि एक महीने बाद भी, आठ लापता मज़दूरों का कोई पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा, सरकार शवों को भी बरामद नहीं कर सकती, जैसा कि पहले एसएलबीसी दुर्घटना में देखा गया था। बीआरएस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, जिन्होंने अपने दौरे के दौरान राहत का वादा किया था, पीड़ितों को एक रुपया भी जारी नहीं कर पाए। उन्होंने सिगाची इंडस्ट्रीज प्रबंधन के खिलाफ कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया और उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की।

पीड़ित परिवारों को सहायता देने के बजाय बीआरएस नेताओं पर हमला करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित होने तक बीआरएस लड़ाई जारी रखेगी।

69 फीट ऊंची पर्यावरण-अनुकूल खैरताबाद गणेश प्रतिमा

मिट्टी का काम जोरों पर, 50 कारीगर बना रहे विशाल मूर्ति

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद गणेश प्रतिमा को आकार देने का काम पंडाल में तेजी से चल रहा है। विनायक चतुर्थी उत्सव के दौरान लोकप्रिय मूर्ति का मिट्टी का काम अब तक 60 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। इस वर्ष, खैरताबाद गणेश श्री विश्वशांति महाशक्ति गणपति की थीम पर भक्तों को आशीर्वाद देंगे। तमिलनाडु और ओडिशा के 50 से अधिक कारीगर 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी उत्सव के लिए 69 फीट ऊंची पर्यावरण अनुकूल मूर्ति को तैयार करने में जुटे हैं।

खैरताबाद गणेश प्रतिमा को आकार देने में पाँच दशकों से भी ज़्यादा समय से जुड़े मूर्तिकार राजेंद्रन ने बताया, उत्सव समिति 20 अगस्त तक मूर्ति का निर्माण पूरा कर लेगी और मिट्टी का काम पूरा होने के बाद, इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मूर्ति की बारीक़ियों में कारीगरों का समर्पण और कौशल साफ़ दिखाई देगा, जिससे लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। राजेंद्रन के अनुसार, मूर्ति के लिए गुजरात से लाई गई 800 से ज्यादा मिट्टी की बोरियाँ (प्रत्येक बोरी में 35 किलो मिट्टी) इस्तेमाल की जा रही हैं। उन्होंने बताया, को पानी में मिलाकर लेप बनाया जाता है और फिर उसमें सूखी घास डाली जाती है। फिर इस मिश्रण को पैरों से लेकर सिर तक पूरी मूर्ति पर लगाया जाता है। मिट्टी की ख़ासियत मूर्ति की सुंदरता को और बढ़ा देती है, और विसर्जन के तुरंत बाद यह पिघल जाती है।

राजेंद्रन ने बताया कि मूर्ति निर्माण में सभी संबंधित कर्मचारी पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं और तीन महीनों के दौरान, पंडाल की रसोई में तैयार सात्विक भोजन ही उन्हें परोसा जाता है।

हाइड्रा द्वारा मूसापेट और मूसी नदी तल से अतिक्रमण हटाने के दौरान तनाव

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मूसापेट के अंजनेया नगर में मंगलवार को उस समय हल्का तनाव व्याप्त हो गया जब हाइड्रा अधिकारियों ने एक पार्क के लिए निर्धारित स्थान से अतिक्रमण हटा दिया। मूसापेट के अंजनेय नगर के निवासियों ने प्रजावाणी में बताया कि एचएमडीए ने लेआउट को मंज़ूरी दे दी है और पार्क के लिए 2,000 वर्ग गज जगह आवंटित कर दी है, और जीएचएमसी ने इसके सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपये मंजूर कर इसकी आधारशिला रख दी है।

लेकिन जब ठेकेदार ने काम शुरू किया, तो अतिक्रमणकारियों ने काम रोक दिया। शिकायत के बाद, हाइड्रा अधिकारियों ने साइट पर प्रवेश किया, अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया, और आगे अतिक्रमण को रोकने के लिए 2,000 वर्ग गज भूमि पर बाड़ लगा दी। इस बीच, चदरघाट पुल और उस्मानिया अस्पताल शवगृह के बीच मूसी नदी से अवैध अतिक्रमण भी हटा दिया गया।

खम्मम, नलगोंडा के कांग्रेस नेता सीएम को कर्तव्य करने से रोक रहे : रामचंदर

खम्मम, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और अधिक भड़काते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि खम्मम और नलगोंडा के कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोक रहे हैं। मंगलवार को यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बैच और बैच खम्मम से मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, भट्टी विक्रमार्क और तुम्मला नागेश्वर राव और नलगोंडा के कोमाटिरेड्डी बंधुओं के स्पष्ट संदर्भ में रेवंत रेड्डी को काम नहीं करने दे रहे थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन राज्य भर में पदयात्रा की योजना बना रही हैं, यह साबित होता है।

रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार पर राज्य में यूरिया जैसे उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। केंद्र ने 2024-25 के रबी सीजन के लिए आवश्यक 9.80 लाख मीट्रिक टन यूरिया की तुलना में 12.47 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की थी। आवश्यक 1.50 लाख मीट्रिक टन के स्थान पर लगभग 1.74 लाख मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराया गया। 2025 के खरीफ सीजन के लिए आवश्यक 6.14 लाख मीट्रिक टन में से लगभग 6.12 लाख मीट्रिक टन पहले ही भेजा जा चुका है, जिसमें से 4.36 लाख मीट्रिक टन की बिक्री हो चुकी है और 1.96 लाख मीट्रिक टन स्टॉक में है।

केंद्र सरकार ने उर्वरकों की आवश्यक मात्रा सुनिश्चित की, फिर भी राज्य सरकार केंद्र पर झूठे आरोप लगा रही है। समस्या की जड़ राज्य में दोषपूर्ण वितरण प्रणाली है। यूरिया के एक बैग की कीमत 1,690 रुपये थी, लेकिन किसान को केवल 266.50 रुपये देने पड़े। बाकी 1,423.50 रुपये केंद्र सरकार ने वहन किए। डीएपी की कीमत 2,445.55 रुपये थी, लेकिन किसान के लिए अधिकतम कीमत केवल 1,350 रुपये थी।

रामचंदर राव ने कहा कि यदि उनकी गणना गलत साबित हुई तो वह अपना पद छोड़ देंगे, जबकि उन्होंने कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव को चुनौती दी कि यदि उनके आंकड़े सही हैं तो वह इस्तीफा दे दें।

नए अध्यक्ष चुने गए विजय किरण

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विजय किरण अगस्त्य को 2025-26 की अवधि के लिए भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद (एसआईआरसी) का अध्यक्ष चुना गया है। डेलॉइट के पूर्व उपाध्यक्ष विजय किरण ने चार साल पहले उद्यमिता में कदम रखा था और वर्तमान में वे मेंटरमी के सह-संस्थापक और एमडी हैं, जो करियर मार्गदर्शन और कौशल उन्नयन पर केंद्रित एक उभरता हुआ एडटेक उद्यम है।

एसआईआरसी की नेतृत्व टीम में उनके साथ मुनीशेखर दारापनेनी उपाध्यक्ष, राजेश साई अय्यर सचिव और केवीएन लावण्या कोषाध्यक्ष हैं। गौरतलब है कि चार पदाधिकारियों में से तीन हैदराबाद से हैं, जो दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

प्रत्येक पात्र गरीब व्यक्ति के लिए राशन कार्ड:- दांडे विट्ठल

आसिफाबाद 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता): आदिलाबाद विधान परिषद सदस्य दांडे विट्ठल ने कहा कि प्रत्येक पात्र गरीब व्यक्ति को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएँगे। मंगलवार को जिले के केरामेरी मंडल केंद्र स्थित रायथु वेदिका में आयोजित राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे और आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, विधान परिषद सदस्यों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएँगे कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को राशन कार्ड मिले। उन्होंने कहा कि लंबे समय के बाद गरीबों को राशन कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं और राशन कार्ड गरीबों के लिए वरदान की तरह हैं। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड से उन्हें सन्ना चावल, आरोग्यश्री योजना, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, इंदिराम्मा इंड्स सहित कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार पात्र गरीबों को सस्ती दुकानों के माध्यम से निःशुल्क राशन उपलब्ध कराएगी और आरोग्य श्री योजना की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार जन कल्याण के लिए कई कार्यक्रम चलाएगी। उन्होंने कहा कि राशन चावल वितरित करके परिवार का आर्थिक बोझ कम किया जा रहा है। जिला कलेक्टर ने कहा कि राशन कार्ड आवेदनों की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। यदि राशन कार्ड में नाम परिवर्तन या जुड़वाने के लिए निकटतम मी सेवा केंद्रों पर आवेदन किया जाता है, तो तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी क्षेत्र स्तर पर जाँच करेंगे और पात्र सभी लोगों को राशन कार्ड वितरित किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान राशन कार्ड के लिए अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए हैं और अगले महीने से नए राशन कार्ड धारकों को राशन चावल वितरित करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारक राशन चावल का सदुपयोग करें और यदि राशन डीलर राशन चावल का दुरुपयोग करते हैं, तो 6ए का मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारियों को राशन कार्ड के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं, तो वे तुरंत जाँच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बाद में, उन्होंने विधान परिषद सदस्यों के साथ मिलकर लाभार्थियों को स्वीकृति संबंधी दस्तावेज़ सौंपे।

इस कार्यक्रम में मंडल विशेष अधिकारी वेंकट, तहसीलदार भूमेश्वर, मंडल परिषद विकास अधिकारी अंजद पाशा, नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और लाभार्थी शामिल हुए।

करीमनगर में बीआरएस 8 अगस्त को आयोजित करेगी विशाल बीसी रैली

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 8 अगस्त को करीमनगर में पिछड़ा वर्ग की एक विशाल जनसभा की घोषणा की है। पार्टी नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलेंगे और तेलंगाना विधानमंडल द्वारा भेजे गए दो पिछड़ी जातियों के आरक्षण विधेयकों को मंजूरी देने और उन्हें नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपेंगे। परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी , पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव , गंगुला कमलाकर , वी श्रीनिवास गौड़ और अन्य बीसी नेताओं ने मंगलवार को तेलंगाना भवन में एक बैठक बुलाई, जिसमें लंबित बीसी आरक्षण विधेयक पर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई और स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, श्रीनिवास यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता 5, 6 और 7 अगस्त को दिल्ली जाकर केंद्र पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को मंज़ूरी देने का दबाव बनाने की योजना बनाकर एक नए नाटक का पर्दाफाश कर रहे हैं।

अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं:- जिला कलेक्टर

आसिफाबाद 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता): जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के साथ सरकारी अस्पतालों में आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएँ। मंगलवार को उन्होंने जिले के केरामेरी मंडल केंद्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया और अस्पताल के वार्डों, बाह्य रोगी सेवाओं, दवा भंडार और आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया, बुखार से पीड़ित रोगियों का हालचाल जाना और चिकित्सा अधिकारियों को कई सुझाव दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि चिकित्सक और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का समय पर पालन करें और बिना पूर्व अनुमति के ड्यूटी से अनुपस्थित न रहें। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएँ और अस्पताल के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए जाएँ। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए आवश्यक दवाओं का भंडार उपलब्ध रखा जाए। इसके बाद, उन्होंने मंडल के जमोरीडी गाँव स्थित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय का दौरा किया और विद्यालय के परिवेश, मेनू, रसोईघर और भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक कदम उठाएगी और सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, भोजन तैयार करने में ताज़ी सब्ज़ियाँ और गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि एक्सपायरी डेट की वस्तुओं का उपयोग करने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाथरूम और शौचालयों को साफ-सुथरा रखा जाए, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाए और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय के परिवेश में पानी जमा न हो और मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए और विद्यार्थियों को गणित, अंग्रेजी और विज्ञान विषयों की तैयारी कराई जाए।

सुविचार: तुम्हारे अपने ही दुश्मन बन जायेंगे दोस्तों! जरा उनसे आगे निकल कर तो देखो।

कड़े कानून, लेकिन न्याय का इंतज़ार

तेलंगाना सम्मेलन में बाल तस्करी के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई का आग्रह

हैदराबाद , 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बचाव और अभियोजन के बीच का अंतर बच्चों के खिलाफ अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने में एक बड़ी बाधा है, और अक्सर बाल पीड़ित इन अंतरालों में फंसकर बाल श्रम, तस्करी, विवाह और दुर्व्यवहार की चपेट में आ जाते हैं। यह चर्चा आज हैदराबाद में आयोजित 'भारत में मानव तस्करी: अभिसरण और रोकथाम तंत्र को सुदृढ़ बनाना' विषय पर राज्य स्तरीय परामर्श में मुख्य विषय रही।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन द्वारा महिला सुरक्षा शाखा और तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित इस परामर्श में बाल तस्करी और बच्चों के खिलाफ अन्य अपराधों से निपटने में मजबूत अभिसरण, जवाबदेही और रोकथाम रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। परामर्श के दौरान, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के साथ एक समझौता ज्ञापन की भी घोषणा की, जिसके तहत तस्करी और बाल श्रम के पीड़ितों के पुनर्वास, अभियोजन, कानूनी सहायता, मुआवजे के साथ-साथ समयबद्ध न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन देश भर के 418 जिलों में कार्यरत 250 से अधिक गैर-सरकारी संगठनों का देश का सबसे बड़ा नेटवर्क है। अकेले जेआरसी नेटवर्क ने 1 अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2025 के बीच 56,242 तस्करी किए गए बच्चों को बचाया और देश भर में अपराधियों के खिलाफ 38,353 से अधिक कानूनी कार्रवाई की। तेलंगाना में, नेटवर्क के 12 सहयोगी गैर-सरकारी संगठन 26 जिलों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के लिए काम करते हैं और 2023 से अब तक 44,268 से अधिक बच्चों को बाल श्रम, तस्करी और बाल विवाह से बचाया है। इन बच्चों में से 19,261 बच्चों को तस्करी और श्रम से बचाया गया। लगभग 12,175 मामलों में औपचारिक कार्रवाई शुरू की गई। बच्चों की सुरक्षा में आयोग की भूमिका पर ज़ोर देते हुए, तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष कोठकोटा सीता दयाकर रेड्डी ने कहा, "बच्चों और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के लिए गहन समझ की आवश्यकता होती है।

यह ज़रूरी है कि सभी हितधारक निरंतर क्षमता निर्माण करें। मुस्कान और मुस्कान जैसी पहल न केवल जारी रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें और मज़बूत भी किया जाना चाहिए, और सभी विभाग और एजेंसियाँ इन गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए मिलकर काम करें।" परामर्श को संबोधित करते हुए, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश) की सदस्य सचिव पंचाक्षरी ने कहा, "बच्चों की तस्करी अक्सर श्रम, यौन शोषण और जबरन विवाह जैसे उद्देश्यों के लिए की जाती है। तस्करी को समाप्त करने के लिए, हमें ऐसे मामलों की शीघ्र सूचना देने और सक्रिय पहचान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तेलंगाना की महिला सुरक्षा शाखा की डीआईजी, आईएएस, रेमा राजेश्वरी ने कहा कि नागरिक समाज और अन्य हितधारकों के इस समन्वय से ही बाल तस्करी का मुकाबला किया जा सकेगा और उसे परास्त किया जा सकेगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारियों में डॉ. एम. चेतना, एसपी-महिला सुरक्षा शाखा; डॉ. पी. अशोक, एडिशनल डीसीपी, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद; डॉ. रमा देवी, लेखिका, शोधकर्ता और बाल संरक्षण कानूनों की प्रमुख प्रशिक्षक, एससीपीसीआर और डीएलएसए के सभी सदस्य; और राज्य एएचटीयू के सभी अधिकारी शामिल थे।

मीनाक्षी और मुख्यमंत्री रेवंत ने आगामी पार्टी कार्यक्रमों पर चर्चा की

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ के साथ बुधवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और पार्टी गतिविधियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों से पता चलता है कि मीनाक्षी ने नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी को मज़बूत करने, अपनी आगामी पदयात्रा और पिछड़ा वर्ग आरक्षण सुनिश्चित करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया। यह चर्चा लगभग डेढ़ घंटे तक चली। मीनाक्षी नटराजन और उनके साथी कांग्रेस नेता 31 जुलाई से 6 अगस्त तक तेलंगाना में पदयात्रा पर निकलने वाले हैं। इसके अलावा, 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को मंज़ूरी दिलाने के लिए 5, 6 और 7 अगस्त को दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 5 अगस्त को संसद सदस्य स्थगन प्रस्ताव ला सकते हैं और दोनों सदनों में चर्चा कर सकते हैं। 6 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्रियों, विधायकों, विधान पार्षदों, पार्टी नेताओं और पिछड़ा वर्ग के नेताओं के साथ इस धरने में भाग लेंगे। 7 अगस्त को राष्ट्रपति से मिलकर एक ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री और अन्य दो नेताओं ने दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से 50 कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने पर सहमति व्यक्त की।

जोगुलम्बा मंदिर का व्यापक विकास किया जाना चाहिए: कोंडा सुरेखा

धर्मस्व मंत्री ने मंदिर के मास्टर प्लान पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद , 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने आलमपुर स्थित ऐतिहासिक जोगुलम्बा मंदिर के पूर्ण और नियोजित विकास की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंदिर के मास्टर प्लान पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में योजना आयोग के उपाध्यक्ष चिन्ना रेड्डी, धर्मस्व विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त वेंकट राव और धार्मिक सलाहकार गोविंदा हरि सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान, मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार मंदिरों, विशेषकर कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के पवित्र संगम पर स्थित जोगुलम्बा शक्ति पीठम के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मंदिर का विकास तीन चरणों में किया जाएगा और इसका कुल बजट 382.5 करोड़ होगा। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को भविष्य में श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आगंतुकों की बड़ी संख्या को संभालने के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनः पुष्टि की कि इस प्राचीन मंदिर के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और स्थापत्य गौरव को संरक्षित करने और बढ़ाने के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

ट्रांसजेंडर महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा व्यक्ति पत्नी ने किया आत्महत्या का प्रयास

जगतियाल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल निवासी एक व्यक्ति, जो अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर एक ट्रांसजेंडर महिला के साथ रहने लगा था, उसकी पत्नी द्वारा आत्महत्या का प्रयास करने के बाद नाटकीय घटनाक्रम शुरू हो गया। जगतियाल निवासी बिंगी राजशेखर ने 2014 में पेम्बटला की लावण्या से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं। हालाँकि, राजशेखर का हाल ही में हैदराबाद की एक ट्रांसजेंडर महिला दीपू से प्रेम संबंध हो गया और वह अपने परिवार को छोड़कर उसके साथ रहने लगा। पति के फैसले से व्यथित लावण्या ने आत्महत्या का प्रयास किया। परिवार के सदस्यों ने उसे अस्पताल पहुँचाया और उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि राजशेखर अपनी पत्नी का हालचाल जानने अस्पताल नहीं गए, जिसके बाद उनके रिश्तेदारों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। उन्होंने उन्हें जगतियाल के एक कमरे में दीपू के साथ पाया। परिवार वालों ने दंपत्ति को अंदर बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और राजशेखर और दीपू दोनों को आगे की पूछताछ के लिए थाने ले गई।

हत्या के मामले में 4 को 3 साल कैद की सजा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने 2016 में भवानीनगर में एक व्यक्ति की हत्या और उसके घर से गहने चुराने के जुर्म में चार लोगों को दोषी ठहराया और उन्हें तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। दोषी ठहराए गए लोगों में शेख जब्बार, अमजद खान, शबनम पाटन और वली मोहम्मद उर्फ सिकंदर शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, 2016 में चारों ने तालाब कट्टा के मुराद महल में अब्दुल रहमान बिन आमेर की हत्या की योजना बनाई थी। हत्या के बाद, वे अलमारी से सोने-चाँदी के गहने लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने उन्हें ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें दोषी पाया और सजा सुनाई। चारों को जेल भेज दिया गया है।

विज्ञान वीडियो बनाने के लिए एआई टूल विकसित

आईआईआईटी के छात्रों और शिक्षकों का प्रयास

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) - हैदराबाद के छात्रों और शिक्षकों ने एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण विकसित किया है, जो गैर-विज्ञान छात्रों द्वारा भी विज्ञान अनुसंधान को समझने के तरीके को बदलने के लिए तैयार है। आईआईआईटी-हैदराबाद ने एक ऐसा उपकरण बनाया है जो न केवल जटिल विज्ञान शोध पत्रों को सरल बनाता है, बल्कि अंग्रेजी सहित 11 भाषाओं में से किसी एक में आकर्षक और संक्षिप्त वीडियो प्रस्तुतियाँ भी बनाता है।

इसके लिए, आईआईआईटी-हैदराबाद टीम ने अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के साथ समझौता किया, जो देश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसंधान और विकास तथा नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देता है।

गूगल के नोटबुकएलएम से प्रेरित होकर, जो अपलोड किए गए दस्तावेजों जैसे शोध पत्रों का सारांश तैयार करता है और उन्हें आसानी से समझ आने वाले पॉडकास्ट में परिवर्तित करता है, परियोजना के प्रमुख डॉ. लक्ष्मणन नटराज और राहुल सुंदर की टीम ने डेवलपर्स इमांडी साई गणेश, अरिहंत रस्तोगी और विष्णु सात्विक के साथ मिलकर एक कदम आगे बढ़कर वीडियो प्रारूप तैयार किया।

आईआईआईटी-हैदराबाद टीम के अनुसार, तीन-चार मिनट की वीडियो प्रस्तुति तीन तरीकों में से किसी एक से की जा सकती है - सीधे लेटेक्स फाइलों के माध्यम से, जिसमें स्रोत कोड और आंकड़े होते हैं, यूआरएल का उपयोग करके एआरएक्सआईवी से पेपर आयात करके या पेपर की पीडीएफ अपलोड करके। इसके बाद यह उपकरण विषय-वस्तु को अलग-अलग स्लाइडों में विभाजित कर देता है, जो अकादमिक पेपर में आमतौर पर शामिल होने वाले अनुभागों को प्रतिबिंबित करते हैं - परिचय, कार्यप्रणाली, परिणाम, चर्चा और निष्कर्ष - जिससे उपयोगकर्ता को प्रत्येक स्लाइड पर बुलेटेड बिंदुओं को अनुकूलित करने की सुविधा मिलती है।

यह उपयोगकर्ता को सामग्री संपादित करने की भी अनुमति देता है। तैयार स्लाइड डेक से, अंतिम चरण उपयोगकर्ता को अंग्रेज़ी सहित 11 भाषाओं में से किसी एक में वीडियो और ऑडियो बनाने में सक्षम बनाता है।

आईआईआईटी-हैदराबाद के प्रोफ़ेसर पोन्नुरंगन कुमारगुरु ने कहा, 'शोध सारांश जेमिनी, क्लाउड, जीपीटी आदि जैसे एआई उपकरणों की मदद से तैयार किया जाता है।

कामचटका प्रायद्वीप में भूकंप से भारत को खतरा नहीं

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना केन्द्र (आईएनसीओआईएस) ने बुधवार को पुष्टि की कि रूस के कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से भारतीय मुख्य भूमि या व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र में सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इससे पहले, 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के कारण जापान, अमेरिका (अलास्का, हवाई, कैलिफोर्निया, ओरेगन, वाशिंगटन) और अन्य प्रशांत द्वीपों के कुछ हिस्सों सहित पूरे प्रशांत क्षेत्र में चेतावनी जारी की गई थी। बुधवार को सोशल मीडिया पर आईएनसीओआईएस अलर्ट में कहा गया था, 'इस भूकंप के कारण भारत को सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

बीआरएस ने एमएलसी शंभीपुर राजू को जान से मारने की धमकी मिलने पर शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं के एक समूह ने बुधवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती से मुलाकात की और एमएलसी शंभीपुर राजू को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की शिकायत की। यह धमकी कथित तौर पर पूर्व विधायक मैनमल्ली हनुमंत राव और उनके बेटे, विधायक मैनमपल्ली रोहित द्वारा दी गई है। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, मधुसूदन चारी ने ज़ोर देकर कहा कि शंभीपुर राजू ने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया था और अब कांग्रेस सरकार की आलोचना करने के कारण उन्हें धमकियाँ मिल रही हैं। उन्होंने धमकी भरे कॉल की गहन जाँच और पुलिस के तत्काल हस्तक्षेप की माँग की। उन्होंने आगाह किया कि न्याय में किसी भी तरह की देरी से व्यापक अशांति फैल सकती है। विधायक केपी विवेकानंद ने बताया कि हनुमंत राव के समर्थक आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे और राजू को धमका रहे थे, फिर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी।

स्कूल में भोजन विषाक्तता की घटना के बाद तनावपूर्ण शांति

नगरकुरनूल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ज्योतिबा फुले आवासीय बालिका विद्यालय में संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण कई छात्राओं के अस्पताल में भर्ती होने के दो दिन बाद परिसर में असहज शांति व्याप्त रही। स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक के 700 से अधिक छात्र पढ़ते हैं, तथा उपस्थिति बहुत कम रही, क्योंकि कई बच्चों को चिंतित माता-पिता कथित तौर पर घर ले गए।

शनिवार रात को, लगभग 80 छात्रों ने रात के खाने के बाद पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की। उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, और रविवार सुबह भी कुछ और छात्रों को इसी तरह के लक्षणों के साथ भर्ती कराया गया।

स्कूल प्रबंधन ने दावा किया कि सभी प्रभावित छात्रों का इलाज हो गया है और उनकी हालत स्थिर है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. एवं तारीख	निविदा शीर्षक
ET-SRDCM-CAT-VSKP-GMU-2, Dt.23.07.2025	विशाखापट्टनम स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.1 में कैटरिंग स्टॉल जनरल माइनर यूनिट (GMU-2) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 35,08,888/-, EMD (रुपये में) : 1,75,500/-।
ET-SRDCM-CAT-RGDA-GMU-31-3, Dt.23.07.2025	रायगड़ा स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.2&3 में कैटरिंग स्टॉल जनरल माइनर यूनिट (GMU-31) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 2,50,000/-, EMD (रुपये में) : 12,500/-।
ET-SRDCM-CAT-CHE-GMU-65-3, Dt.23.07.2025	श्रीकाकुलम रोड स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.2 में कैटरिंग स्टॉल जनरल माइनर यूनिट (GMU-65) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 2,50,000/-, EMD (रुपये में) : 12,500/-।
ET-SRDCM-CAT-SCM-GMU-40-3, Dt.23.07.2025	सिंहाचलम स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.1 मे कैटरिंग स्टॉल जनरल माइनर यूनिट-महिला (GMU-40) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 95,000/-, EMD (रुपये में) : 10,000/-।
ET-SRDCM-CAT-VZM-M6-25-2, Dt.23.07.2025	विजयनगरम स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.2&3 में मिल्क स्टॉल यूनिट नंबर (M-6) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 1,25,000/-, EMD (रुपये में) : 10,000/-।
ET-SRDCM-CAT-CHE-M8-25-3, Dt.23.07.2025	श्रीकाकुलम रोड स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.2 में मिल्क स्टॉल यूनिट नंबर (M-8) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 1,10,000/-, EMD (रुपये में) : 10,000/-।
ET-SRDCM-CAT-CHE-M9-25, Dt.23.07.2025	श्रीकाकुलम रोड स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.3&4 में मिल्क स्टॉल यूनिट नंबर (M-9) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 1,15,500/-, EMD (रुपये में) : 10,000/-।
ET-SRDCM-CAT-RGDA-M11-25, Dt.23.07.2025	रायगड़ा स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.4&5 में मिल्क स्टॉल यूनिट नंबर (M-11) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 3,23,999/-, EMD (रुपये में) : 16,500/-।
ET-SRDCM-CAT-DVD-M13-25-3, Dt.23.07.2025	दुव्वाड़ा स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.4 में मिल्क स्टॉल यूनिट नंबर (M-13) में कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। 1 वर्ष के लिए निविदा मूल्य (रुपये में) : 80,000/-, EMD (रुपये में) : 10,000/-।

निविदा अवधि : 05 वर्ष (सभी निविदा हेतु), निविदा खोलने की तिथि व समय : दिनांक 14.08.2025 को 1100 बजे (सभी निविदा हेतु)।

द्रष्टव्य : ई-निविदा दस्तावेज के साथ संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

PR-411/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-II, वाल्टियर

अग्रसेन बैंक AGRASEN BANK
Estd.1998

TRUSTED BANKING
practices come from rich traditions and a culture of being FUTURE - READY

Banking experience is taking a new shape at Agrasen Bank. With 4 new branches opened and 3 more in pipeline, AGRASEN BANK is one of the most customer friendly, modern & technologically advanced banks today.

Agrasen Bank offers

GOLD LOANS
Upto ₹6700/- Per gram @9.75% P.A

BUSINESS LOANS
Starting @ 12% P.A

HOUSING LOANS
Starting @10% P.A

CAR LOANS
Starting @10% P.A
Upto 84 months

PERSONAL LOANS
Upto ₹5.00 Lacs
Starting @15% P.A

NEW DEPOSIT SCHEME
555 DAYS
9.00% General | 9.50% for Senior citizens

FUTURE STARS* RD SCHEME

Amount in ₹	Number of Months	Maturity Amount
5500/- PM	120	₹10.10 Lacs
14000/- PM	60	₹10.34 Lacs

GRAND INAUGURATION
GAGAN PAHAD 3rd August 2025
KUKATPALLY 10th August 2025
MADHAPUR September 2025

*T&C apply
captionz.biz

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office: 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad 500012. TG.
www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

Branches
Siddiamber Bazar : 040 2473 6228
Malakpet : 040 2455 0351
Rikab Gunj : 040 2456 3981
Secunderabad : 040 2789 0309
Attapur : 040 2933 4577
Himayatnagar : 040 4524 2958
Banjara Hills : 040 4521 7880
Ameerpet : 040 4031 6689

गंगा-यमुना उफनाई 15 किमी सड़क डूबी

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में नदियां और डैम उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा का जलस्तर तीसरी बार बढ़ने से बाढ़ के हालात बन गए हैं। महाकुंभ में बनी 15 किमी लंबी रिवर फ्रंट सड़क डूब गई है। छोटा बघाड़ा, दारागंज जैसे इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस गया है। तीसरी बार गंगा का पानी लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह तक पहुंच गया है। दशाश्वमेध घाट और नागवासुकी मंदिर का प्रवेश द्वार भी डूब गया है। इधर, जालौन में यमुना और चंबल नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। 24 से अधिक गांवों में पानी घुस गया है। इनका तहसील मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है।

जगम्मनपुर से कंजौसा पंचनद तक की पांच किलोमीटर लंबी सड़क जलमग्न हो गई है। लगातार बारिश के चलते 24 साल बाद जुलाई में सोनभद्र का रिहंद बांध ओवरफ्लो हो गया है। बांध का एक गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई है। यह प्रदेश का सबसे बड़ा बांध है। गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। एल्गिन ब्रिज पर खतरे के निशान से 74 सेंटीमीटर नीचे बह रही है।

गोंडा में खतरे के निशान के करीब पहुंची घाघरा नदी

गोंडा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गोंडा जिले में घाघरा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है पिछले 24 घंटे के अंदर नदी का जलस्तर 45 सेंटीमीटर बढ़ गया है। वर्तमान में घाघरा नदी एल्गिन ब्रिज पर खतरे के निशान से मात्र 29 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। घाघरा नदी में आज गिरजा बैराज से 131478 क्यूसेक, शारदा बैराज से 109035 क्यूसेक और सरयू बैराज से 4262 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अधिकारियों का अनुमान है कि देर शाम तक नदी का जलस्तर और तेजी से बढ़ सकता है। बैराजों से छोड़ा गया पानी अब धीरे-धीरे घाघरा नदी में पहुंच रहा है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने 28 बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया है। सभी चौकियां अलर्ट मोड पर हैं। सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से भी नदी के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। तटीय इलाके के 30 से अधिक गांवों के लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ खंड सिंचाई विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार तटीय इलाकों की निगरानी कर रहे हैं।

गोरखपुर एडीजी की भी बन गई फर्जी फेसबुक आईडी

गोरखपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों ने पुलिस महकमे को फिर निशाने पर लिया है। इस बार ठगों ने एडीजी गोरखपुर जोन अशोक मुथा जैन के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल करते हुए फर्जी फेसबुक आईडी बना ली। इस आईडी से कई लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी गई और उनसे निजी जानकारी व आर्थिक लेनदेन से जुड़ी बातचीत की गई। ठगों ने शहर के एक व्यापारी को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी।

व्यापारी ने जब रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली, तो उसे मैसेज कर 'सस्ते सामान' का झांसा दिया गया और एक मोबाइल नंबर पर कॉल करने को कहा गया। व्यापारी को जब शक हुआ तो उसने तत्काल पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने साइबर सेल को अलर्ट कर दिया। उन्होंने मेटा (फेसबुक की मूल कंपनी) से तकनीकी रिपोर्ट तलब की है। शुरुआती जांच में स्पष्ट हो गया है कि यह फेसबुक प्रोफाइल पूरी तरह फर्जी है और किसी बाहरी लोकेशन से संचालित की जा रही है।

ममेरी ननद ने किया पहला वार, फिर मौलाना ने कूंचा चेहरा

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मेजा से अपहृत उर्मिला देवी(45) की हत्या के सनसनीखेज मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि महिला की ममेरी ननद गुड़िया ने ही उस पर पत्थर से पहला वार किया। इसके बाद मौलाना पिंटू अंसारी ने गला दबाया और फिर चेहरा कूंच दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या की साजिश पिछले कई हफ्तों से रची जा रही थी। आरोपियों ने महिला को बहाने से जंगल तक ले जाने की योजना बनाई ही थी। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए भी एक-एक कदम पहले से तय कर लिया था। आरोपियों ने बताया कि वह रकम दोगुना करने के नाम पर लिए गए 9.5 लाख रुपये लौटाने के बहाने महिला को उसके घर से अपने साथ ले गए थे। यहां से उसे पहले आरोपी ममेरी ननद के घर ले जाया गया। इसके बाद बताया गया कि पैसे मांडा में मिलेंगे और इस तरह से उसे धोखा देकर जंगल की ओर ले गए। वहां पहुंचने पर महिला को शक हो गया और सुनसान में लाने की वजह पूछने पर कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने शोर मचाने की कोशिश की। इसी दौरान दोनों ने महिला को जमीन पर पटक दिया। फिर आरोपी ममेरी ननद ने ही उसके सिर पर पत्थर से पहला वार कर उसे अचेत कर दिया।

काशी से किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करेंगे पीएम मोदी

वाराणसी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो अगस्त को काशी से किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त ऑनलाइन जारी करेंगे। पीएम मोदी के द्वारा रिमोट का बटन दबाते ही देश के 9.70 करोड़ किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये राशि चली जाएगी। वह 2183.45 करोड़ रुपये की 52 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री सेवापुरी ब्लॉक में बनौली गांव में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा स्थल से ही वह किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करेंगे। उन्होंने जून 2024 में काशी में किसान सम्मेलन कर सम्मान निधि की 17वीं किस्त ऑनलाइन जारी की थी। सबसे बड़ी परियोजना बिजली के तारों का अंडरग्राउंड कराने की है। इसके लिए 881.56 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। वह इस परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा 266 करोड़ की लागत से बनी चांदपुर से भदोही को जोड़ने वाली 35 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क का लोकार्पण करेंगे। पिंडरा में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे जो 55 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से बनने जा रहा है। दालमंडी मार्ग के चौड़ीकरण का शिलान्यास भी करेंगे।

ठेले पर चाट खाने के कुछ देर बाद ही बिगड़ी हालत, 25 बच्चों समेत 37 बीमार

नजीबाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। (बिजनौर)। ग्राम कनकपुर कलां में चाट खाने से 37 लोगों को फूड प्वाइजनिंग हो गई। इन मरीजों में 25 बच्चे शामिल हैं। सभी मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में भर्ती कराया गया है। तीन को गंभीर हालत में जिला मेडिकल अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी जा रही है। पुलिस ने खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम को सूचना दे दी है। गांव कनकपुर में तीन चार लोग चाट और पकोड़ी बेचने का ठेला लगाते हैं। मंगलवार शाम गांव वालों ने यहां से चाट खाई थी। कुछ देर बाद ग्रामीणों की हालत बिगड़ने लगी और उन्हें उल्टी और दस्त शुरू हो गए। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल थे। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्वजन उन्हें समीपुर स्थित सामुयिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर रोगियों को जिला मेडिकल अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। अन्य मरीजों की हालत में सुधार है। डा। अंकित कुमार के अनुसार फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुए मरीजों में मोहम्मद उजैफ, ईमा, रहबर, मुस्कान, शाहरुख, महक आदि शामिल हैं। सभी का उपचार चल रहा है। सीओ नितेश प्रताप सिंह ने अस्पताल में पहुंचकर मरीजों का का हाल-चाल जाना।

चित्रकूट में सबसे ज्यादा बच्चे बौनेपन का शिकार

नहीं बढ़ रही 50 फीसदी से ज्यादा बच्चों की हाइट

चित्रकूट, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बच्चे बौनेपन का शिकार हो रहे हैं। 34 जिलों में पांच साल तक के बच्चों में बौनेपन की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा है, जो एक चिंता का विषय बन गया है। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से संसद में पेश की गई ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चित्रकूट जिला 59.58 प्रतिशत बौनेपन की दर के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। यह खुलासा केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने 25 जुलाई को बिहार के सीपीआई सांसद सुदामा प्रसाद और टीडीपी सांसद श्रीभरत मथुकुमिलि के सवालों के जवाब में किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश भर के 63 जिलों में बौनेपन की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा है, जिसमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महाराष्ट्र का नंदुरबार जिला 68.12 प्रतिशत के साथ पहले और झारखंड का पश्चिम सिंहभूम 59.48 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, बांदा, संभल, फिरोजाबाद, जौनपुर, हमीरपुर, बरेली, अमरोहा, सीतापुर और एटा जैसे जिले बौनेपन के मामले में टॉप 10 की लिस्ट में शामिल हैं।

खेल-खेल में बच्चे की मौत

कानपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में खेल-खेल में 15 साल के एक किशोर की जान चली गई। किशोर घर के पास ही एक जूता फैक्ट्री में काम करता था। वहीं पर वह दूसरे साथी के साथ लपटा-झपटी कर रहा था । इसी दौरान दूसरे नाबालिग को पीछे से दबोचा तो उसने हाथ में मौजूद थ्रेड कटर से सीने पर मार दिया। जिससे किशोर वहीं गिर कर तड़पने लगा। मौके पर मौजूद फैक्ट्री मालिक उसे अस्पताल लेकर भागे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने हार्ट पंचर होने से मौत की आशंका जताई है। पुलिस की जांच में सामने आया कि पूरी घटना सिर्फ-खेल खेल में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। सूचना पर परिवार के लोगों ने किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार किया है। पूरा मामला चकेरी के पटेल नगर का है।

राकेश टिकैत ने किया बिहार में एसआईआर का समर्थन

मायवती को बताया किसानों के लिए नंबर 1 मुख्यमंत्री

गोरखपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले शुरू किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर घमासान मचा हुआ है। विपक्षी दल बिहार से लेकर दिल्ली तक इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने चुनाव आयोग के एसआईआर की प्रक्रिया का समर्थन कर दिया है। टिकैत ने कहा है कि इस प्रक्रिया से जो बाहर से हैं उन्हें समस्या होगी। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एक निजी कार्यक्रम से इतर बयान देते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का समर्थन किया। उन्होंने मीडिया से कहा- "जो बाहर से हैं उन्हें समस्या होगी, जो वहां (बिहार) से हैं उन्हें कोई समस्या नहीं होगी।" निर्वाचन आयोग की ओर से बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 24 जून को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कराने की निर्देश जारी किया था। चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस प्रक्रिया का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल हों ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। राकेश टिकैत ने बसपा प्रमुख मायावती को किसानों के लिए नंबर वन मुख्यमंत्री बताया है। उन्होंने कहा- "मायावती किसानों के लिए 'नंबर वन मुख्यमंत्री' थीं। उन्होंने गन्ना किसानों के लिए बेहतर काम किया था। योगी आदित्यनाथ जी को भी किसानों के लिए बेहतर काम करके नंबर वन बनना चाहिए।"

बौद्ध स्थलों को एक सर्किट में जोड़ा गया

सीएम नीतीश कुमार ने वैशाली में स्मृति स्तूप का किया उद्घाटन

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं स्मृति स्तूप, वैशाली का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री स्मृति स्तूप के प्रथम तल पर मुख्य हॉल में भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि अवशेष के अधिष्ठापन कार्य एवं पूजा समारोह में शामिल हुए। मंत्रोच्चारण के बीच प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष का नवकक्ष में विधिपूर्वक एवं श्रद्धापूर्वक अधिष्ठापित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पूरी श्रद्धा के साथ अधिष्ठापन कार्य एवं पूजा समारोह में शामिल हुए। यहां दलाई लामा के लिखित संदेश को भी पढ़ा गया। कार्यक्रम में 15 देशों के प्रमुख बौद्ध भिक्षुगण एवं बौद्ध धर्मावलंबी उपस्थित हुए। बड़ी संख्या में उपस्थित बौद्ध भिक्षुओं ने पवित्र अवशेष के अधिष्ठापन के दौरान विधिपूर्वक मंत्रोच्चारण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र एवं पुस्तक भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक संग्रहालय सह स्मृति स्तूप परिसर का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बताया कि यहां 500 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित किया गया है, इससे पूरे परिसर को सौर ऊर्जा का लाभ मिलेगा। भवन निर्माण विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक संग्रहालय सह स्मृति स्तूप की आकृति का प्रतीक चिह्न भेंट किया।

'इस जन्म में शादी नहीं करूंगी,' पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में बदलाव की बात करने वाली द प्लूरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी ने अपने जीवन को पूरी तरह राज्य के भविष्य को समर्पित कर दिया है। दरभंगा में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजनीति में आना उनके जीवन का सबसे बड़ा और कठिन निर्णय था, जिसके लिए उन्हें निजी जीवन और करियर दोनों में कई बलिदान देने पड़े। पुष्पम प्रिया ने कहा, "इस जन्म में शादी नहीं करूंगी। बिहार के बच्चों का भविष्य संवारने के लिए खुद का परिवार नहीं बनाऊंगी। अगला जन्म मिला, तो शायद विवाह करूंगी, लेकिन इस जन्म में मेरा हर कदम बिहार के लिए होगा।" उन्होंने कहा कि अगर उनके पिता का नाम लालू प्रसाद यादव जैसा होता, तो शायद उनके जीवन के फैसले भी अलग होते। लेकिन उन्होंने अपना रास्ता खुद चुना है और उस पर ईमानदारी से चलने का संकल्प लिया है।

राजनीति में आने के बाद उनकी प्राथमिकताएं पूरी तरह बदल गई हैं। "जब छोटी थी, तो शादी को लेकर सामान्य सोच थी, जैसी हर लड़की की होती है। लेकिन जब राजनीति में आई, तो समझ में आया कि यह कोई टाइम पास नहीं, बल्कि एक युद्ध है, जिसमें जीत के लिए त्याग जरूरी है।" पुष्पम प्रिया ने यह भी बताया कि उन्होंने शादी इसलिए नहीं की क्योंकि वे जानती हैं कि शादी के बाद महिलाओं पर अधिक जिम्मेदारी आ जाती है। "यदि मैं शादी कर लूं, तो पूरे परिवार की जिम्मेदारी मुझ पर आ जाएगी।

तब मैं राजनीति में पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम नहीं कर पाऊंगी।" बिहार की मौजूदा राजनीति पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यहां के लोग चेहरा देखकर वोट करते हैं, सोच या विचारधारा नहीं देखते। जाति और धर्म के नाम पर मतदान होता है और असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा, "जिस दिन हम एक भी सीट जीतेंगे, उस दिन अपना मास्क हटा देंगे। जनता को चाहिए कि चेहरा नहीं, सोच देखे। चेहरा तो पहले बहुत देख लिया गया है, अब सोच बदलने का वक्त है।"

सपा कार्यकर्ताओं ने मौलाना साजिद रशीदी को पीटा तो अखिलेश यादव बोले

मैं चाहता हूं कि हिंसा हाथ में कोई न ले

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौलाना साजिद राशीदी से हुई मारपीट पर प्रतिक्रिया दी है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि मैं चाहता हूं कि हिंसा का साथ कोई न ले। बता दें उत्तर प्रदेश के नोएडा में आयोजित एक टीवी कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले मौलाना साजिद रशीदी पर हमला कर दिया था।

सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौलाना के साथ मारपीट की। उन्होंने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर स्वयं वायरल किया है। समाजवादी पार्टी के छात्र सभा के गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष मोहित नागर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित करते हुए कहा कि नोएडा में एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में वह भाग लेने के लिए अपने साथियों के साथ गए थे।

मोहित नागर ने कहा कि वहां पर मौलाना उनसे मिले। डिंपल यादव पर टिप्पणी को लेकर मौलाना और सपा कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गयी और सपा के लोगों ने मौलाना की पिटाई कर दी। मोहित नागर ने आरोप लगाया कि मौलाना एक खास पार्टी के एजेंट बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौलाना अगर माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। वहीं इस घटना के बाद मौलाना ने थाना सेक्टर-126 पहुंचकर मामले की पुलिस से शिकायत की है। थाना सेक्टर-126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

बदायूं में भाजपा नेता की निर्मम हत्या, ईंट से कुचला गया सिर

बदायूं, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र के गांव विजलनगला में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष की निर्मम हत्या कर दी गई। वह मंगलवार रात अपने बेटे की जगह ओवरहेड टैंक की रखवाली करने गए थे। बुधवार सुबह भाजपा नेता का शव ओवरहेड टैंक परिसर के गेट पर पड़ा मिला। उनका सिर ईंट से कुचला गया है। शव की हालत देखकर लोग सन्न रह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम में घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। हत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। गांव विजयनगला निवासी सुरेश चंद्र गुप्ता (58 वर्ष) भाजपा मंडल उपाध्यक्ष के साथ ही किसान यूनियन के नेता थे। उनके दो बेटे राहुल व निर्दोष हैं। राहुल गांव के ओवरहेड टैंक पर चौकीदार है। राहुल एक रिश्तेदारी में गया था। वह अपने पिता सुरेश चंद्र गुप्ता को ओवरहेड टैंक पर जाने के लिए कह गया था। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर अशोक कुमार कंबोज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद फॉरेंसिक टीम बुलाई गई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए हैं।

अवैध खनन के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, माफियाओं के साथ एसपी और थानेदार भी नपेंगे

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के उपमुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि जिन जिलों से अवैध खनन, परिवहन या भंडारण की शिकायतें प्राप्त होंगी, वहां के थाना प्रभारी और एसपी की भूमिका की जांच की जाएगी। मंत्री मंगलवार को विभाग की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। आज की बैठक में पूरे राज्य से प्राप्त विभागीय आंकड़ों के आधार पर खनिज राजस्व संग्रहण, बालू घाटों की अद्यतन स्थिति, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की प्रगति, अवैध खनन पर की गई कार्रवाई, ऑनलाइन रिटर्न दाखिल करने की स्थिति, खनिज लेवी सहित अन्य तकनीकी एवं पर्यावरणीय पहलुओं पर चर्चा की गई।

कैमूर में जल्द ही बनेगा टाइगर रिजर्व बिहार में बाघों की संख्या में भारी वृद्धि

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कैमूर में लोगों को जल्द ही टाइगर रिजर्व की सौगात मिलेगी। इसको लेकर भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। पिछले 12 वर्षों में राज्य में बाघों की संख्या आठ गुना बढ़ी है। जो दर्शाता है कि बिहार बाघों के प्रजनन के लिए एक बेहतरीन जगह है। ये बातें पर्यावरण एवं वन मंत्री डॉ। सुनील कुमार ने कहीं। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना चिड़ियाघर) में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंत्री ने कहा कि चिड़ियाघर के 50 साल के इतिहास में 32 बाघों का जन्म हुआ। विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा ने कहा कि हम सभी को प्रयास करना होगा कि बाघों के जंगल पर अतिक्रमण न हो। बाघ को जंगल के राजा की तरह रहने दें। पटना चिड़ियाघर के निदेशक हेमंत पाटिल ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। हेमंत पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बाघों के संरक्षण को लेकर विभाग द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। लोगों से अपील है कि हम सभी जंगल बचाने के साथ-साथ वन्य जीवों का भी संरक्षण करें। बाघ दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी कलाकृतियों से सभी का दिल जीत लिया। चित्रकला प्रतियोगिता के दौरान ग्रुप ए में प्रथम स्थान डीपीएस स्कूल, द्वितीय स्थान लोयोला हाई स्कूल और तृतीय स्थान संत माइकल हाई स्कूल को प्रदान किया गया।

अब्बास अंसारी की सजा और दंड स्थगित करने पर अब सुनवाई 30 अगस्त को

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित करने की मांग में दाखिल अब्बास अंसारी की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के लिए 30 अगस्त की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। गौरतलब है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी। इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153-ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए दो-दो वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा धारा 506 में एक वर्ष और धारा 171-एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव या व्यक्तिगत पहचान) के तहत अपराध के लिए छह महीने कैद की सजा सुनाई थी। स्पेशल कोर्ट ने सभी सजाएं एकसाथ चलाए जाने को कहा था। इसके अलावा दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। भाषण के दौरान मंच पर मौजूद अब्बास अंसारी के चुनाव एजेंट मंसूर अंसारी को भी मामले में दोषी ठहराते हुए छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी की अपील मऊ की स्पेशल अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष लंबित है। इसके साथ अंसारी ने सजा को स्थगित करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया था जिसे गत पांच जुलाई को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने यह पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

आशा-ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत, तेजस्वी बोले- सरकार का डर देख अच्छा लगता है

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर भी अपना क्रेडिट लिया और कहा कि मैंने 17 महीने स्वास्थ्य मंत्री रहते आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू दी थी जो अंतिम स्टेज में थी लेकिन तब तक सरकार और मुख्यमंत्री आदतन पलटी मार गए। ये निकम्मी एनडीए सरकार उस पर भी दो साल से कुंडली मार कर बैठी रही। अब आखिरकार इन्हें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा। तेजस्वी यादव ने कहा कि यहां सरकार ने चालाकी करते हुए हमारी इस मांग को पूर्णरूपेण लागू नहीं किया। इनको प्रोत्साहन राशि नहीं बल्कि मानदेय मिलना चाहिए। हम इन्हें मानदेय देंगे। अब इस सरकार को आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका और रसोइयां के मानदेय में भी बढ़ोतरी करने की हमारी मांग को भी मजबूरन मानना ही पड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारे 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में ही हमने विकास मित्र, शिक्षा मित्र/टोला सेवक, तालीमी मरकज़ और पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी मांगों, घोषणाओं, वादों, इरादों और दावों को देखकर इस नकलची, थकी-हारी, दृष्टिहीन और विजन रहित सरकार का डर देखकर अच्छा लगता है। ये डर अच्छा है लेकिन 20 साल तक क्या यह मूंगफली छील रहे थे? यही सरकार, इनके नेता-मंत्री और अधिकारी जो हमारी घोषणा का मखौल उड़ाते थे वो अब सत्ता जाते देख दौड़ रहे है। सब कुछ तेजस्वी का ही नक़ल करोगे या अपनी भी अक्ल लगाओगे? बता दें कि बुधवार सुबह ही सीएम नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ने का एलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को अब एक हजार रुपये की जगह तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

असम की एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप की बढ़ी मुश्किलें
हिट-एंड-रन मामले में लिया गया एक्शन

गुवाहाटी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। असमिया फिल्म और थिएटर अभिनेत्री नंदिनी कश्यप को गुवाहाटी पुलिस द्वारा हिट-एंड-रन के एक मामले में हिरासत में लिया गया है। उनको पूछताछ के लिए राज्य की राजधानी दिसपुर के महिला थाने लाया गया है। नंदिनी कश्यप को 25 जुलाई के हिट-एंड-रन मामले में हिरासत में लिया गया है, 21 वर्षीय नलबाड़ी पॉलिटेक्निक छात्र समीउल हक की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, नंदिनी को गुवाहाटी के राजधानी थिएटर के रिहर्सल परिसर से हिरासत में लिया गया। उम्मीद है कि कश्यप को जल्द ही पूछताछ के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि हिट-एंड-रन के एक मामले की जांच की जा रही है, इसलिए पूछताछ के लिए नंदिनी कश्यप को हिरासत में लिया गया है। 25 जुलाई को तड़के 3 बजे हुई इस घातक दुर्घटना के बाद राज्य भर में आक्रोश है।

समीउल हक गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में पांच दिनों तक बहादुरी से लड़ने के बाद फिर एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। ऑल असम पॉलिटेक्निक स्टूडेंट्स यूनियन (एएपीएसयू) ने दिसपुर पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें अभिनेत्री के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। मृतक के परिवार ने भी न्याय की मांग की है।

मालेगांव ब्लास्ट केस: 17 साल बाद आ सकता है फैसला

प्रज्ञा सिंह ठाकुर हैं मुख्य आरोपी

भोपाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक, 2008 मालेगांव बम धमाका केस में 17 साल बाद फैसला आने की उम्मीद है। 31 जुलाई को जस्टिस एके लाहोटी अपना फैसला सुना सकते हैं। दरअसल, साल 2008 में रमज़ान के महीने में महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में एक बड़ा बम धमाका हुआ था, जिसमें 6 लोगों की जान चली गई थी और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। यह विस्फोट 29 सितंबर 2008 को शाम के वक्त एक मस्जिद के पास, भीड़-भाड़ वाले भिकू चौक पर हुआ था। धमाका एक मोटरसाइकिल में लगाया गया बम फटने से हुआ था। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई मकान और दुकानें भी क्षतिग्रस्त हो गई थीं। धमाके के तुरंत बाद महाराष्ट्र एटीएस ने जांच शुरू की। शुरुआती जांच में ही शक की सुई कुछ हिंदूवादी संगठनों की तरफ घूमी। एटीएस ने धमाके वाली जगह से एक एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल बरामद की थी। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हुईं। मालेगांव ब्लास्ट के मुख्य आरोपियों में भोपाल से बीजेपी सांसद रहीं साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और भारतीय सेना के सेवारत अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित का नाम प्रमुख था। इनके अलावा, रमेश शिवाजी उपाध्याय (रिटायर मेजर), समीर शरद कुलकर्णी, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी और सुधाकर चतुर्वेदी को भी आरोपी बनाया गया था।

जांच एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों पर जो आरोप लगाए गए हैं वो इस प्रकार हैं:

प्रज्ञा सिंह ठाकुरः आरोप है कि वह बम धमाके की साजिश रचने वाली बैठकों में प्रज्ञा ठाकुर शामिल थीं। सबसे महत्वपूर्ण आरोप यह है कि जिस मोटरसाइकिल पर बम लगाया गया था, वह उनकी थी। यानी कि साजिश में सक्रिय भागीदारी, हथियार/वाहन उपलब्ध कराना। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहितः इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड श्रीकांत पुरोहित को माना गया। उन पर आरोप है कि उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक संगठन का गठन किया, जिसका उद्देश्य हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए चरमपंथी गतिविधियों को अंजाम देना था। यह भी आरोप है कि उन्होंने विस्फोटकों की व्यवस्था की और साजिश की बैठकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यानी कि साजिश का मुख्य सूत्रधार, संगठन का निर्माण, विस्फोटक और हथियारों की व्यवस्था।

क्या बोले प्रज्ञा ठाकुर के वकील

वहीं, प्रज्ञा सिंह ठाकुर के वकील जयप्रकाश मिश्रा ने कहा कि हिंदू आतंकवाद की थ्योरी को कांग्रेस देश में लेकर आई और यही कारण है कि प्रज्ञा ठाकुर और अन्य लोगों को इसमें निशाना बनाया गया। वकील का कहना है कि प्रज्ञा सिंह के साथ बहुत क्रूरता की गई। यह सब उस वक्त एटीएस के अधिकारियों ने किया। इसमें 30 से ज़्यादा विटनेस ने अपने बयान बदले हैं जिसमें उन्होंने यह बताया है कि कैसे जबरन उनके बयान एटीएस के अधिकारियों ने लिया। यह सब षड्यंत्र के तहत हुआ।

10 साल की बच्ची के पेट से निकला आधा किलो बालों का गुच्छा, अमरावती में सफल सर्जरी

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां एक दस साल की बच्ची के पेट से डॉक्टरों ने करीब आधा किलो बालों की गेंद (हेयरबॉल) सफल सर्जरी करके निकाली है। बच्ची लंबे समय से पेट दर्द, उल्टी, भूख न लगना और वजन घटने जैसी परेशानियों से जूझ रही थी। मामले में एक निजी अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ। उषा गजभीये ने बताया कि बच्ची को 20 दिन पहले अस्पताल लाया गया था। जांच के दौरान पता चला कि बच्ची को बाल खाने की आदत थी। काउंसलिंग के बाद बच्ची ने खुद बताया कि वह लंबे समय से अपने बाल खा रही थी। डॉ। गजभीये ने बताया कि मेडिकल जांच में यह साफ हो गया कि बालों का गुच्छा पेट में जमा हो चुका था और उसने एक बड़ी गेंद का रूप ले लिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने सर्जरी का फैसला लिया।

कौन हैं रोहिणी खडसे जो पति के लिए करने लगीं वकालत
इस पार्टी में मिली है बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस की तरफ से बीते दिनों पुणे में एक रेव पार्टी पर छापेमार कार्रवाई की गई। यह छापेमारी पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर के पुणे वाले घर पर की गई। इस मामले में पुलिस ने प्रांजल को गिरफ्तार किया है। प्रांजल रोहिणी खडसे के पति हैं। अब पति को बचाने के लिए पत्नी ने केस लड़ने का फैसला किया है। रोहिणी ने मंगलवार को कहा,“चूंकि मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए मैं कुछ नहीं कहूंगी। महाराष्ट्र में रेव पार्टी का ये मामला काफी हाई प्रोफाइल है। यही कारण है कि इस मामले में तमाम राजनेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे ने कहा कि दामाद को फंसाया गया तो किसी को छोड़ूंगा नहीं। पूर्व मंत्री के बयान के बाद महाराष्ट्र की सियासत काफी गरमाई हुई है। इस छापेमारी में एनसीपी (एसपी) नेता एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अपार्टमेंट से ही गांजा, शराब, 2.7 ग्राम कोकीन जैसा पदार्थ और हुक्का जब्त किया था। इसके साथ ही पूरे मामले में 7 लोगों की गिरफ्तारी की गई, जिसमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को 29 जुलाई तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया था। पुणे पुलिस को रेव पार्टी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई की गई। सभी 7 आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

गुजरात एटीएस के हाथ लगी बड़ी सफलता

अलकायदा के आतंकी मॉड्यूल की मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

अहमदाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस ने अलकायदा से जुड़े आतंकी मॉड्यूल के मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया है। अलकायदा से जुड़े साजिशकर्ता शमा परवीन की गिरफ्तार गुजरात एटीएस ने बेंगलुरू से की है। बता दें कि यह गिरफ्तारी पिछले सप्ताह एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए चार अलकायदा आतंकवादियों से मिले सुरागों के आधार पर की गई है। इस मामले पर गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा, 'एटीएस ने अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट के पहले चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एक और बड़ी सफलता गुजरात एटीएस को मिली है। एक महिला जो बेंगलुरू से है, ये आतंकी खासतौर पर हाईली रैडिक्लाईज है।

ऑनलाइन टेरर मॉड्यूल पर काम करती है। उसके महत्वपूर्ण पाकिस्तानी संपर्क हैं जो उसके अलग-अलग डिवाइस मिले हैं। गुजरात एटीएस की पुलिसिंग के माध्यम से 5 महत्वपूर्ण ऑनलाइन टेरर मॉड्यूल पर काम करने वाले अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिकेंट के आतंकियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।' बता दें कि बीते दिनों गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता यानी एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अल-कायदा के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। एटीएस ने इस कार्रवाई में चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारियां गुजरात से 2, दिल्ली और नोएडा से एक-एक की गई। गिरफ्तार किए गए ये चारों आतंकी 20 से 25 साल की उम्र के हैं। जानकारी के मुताबिक, इन आतंकियों को भारत में बड़े टारगेट और बड़ी लोकेशन पर हमला करने की जिम्मेदारी मिलने वाली थी।

जांच में सामने आया है कि ये चारों आतंकी सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए एक-दूसरे से कनेक्टेड थे। इसके अलावा, इनके सीमा पार लिंक भी सामने आए हैं।

संसद में पीएम मोदी के भाषण से नाराज सुखजिंदर रंधावा, बोले- 'हमें उनसे सर्टिफिकेट नहीं चाहिए'

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में पीएम मोदी के भाषण पर कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा नाराज हुए। प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष हमसे सबूत मांग रहा है, जबकि पाकिस्तान यह कबूल कर चुका है। इसपर कांग्रेस नेता रंधावा ने कहा, में अपनी देशभक्ति के लिए प्रधानमंत्री मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रमाण पत्र नहीं चाहिए। पूरी दुनिया और पूरा देश जानता है कि कांग्रेस ने कैसे देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दीं। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय खुद नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमारी सेना, हमारे सुरक्षाबलों को देना चाहिए। हमें युद्धविराम स्वीकार नहीं करना चाहिए था और पाकिस्तान को तीन टुकड़ों में विभाजित कर देना चाहिए था। इतना ही नहीं, पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, उन्हें याद रखना चाहिए कि 1965 के युद्ध में हमने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। पाकिस्तान हमारे सामने हाथ जोड़कर खड़ा था।

1971 की वॉर में हमने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे और उसके एक लाख फौजियों ने हमारे सामने सरेंडर कर दिया। उन्होंने आगे कहा, ₹बीजेपी ये इतिहास याद नहीं करना चाहती। वो इंदिरा गांधी का नाम नहीं लेना चाहती। नहीं लेना है तो मत लो, लेकिन जनरल जगजीत सिंह का नाम तो लो। उन्होंने पाकिस्तानियों को हथियार डालने पर मजबूर कर दिया था।

'मौलाना के नाम पर कलंक हैं साजिद रशीदी'
डिंपल यादव पर दिए बयान से भड़के अबू आजमी

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी सांसद और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी ने जो बयान दिया, उससे राजनीतिक पारा हाई हो गया है। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने एक टीवी शो डिबेट में डिंपल यादव के पहनावे पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसपर अब महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी भड़क गए हैं। अबू आजमी ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, चंद सिक्के मिल जाते हैं तो साजिद रशीदी आकर टीवी पर बैठ जाते हैं और मुस्लिम कौम के लिए बोलने लगते हैं, लेकिन असल में पर्दे के पीछे वह बीजेपी के सपोर्टर हैं। इन्होंने बीजेपी के लिए पिछली बार वोट भी मांगा था। ऐसे लोग डिंपल यादव के बारे में टिप्पणी कर रहे हैं? नाराजगी जताते हुए अबू आजमी ने कहा, डिंपल यादव चुनी हुईं सांसद हैं और मुलायम सिंह यादव की बहू हैं।

वह जो पहनावा सदन में पहनती हैं, वही उन्होंने मस्जिद में भी पहना था। साड़ी हिंदुओं का पहनावा है, जिसे सम्माजनक रूप से देखा जाता है। ऐसे में अबू आजमी ने साजिद रशीदी को संबोधित करते हुए आगे कहा, आपको शर्म नहीं आती है? इतने बड़े नेता की बहू और इतने बड़े नेता की पत्नी के बारे में आपकी हिम्मत कैसे हुई बोलने की? आपके नाम से मौलाना निकाल देना चाहिए। आप लोग मौलाना के नाम पर कलंक हैं। आपको केवल शोहरत चाहिए, शर्म कीजिए और इस तरह की दलाली करना बंद कीजिए।

पहली बार हीलियम गैस से खुदकुशी का मामला

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से खुदकुशी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक 25 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट ने पेइंग गेस्ट हाउस के कमरे में हीलियम गैस का इस्तेमाल करके अपनी जान दे दी। ये दिल्ली में हीलियम गैस से खुदकुशी का पहला मामला बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, मरने वाले शख्स का नाम धीरज कंसल था। जो हरियाणा के करनाल का रहने वाला था और गुरुग्राम की एक कंपनी में नौकरी करता था। वो 20 जुलाई से दिल्ली के बंगाली मार्केट इलाके के एक पेइंग गेस्ट हाउस में ठहरा हुआ था। जब 28 जुलाई को चेकआउट का वक्त निकल गया और कमरे से बदबू आने लगी तो पुलिस को सूचना दी गई। बाराखंभा थाना पुलिस, एफएसएल और दमकल विभाग की टीम होटल पहुंची। जब कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो धीरज का शव बेड पर मिला। उसके मुंह में हीलियम सिलेंडर की पाइप लगी थी, चेहरा मास्क और प्लास्टिक से ढका हुआ था जिसे टेप से गर्दन के पास चिपकाया गया था। पास में ही सिलेंडर, मास्क और एक मीटर भी मिला। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट और धीरज की फेसबुक पोस्ट मिली, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं बताया।

डीआरआई की छापेमारी में 160 टन घटिया चीनी खिलौने और नकली कॉस्मेटिक्स जब्त

कीमत 6.5 करोड़ रुपये

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में चीनी मूल के घटिया और अवैध रूप से आयात किए गए खिलौनों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई ज़ोनल यूनिट ने 160 मीट्रिक टन चीनी खिलौने, नकली सौंदर्य प्रसाधन और बिना ब्रांड के जूते जब्त किए हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 6.5 करोड़ रुपये से अधिक है। इस ताजा विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई ने मुंद्रा पोर्ट, हजीरा पोर्ट, कांडला एसईज़ेड और फरीदाबाद के आईसीडी पियाला में 10 कंटेनरों की पहचान की, जिनमें मुख्यतः तस्करी किए गए खिलौने थे।

निर्दोष सामान के रूप में गलत तरीके से घोषित किया गया

इस जांच के दौरान इन कंटेनरों में भारी मात्रा में खिलौने, कुछ सौंदर्य प्रसाधन और जूते छिपाकर रखे पाए गए थे। इन सामानों को जानबूझकर सजावटी पौधे, कीचेन, बच्चों के पेंसिल बॉक्स और शोपीस जैसे निर्दोष सामान के रूप में गलत तरीके से घोषित किया गया था,

ताकि जांच एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। इन खिलौनों को बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) प्रमाणन के बिना आयात किया गया था, जो विदेश व्यापार नीति और टॉयज (क्वालिटी कंट्रोल) ऑर्डर 2020 का उल्लंघन है। बीआईएस-ग़ैर-अनुपालन वाले सामान भारत में प्रतिबंधित हैं और इन्हें या तो आयातकर्ता के खर्चे पर नष्ट किया जाता है या मूल देश को वापस भेजा जाता है।

खिलौने बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

इसके अलावा, जो नकली सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए गए हैं, उनका आयात बौद्धिक संपदा अधिकार (आयातित वस्तुएं) प्रवर्तन नियम, 2007 और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से आवश्यक लाइसेंस के अभाव में किया गया था। साथ ही, बिना बीआईएस प्रमाणन के जूते आयात करना फुटवियर क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर, 2024 का उल्लंघन है। इसके बाद देश में खिलौनों के आयात को लेकर राष्ट्रीय नीति के अनुरूप, डीआरआई घटिया, असुरक्षित और बीआईएस-ग़ैर-अनुपालन वाले चीनी खिलौनों की पहचान और जब्ती के लिए अपनी निगरानी बढ़ा रहा है। ऐसे खिलौने बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, भारत की तेजी से बढ़ रही घरेलू खिलौना उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाते हैं और सरकार के राजस्व में भारी क्षति करते हैं।

2779 लोगों की हैं दो या दो से अधिक पत्नियां, इस मामले में टॉप पर है ये जिला

गुरूग्राम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी परिवार पहचान पत्र योजना के तहत जुटाए गए आंकड़ों में एक दिलचस्प खुलासा हुआ है। इन आंकड़ों में बताया गया है कि हरियाणा में 2779 व्यक्ति ऐसे हैं, जिनके एकल परिवार आईडी में दो या दो से अधिक पत्नियां है। यह खुलासा हरियाणा परिवार पहचान पत्र प्राधिकरण ने किया है। इसमें कहा गया है कि ये वे लोग हैं जिन्होंने खुद अपनी इच्छा से अपनी पत्नियों के साथ-साथ बच्चों की भी जानकारी दी है। हरियाणा में 2761 व्यक्तियों की दो पत्नियां है, जबकि 15 व्यक्तियों की तीन से अधिक पत्नियां दर्ज कराई हैं। यह डाटा खुद लोगों ने ही उपलब्ध कराया है, इसलिए इसे सही माना जा रहा है। जारी आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा के नूंह में सबसे ज्यादा 353 लोगों की एकल परिवार में दो पत्नियां हैं, जबकि फरीदाबाद में 267, पलवल में 178, करनाल में 171, गुरुग्राम में 157, हिसार में 152, जींद में 147 सोनीपत में 134, पानीपत में 129, सिरसा में 130, यमुनानगर में 111, कुरुक्षेत्र में 96, फतेहाबाद में 104, कैथल में 92, अंबाला में 87, महेंद्रगढ़ में 81, रेवाड़ी में 80, रोहतक में 78, झज्जर में 72, भिवानी में 69, पंचकूला में 44 और चरखी दादरी में 30 व्यक्तियों की दो पत्नियां हैं।

साथ जिए और साथ हुए अमर: नहीं रहे जंगल के 'जय-वीरू', 15 शेरनियों के साथ रहते थे

अहमदाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के गिर नेशनल पार्क के जय और वीरू कहने जाने वाले दो शेर अब इस दुनिया में नहीं रहे। इन दोनों शेरों की दोस्ती ऐसी थी कि इनको लोग जय और वीरू कहा करते थे। ये दोनों शेर एक दूसरे के बिना अधूरे थे। सालों तक दोनों शेर जंगल में साथ-साथ घूमे-फिरे। दोनों शेरों के किस्से गिर नेशनल पार्क के रास्तों से लेकर यहां आने वाले पर्यटकों की जुबान पर रहते थे। प्रधानमंत्री मोदी भी जब इस साल अपनी गिर यात्रा पर आए थे तो उन्होंने भी इन दोनों शेरों की अनोखी जोड़ी को देखा था।

एक महीने पहले दोनों को अलग-अलग इलाकों में लड़ाई के दौरान गंभीर जख्म लगे। 11 जून को वीरू की चोट के चलते मौत हो गई थी। जय ने दम तोड़ दिया। गुजरात के एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट जयपाल सिंह ने बताया कि दोनों शेर बड़े शेरों के एक ही समूह समूह को लीड किया करते थे।

15 शेरनियों के साथ रहते थे

जयपाल सिंह ने बताया किबताया कि हमने दोनों को बचाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन दोनों को बचाया न जा सका। वहीं डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट मोहन राम ने बताया कि दोनों शेर नर थे। दोनों करीब 15 मादा शेरों के साथ रहा करते थे। जय और वीरू का एरिया बहुत बड़ा था। टूरिज्म जोन से लेकर नॉन टूरिज्म जोन तक, घांस के मैदानों से लेकर जगंलों और यहां तक कि सिंमात इलाकों तक फैला था। जब ये दोनों साथ नहीं थे तो दूसरों शेरों से लड़ाई में इन्हें गहरे जख्म लगे।

राज्यसभा सांसद ने व्यक्त किया शोक

राज्यसभा सांसद और वन्यजीव प्रेमी परिमल नथवानी ने दोनों शेरों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जय के निधन से दुख हुआ। अस्तित्व की लंबी और साहसी लड़ाई के बाद जय ने भी दम तोड़ दिया। प्रत्येक वन्यजीव प्रेमी के लिए जिसने जय और वीरू की उपस्थिति देखी है या इनके बंधन की कहानियां सुनी हैं, उसके लिए यह क्षति व्यक्तिगत है।

सड़क दुर्घटना में गई थी सफाई कर्मचारी की जान, अब परिवार को मिलेगा 64.73 लाख रुपये का मुआवजा

ठाणे, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में 2021 में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक सफाई कर्मचारी के परिवार को 64.73 लाख रुपये का मुआवाजा मिलेगा। मोटर दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने मृतक के परिवार की अपील पर ट्रक मालिक और बीमा कंपनी को दोषी मानते हुए मुआवजे देने का आदेश दिया है। 26 सितंबर, 2021 की रात सफाई कर्मचारी प्रेमदास चिंधु जाधव की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। परिवार के अनुसार जब वह रात को अपनी मोटरसाइकिल से सांगे गांव लौट रहे थे। तब बापगांव नाका पर एक ट्रक गलत दिशा से आया और उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इससे जाधव की मौके पर ही मौत हो गई। न्ययाधीकरण ने पाया कि ट्रक तेज गति और लापरवाही से चलाया जा रहा था। एमएसीटी ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे मृतक की ओर से कोई लापरवाही दिखाई दे। साथ ही बीमाकर्ता के इस दावे को भी खारिज कर दिया

कांग्रेस ने भी 20-25 बार ये प्रोसेस की, एसआईआर के विरोधी में विपक्ष को कंगना रनौत का जवाब

मंडी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में हो रही वोटर लिस्ट रीविजन (एसआईआर) को लेकर विपक्ष संसद में हंगामा कर रहा है। वोटर लिस्ट रीविजन को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। इसी बीच अब हिमाचल प्रदेश की मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने इसको लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। कंगना रनौत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कहा, एसआईआर एक बहुत ही जरूरी कार्रवाई है। जोकि हर सरकार करती है। कांग्रेस ने भी अपने टाइम पर 20-25 बार यह । हुई है। कंगना रनौत ने आगे कहा, मुझे जो अनुमान है उसके हिसाब से बहुत सालों से यह हुई नहीं है। तो इसकी तो हमें खुद डिमांड करनी चाहिए। इससे सामने आएगा कि कौन इस देश के नागरिक हैं, कौन जो बाहर से घुसपैठिए आकर यहां बसे हुए हैं। किस-किस को यहां पर वोट देने का अधिकार नहीं है। किस-किस को अधिकार है। तो अगर सरकार यह पता करती है जोकि एक संवैधानिक प्रक्रिया है, इसको अगर सरकार कर रही है तो इसमें इनको क्यों तकलीफ हो रही है। साथ ही विपक्ष लगातार पारदर्शिता को लेकर सवाल उठा रहा है। सांसद ने इस पर कहा, पारदर्शिता के लिए ही यह सरकार यह काम कर रही है।

इससे पहले भी कंगना ने बिहार में हो रहे वोटर लिस्ट रीविजन को लेकर टिप्पणी की थी। कंगना ने कहा था, विपक्ष सिर्फ हंगामा करता है, उसे देश या लोकतंत्र की परवाह नहीं है। कंगना ने विपक्ष के सदन में प्रदर्शन को लेकर कहा था कि ये लोग हर दिन सदन की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं, लोकतंत्र का मजाक बना रहे हैं और संविधान का गला घोंट रहे हैं।

बिहार में चुनाव नजदीक है। इसी बीच वोटर लिस्ट रीविजन जहां एक तरफ किया जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष इसको लेकर हमलावर है और लगातार सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे कुछ वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं बीजेपी इसे लोकतांत्रिक सुधार की दिशा में जरूरी कदम बता रही है। हालांकि, इसी बीच रविवार को चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर के पहले चरण का अंतिम आंकड़ा जारी किया है। इसके तहत, बिहार में वोटर रिवीजन के बाद कुल 7.24 करोड़ मतदाता हैं। साथ ही 65 लाख वोटर्स के नाम हटाए गए हैं। जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें मृत, विस्थापित और विदेशी वोटर शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 31 जुलाई - 2025

पाकिस्तान के झूठ की खुली पोल

पाकिस्तान आतंक के मुद्दे पर एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। यूएनएससी मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमलों के लिए टीआरएफ की भूमिका का जिक्र कर पाकिस्तान की नाक काट ली है। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि लश्कर के सपोर्ट बिना पहलगाम हमला हो ही नहीं सकता था। पाकिस्तान लगातार इस आतंकी हमले में अपने कनेक्शन को लेकर इनकार कर रहा था। लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगाम हमलों के लिए टीआरएफ की भूमिका का जिक्र कर पाकिस्तान की कलई खोल दी है। भारत शुरू से ही कहता आ रहा है कि पहलगाम हमले में पाकपरस्त आतंकी गुट का हाथ है। मई में भारत की एक टेक्निकल टीम ने यूएन की 1267 सैंक्शन कमेटी के समक्ष इससे जुड़ा पूरा ब्योरा भी दिया था। अब यूएनएससी की रिपोर्ट में पहली बार इस बात का जिक्र आने से पाकिस्तान बेनकाब हो गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने रिपोर्ट में कहा कि टीआरएफ नाम का आतंकी संगठन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल था। यूएनएससी की टीम ने यह भी बताया कि टीआरएप ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली और हमले के जगह की तस्वीर भी प्रकाशित की थी। देखा जा तो इस खुलासे के बाद भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। इस रिपोर्ट से पूरी दुनिया के सामने भारत का दावा सच साबित हो गया है कि कैसे पड़ोसी पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। बता दें कि यूएनएससी की एक टीम आतंकवाद पर नजर रखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। टीआरएफ पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा नामक संगठन से जुड़ा हुआ है। लश्कर ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम में हमला किया था। 2019 के बाद यह पहली बार है जब यूएनएससी की रिपोर्ट में लश्कर ए तैयबा का नाम आया है। इस रिपोर्ट में अल-कायदा और उनसे जुड़े लोगों का भी जिक्र है। दावा किया गया है कि लश्कर और टीआरएफ के बीच संबंध है। पहलगाम हमला टीआरएफ ने किया था, जो लश्कर के ही समान है। इससे पहले अमेरिका ने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया है। यूएनएससी ने इससे पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की थी। उसने कहा था कि इस घृणित आतंकवादी कृत्य के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और उन्हें न्याय के कटघरे में खडा करना चाहिए। उधर पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस हमले के बाद दोनों देशों के बीच चार दिनों तक लड़ाई चली। यह लड़ाई 10 मई को पाकिस्तानी सेना की ओर से युद्धविराम की अपील के बाद खत्म हुआ था।

बेहतर हो कि विपक्ष चर्चा ही करे

अजय जैन

संसद में चर्चा से भागना विपक्ष की रणनीति तो नहीं होनी चाहिए क्योंकि देश को भी यह जानने का अधिकार है कि आखिर सच क्या है. विपक्ष का लगातार हंगामा देखकर ऐसा लगता है कि वो सच को बाहर आने से रोकने में लगे हुए हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जब सरकार की बात पर भरोसा ही नहीं तो इस बातचीत में शामिल क्यों हुए ? क्या विपक्ष का यह रवैया सवालों के घेरे में नहीं है ?

देश के सर्वोच्च मंदिर लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर शुरू हुई बहस को लेकर विपक्ष का रवैया एक बार फिर सवालों एवं शंका के घेरे में है। सरकार ने विपक्ष की 16 घंटे की विस्तृत चर्चा के लिए मंच तैयार किया पर विपक्ष ने पहले ही क्षण से शोर-शराबा कर साबित कर दिया कि उसके पास सवाल कम एवं लेकिन सियासी नाटक ज्यादा है और वही करना उसे बखूबी आता है और किया भी जाएगा।

दरअसल, इस संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की शुरूआत विपक्ष को बहुत अच्छी करनी थी ताकि देशवासियों को भी लगता कि संसद में बस हंगामा ही नहीं होता, सार्थक बातचीत भी होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुरूआत करते हुए सेना के पराक्रम, बलिदान और कूटनीतिक कौशल की सराहना की लेकिन विपक्ष ने गंभीर चर्चा की जगह संसद को अखाड़ा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हस्तक्षेप कर बहस को स्थगित करना पड़ा जो संकेत है कि यह विपक्ष की 'बहस से भागने की तय रणनीति' है।

इस हंगामे पर भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सटीक टिप्पणी की कि "जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांगे थे, वे आज भी ऑपरेशन सिंदूर पर संदेह कर रहे हैं। दरअसल, यह राष्ट्रहित नहीं, केवल वोट बैंक के हित में की जा रही राजनीति है।" बड़ा सवाल यह है, कि विपक्ष को सरकार की किसी बात और अभियान पर अगर भरोसा ही नहीं है तो फिर चर्चा में आए ही क्यों ? कारण कि दिनभर की चर्चा के बाद भी अविश्वास तो बनाए ही रखना है न।

इधर, पूर्व अनुभवी मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने आग में घी डालने का बयान देकर चर्चा को और तीखा कर दिया। इनका यह पूछना कि आप कैसे मानते हैं कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे ? बेहद ही अतार्किक, अविश्वासी और भारतीय सेना एवं खुफिया एजेंसियों की क्षमता पर अविश्वास करना है। सरकार ने जब पाकिस्तान की पनाहगाहों तक स्ट्राइक की बात कही तो विपक्ष को अपने सुर बदलने चाहिए थे लेकिन अब भी 'राजनीति पहले, देश बाद में' की लाइन पर अड़ा रहना बता रहा है कि जनता को दिखाने के लिए यह सब दिखावा किया जा रहा है।

इस मुद्दे पर सीधा सवाल यह है कि भले ही केन्द्र सरकार झूठ बोल रही हो पर जब बहस तय थी, जवाब तय थे, मंच तैयार था तो फिर विपक्ष ने हंगामा क्यों किया ? उनको बोलने तो देते। कहना गलत नहीं होगा कि विपक्ष समझ गया और जानता भी है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' (पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 लोगों की हत्या का प्रतिकार लेना) केन्द्र सरकार की एक बड़ी सैन्य व कूटनीतिक सफलता है, और यदि वास्तविक तथ्य सामने आ गए तो उनका लगातार बोला जा रहा झूठ धराशायी हो जाएगा। इसलिए कांग्रेस सहित अन्य ने मुद्दे को चर्चा से भटकाकर हंगामे में डुबोने की कोशिश की है। सम्भवतः विपक्ष की रणनीति यह है कि सुनना ही नहीं है, ताकि कोई जवाब आम जनता तक पहुंचे ही नहीं।

विपक्ष को अब समझना पड़ेगा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य विजय नहीं, बल्कि यह राष्ट्र की संप्रभुता, सैनिकों के अद्भुत शौर्य और भारत की विदेश नीति की निर्णायक दृढ़ता का प्रमाण है। विपक्ष इस पर जैसी राजनीति कर रहा है, वह दरअसल अपने ही राजनीतिक भविष्य को खंडहर में बदल रहा है।

इसके लिए विपक्षी दलों को भविष्य में अफ़सोस ही होगा। इसलिए अभी भी समय है कि बौखलाने की अपेक्षा चर्चा में ईमानदारी से भाग लीजिए एवं देशहित में संवाद का प्रयास करें।

जर्जर स्कूलों में जान की कीमत पर पढ़ाई!

मनोज अग्रवाल

नागरिकों को आधार भूत मूल सुविधाएं यथा स्वच्छ पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवा व कम खर्च पर स्तरीय शिक्षा उपलब्ध करवाना केन्द्र एवं राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है परन्तु दोनों ही यह जिम्मेदारी निभाने में असफल हो रही हैं।हमारे सरकारी स्कूलों की दशा बेहद दयनीय है और कई स्कूलों की जर्जर हो चुकी स्कूल इमारत में छात्रों पर मौत मंडराती है। यह बात विशेष रूप से बेसिक व जूनियर कक्षाओं वाले स्कूलों पर लागू होती है।

आपको बता दें कि विद्यालय में शिक्षक बच्चों को सीख देते हैं कि हैं कि उन्हें अपना काम पूरी लगन, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। मगर, राजस्थान में झालावाड़ के पिपलोदी गांव स्थित सरकारी विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन खुद अपनी जिम्मेदारी भूल गए और जर्जर इमारत का एक हिस्सा ढहने से एक साथ आधा दर्जन घरों के चिराग बुझ गए। हादसे में सात मासूमों की जान चली गई। इस दुखद घटना ने ग्रामीण इलाकों में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे की स्थिति और व्यवस्थागत प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या शिक्षकों और

विद्यालय प्रबंधन को इस बात की जानकारी नहीं थी कि भवन का यह हिस्सा जर्जर हो चुका है और यहां कक्षाएं संचालित करना हादसे को न्योता देना है? अगर सब मालूम था तो ऐसा जोखिम उठाने की क्या वजह रही? पीड़ित परिवार की पीड़ा इन सवालों के जवाब ढूंढ़ रही है। झालावाड़ के जिला अधिकारी का कहना है कि प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने का निर्देश दिया था, लेकिन इस विद्यालय का भवन सूची में शामिल नहीं था। जब यह हादसा हो गया तो प्रशासन ने इस भवन के दूसरे हिस्से को भी गिरा दिया, ताकि वहां गलती से भी कक्षाएं संचालित न की जाएं। यही नहीं, राज्य सरकार ने अब विद्यालयों की तमाम इमारतों का सुरक्षा सर्वेक्षण कराने के निर्देश भी दिए हैं। मगर, सवाल है कि शासन-प्रशासन की ओर से ऐसी सतर्कता किसी हादसे के बाद ही क्यों दिखाई देती है? क्या ऐसी लापरवाही इसलिए बदस्तूर चलती रहती है कि ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आमतौर पर समाज के हाशिए के तबके से आते हैं? अगर जिला अधिकारी की ओर से कोई निर्देश दिया जाता है तो उस पर अमल सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? यह हादसा सिर्फ एक बानगी है, देशभर में न जाने कितने विद्यालय जर्जर इमारतों में संचालित हो रहे हैं। राज्य सरकारों को चाहिए कि ऐसी इमारतों की पहचान कर उन्हें असुरक्षित घोषित किया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यालयों में बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बच्चों की ये सुरक्षा को लेकर सरकार कितनी गंभीर है, इसकी पोल झालावाड़ में हुए स्कूल हादसे ने खोल दी है। इससे पता चलता है कि स्कूलों में बच्चों की जान भी सुरक्षित नहीं है। माता-पिता ने जब मासूमों का शव देखा तो उन पर कहर टूट पड़ा। एक साथ पढ़ने गए भाई-बहन भी अकाल मौत का ग्रास बन गए। उनके परिवारों का सब कुछ खत्म हो गया। पूरे गांव में हर कोई आंसू बहाते हुए सरकारी तंत्र को कोस रहा है। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ। प्रदेश में आठ हजार स्कूल ऐसे हैं, जहां बारिश के दिनों छत टपक रही हैं। दीवारें जर्जर हैं और प्लास्टर उखड़ रहा है। कई जगह स्कूल छत को गिरने से बचाने के लिए लकड़ी के पट्टों का इस्तेमाल किया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। जैसा कि हर हादसे के बाद सरकारी विभाग की नींद खुलती है इस हादसे के बाद भी लकीर पीटने का काम शुरू कर दिया गया और हर जिले के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण किया गया । सीएमओ के सख्त निर्देश के बाद विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों से जर्जर भवनों की एक बार फिर सूचना मंगवाई। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में कई सरकारी स्कूल खंडहरों में तबदील हो चुके हैं। वहां छतें टपक रही हैं, प्लास्टर और सीमेंट दीवारों का साथ छोड़ रहा है। दीवारें दरारों से भरी हुई हैं। अनेक स्थानों पर छतों की हालत इतनी खराब है कि ये कब गिर जाएं, उसका कोई भरोसा नहीं। अनेक स्कूलों में पीने का साफ पानी भी उपलब्ध नहीं। बच्चे तथा शिक्षक अपने घरों से पानी लेकर आते हैं। शौचालयों की हाल हालत भी काफी नारकीय है। मध्य प्रदेश के जोगियानी गांव के कई स्कूलों में वर्षा के कारण टपकती छतों के नीचे बैठे बच्चों को भीगते भी देखा। इन स्कूलों में छात्र-छात्राएं, जान जोखिम में डाल कर पढ़ाई कर रहे हैं। वर्षा ने सरकारी भवनों की जर्जर हालत की पोल खोल दी है। 20 जुलाई को भोपाल (मध्य प्रदेश) के बरखेड़ा पठानी स्थित सरकारी पीएम श्री स्कूल के एक कमरे में चल रही कक्षा के दौरान छत से प्लास्टर का एक बड़ा टुकड़ा भरभरा कर एक छात्रा के सिर पर आ गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे कई टांके लगाने पड़े और अब मौजूदा हादसा 25 जुलाई को सुबह पौने आठ बजे राजस्थान में झालावाड़ जिले के पीपलोधी गांव के सरकारी स्कूल की जर्जर इमारत ढह जाने से 7 बच्चों की दर्दनाक मौत और 35 बच्चे मलबे के नीचे दब गए। इन्हें इलाज के लिए मनोहर थाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां इनमें से 9 बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए दूसरे अस्पताल रैफर किया गया है।

इस मामले में स्कूल प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। जब कुछ बच्चों ने कक्षा में मौजूद अध्यापक से कहा कि छत गिर रही है तो कथित रूप से अध्यापक ने यह कह कर उन्हें चुप करवा दिया कि बैठे रहो। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों का इस ओर बार-बार ध्यान दिलाने के बावजूद इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई तथा पिछले कुछ दिनों की भारी वर्षा ने इसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया था।

कई बार शिकायतें की गई थीं परंतु प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। हालांकि अब स्कूल के हैडमास्टर सहित 5 अध्यापकों को निलम्बित कर दिया गया है।

ये घटनाएं तो नमूना मात्र हैं, ऐसे में छात्रों के अभिभावकों द्वारा यह प्रश्न पूछना उचित ही है कि बच्चों को ऐसे असुरक्षित भवनों में पढ़ने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? इन घटनाओं ने देश भर में शिक्षा विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अतः इसके लिए जिम्मेदार स्टाफ के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसी से सबक लेकर केंद्र सरकार ने देश भर के सभी स्कूलों के भवनों का सर्वेक्षण कराने का निर्देश जारी किया है।

स्कूली शिक्षा राज्यों का विषय है तथा विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड सरकारी स्कूलों का संचालन करते हैं। अतः राज्यों के शिक्षा बजट में वृद्धि करके स्कूलों की पुरानी तथा खस्ताहाल इमारतों को तुरंत सुधारना चाहिए ताकि ऐसी दुर्घटनाओं में देश के भावी कर्णधार बच्चों की जान न जाए।

हर युग में प्रासंगिक हैं मुंशी प्रेमचंद

कुमार कृष्णन

प्रेमचंद भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय साहित्यकारों, पत्रकारों में से थे, जिन्होंने असहमति का साहस और सहमति का विवेक विकसित करने के लिए समाज की विसंगतियों की पहचान की , साथ ही जनशक्ति को संगठित करने के लिए पत्रकारिता की उज्ज्वल मशाल भी जलाई। मौजूदा समय में प्रेमचंद की प्रासंगिकता और अधिक है।

प्रेमचंद जब साहित्य की विभिन्न विधाओं - कहानी, उपन्यास, नाटक और दूसरी विधाओं में लिख रहे थे, देश अंग्रेजी दासता के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहा था। प्रेमचंद उस लड़ाई में कलम को हथियार बनाकर लड़ रहे थे। उस समय देश के नेताओं की तरह लेखक भी स्वतंत्रता पश्चात के भारत का स्वप्न देखते हुए यह सोच रहे थे कि अंग्रेजों से स्वाधीनता हासिल करने के बावजूद देश को बहुत सी समस्याओं से जूझना है। उन समस्याओं पर अगर अभी से विचार नहीं किया गया तो स्वाधीनता के बाद वे और विकाराल हो जाएंगी और देश गर्त में चला जाएगा। अंग्रेजों ने भारतीय समाज के पारस्परिक सौहार्द वाले स्वरूप को हिंदू-मुस्लिम के बीच 'फूट डालो और राज करो' की नीति से पहले ही छिन्नभिन्न कर दिया था और उपर से भारतीय समाज की पहले से चली आ रही विभेदात्मक कुरीतियां उस ताने-बाने को और खत्म करने में लगीं थीं। इसलिए यह बहुत जरूरी था कि समाज को गहराई से शिक्षित किया जाए जिससे आगे आने वाले समय की चुनौतियां का ठीक ढंग से मुकाबला किया जा सके। इसीलिए हम देखते हैं कि प्रेमचंद अपने समूचे साहित्य में लगातार समाज बदलने की बात कहते हैं और ऐसे पात्रों की रचना करते हैं जो भावी समाज के नायक हो सकते हैं।

मुंशी प्रेमचंद ने इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक लेखन के साथ पत्रकारिता भी की। प्रेमचंद ने आज से एक सौ बीस साल पहले (1905) जमाना में स्वदेशी का प्रचार कैसे बढ़ सकता है, शीर्षक से लंबी टिप्पणी लिखी थी। वह टिप्पणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है क्योंकि स्वदेशी का अलख जगाने वाले और समाजवाद को ओढ़ने-बिछोने वाले, दोनों बराबर दूरी पर खड़े हैं, इसलिए खुली अर्थव्यवस्था और विनिवेश का अश्वमेघ जारी है। प्रेमचंद की पत्रकारिता इस अश्वमेघ के खिलाफ ललकार है। सांप्रदायिकता के खिलाफ तो वह शुरू से रहे ही।

प्रेमचंद की पत्रकारिता की चर्चा कम हुई है। वे तीन दशक तक वह पत्रकारिता जगत में छाए रहे। स्वदेश, आज, मर्यादा आदि कपत्रों से वह संबद्ध रहे और असहयोग आंदोलन के जमाने में स्तंभकार के रूप में प्रसिद्ध थे। प्रेमचंद ने सक्रिय राजनीति में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान किसी भी राजनेता से कम नहीं है। अपने समय की राजनीतिक घटनाओं पर प्रेमचंद की जागरूक निगाह बराबर बनी रही और उन घटनाओं पर वह निरंतर निर्भीक संपादकीय टिप्पणियां लिखते रहे।स्वराज और साम्राज्यवादी शोषण के सवाल पर उनका चिंतन अपने समय के राष्ट्रीय नेतृत्व से काफी आगे था। 'जिस दिन से भारतीय बाजार में विलायती माल भर गया, भारत का गौरव लूट गया', इस बात की प्रेमचंद ने न केवल पहचान की, बल्कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अनवरत संग्राम भी किया। स्वराज मिलकर रहेगा (मई 1931) दमन की सीमा (अप्रैल 1932), काले कानूनों का व्यवहार (जनवरी 1933), शक्कर पर एक्साइज ड्यूटी (जुलाई 1933), कोढ़ पर खाज (जून 1935) जैसे शीर्षक से लिखी गई टिप्पणियां उनकी उपनिवेशवाद विरोधी चेतना के प्रमाण हैं।

सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रथम चरण में जब राष्ट्रवादी चिंतन अपने उभार पर था, तब ब्रिटिश सरकार ने 1910 के प्रेस ऐक्ट की धाराओं को पुनर्जीवित कर बल्कि पहले की अपेक्षा और अधिक बर्बर बनाकर न्यू इंडियन प्रेस आर्डिनेंस, 1930 पास किया, तो इस सरकारी दमन नीति का तीव्र विरोध सबसे पहले प्रेमचंद ने किया। उन्होंने लिखा, 'स्वेच्छाचारी सरकारों की बुनियाद पशुबल पर होती है। वह हर एक अवसर पर अपना पशुबल दिखाने का तैयार रहती है... यह बिलकुल नया अविष्कार है और इसके लिए इंग्लैंड और भारत, दोनों ही सरकारों की जितनी प्रशंसा की जाए, वह थोड़ी है। अब न कानून की जरूरत है न व्यवस्था की, काउंसिलें और असेंबलियां सब व्यर्थ, अदालतें और महकमें सब फिजूल। डंडा क्या नहीं कर सकता- वह अजेय है, सर्वशक्तिमान है।' प्रेमचंद का हंस भी इस सरकारी दमन का शिकार हुआ और अपनी विरोधी चेतना की कीमत उन्हें पत्र बंद कर देने के रूप में चुकानी पड़ी।

उन्होंने स्वयं 'जागरण' जैसे अखबार निकाले और समय-समय पर राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर संपादकीय और आलेख लिखे। अगर प्रेमचंद के इस प्रकार के लेखन का गहराई से विश्लेषण किया जाए तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि बहुत छोटी-छोटी घटनाओं पर भी उनकी नजर कितनी तेज होती थीं कि आज भी उनको पढ़ने पर समाज का आइना नजर आतीं हैं। आज हम देख रहे हैं कि हमारा सामाजिक तानाबाना किस कदर तितरबितर होता जा रहा है और धर्म, जाति, प्रदेश, भाषा और ना जाने कितने आधारों पर समाज विभाजित होता जा रहा है। ऐसे में हम जब प्रेमचंद के विचारों से गुजरते हैं तो हमें पता चलता है कि आजादी के 78 साल गुजरने के बाद भी हम वहीं खड़े हैं, बल्कि यूं कहें कि प्रेमचंद के निधन के 89 बरस बाद भी हालात वहीं के वहीं हैं।

अप्रेल, 1931 में 'स्वार्थांधता की पराकाष्ठा' शीर्षक अपनी एक टिप्पणी में प्रेमचंद ने एक घटना का उल्लेख किया है कि उत्तर प्रदेश के एक नगर में सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने के उद्देष्य से एक मुस्लिम गुंडा कुरान शरीफ का एक पृष्ठ फाड़कर उसमें विष्ठा भरकर मस्जिद में फेंकने का प्रयास करते हुए पकड़ा जाता है और लोग उसकी जमकर मरम्मत करते हैं। प्रेमचंद लिखते हैं, ' इससे पता चलता है कि धार्मिक आघात पहुंचाकर किस भांति हिंदू-मुस्लिम विरोध की आग भड़काई जा सकती है। यह तो कल्पना ही न की जा सकती थी कि किसी मुसलमान ने यह हरकत की होगी, हिंदू ही पर शुबहा होता और हिंदुओं से बदला लेने की चेष्टा की जाती।

हम स्वार्थांध होकर इतने नीचे गिर सकते हैं!' अब आप आज के परिदृष्य पर नजर डालिए, इस प्रकार की कितनी घटनाएं हमारे सामने हैं? आज हमारे समाज इस प्रकार के गुंडा तत्व किस कदर हावी हो गए हैं? प्रेमचंद ने उस समय जिस प्रकार एक घटना का प्रतिकार किया था, आज हमारे लोगों में उस प्रकार के साहस का घोर अभाव दिखाई देता है।

प्रेमचंद हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे और दोनों समुदायों के बीच फैली कई भ्रांतियों का उन्होंने अपने कई लेखों में निराकरण करने का प्रयास किया। उनका 'हिंदू-मुस्लिम एकता' शीर्षक लेख इस्लाम के प्रचार के कारणों की तथ्यात्मक पड़ताल करते हुए हिंदू धर्म के बीच फैली असंख्य विसंगतियों को इसका मूल मानता है।

मिलावट का महापर्व!

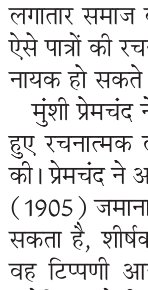
सुरेश गांधी

फिरहाल, त्योहारों की रौनक चारों ओर बिखरी है. रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और फिर दशहरा, दीपावली। पर इस पवित्र श्रृंखला के बीच मुनाफाखोरों की अपवित्र छाया देश के हर कोने में फैल चुकी है। उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, हर राज्य में मिलावटखोर सक्रिय हैं, और प्रशासनिक पकड़ ढीली। यह कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन अब इसका पैमाना और दुस्साहस दोनों ही खतरनाक हद तक बढ़ चुके हैं। लोग पूरे दाम देकर आधा जहर खरीद रहे हैं। मिठाई से लेकर मसाले, दूध, दही, तेल, फल, सब्जियां, पेय पदार्थ, हर चीज में मिलावट का जाल बिछ चुका है। नतीजा? बीमारियां, अस्पताल और अफसोस। हालात ये है कि देशभर में जहरीला व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है. इससे सिर्फ आम आदम की जेब भी कट रही, बल्कि जान भी जा रही है.

अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले एक सप्ताह में 12 जिलों से 400 क्विंटल नकली खोवा और पनीर पकड़ा गया। मध्य प्रदेश में इंदौर, भोपाल, जबलपुर में बड़े ब्रांडेड स्टोर्स तक में नकली घी और मिठाइयां मिलीं। दिल्ली-एनसीआर में फुटपाथ से लेकर नामी स्वीट हाउस तक नकली खोवा व कलर वाली बर्फी जब्त की गषे, राजस्थान में जोधपुर, अजमेर और कोटा में नकली मावे के साथ सिंथेटिक दूध की फैक्ट्रियां पकड़ी गईं। बिहार और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों से उत्तर भारत में नकली सामग्री की सबसे बड़ी आपूर्ति हो रही है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है आखिर कब तक आम नागरिक की थाली में बीमारी परोसी जाती रहेगी? कब तक त्योहारों के नाम पर ज़हर बिकता रहेगा? देश का फूड सिस्टम बेशक चौकस दिखाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि बाजार मिलावट के अंधेरे से भर चुका है।

रक्षाबंधन की खुशबू बाजारों में घुल रही है, पर मिठास के इस पर्व को मिलावट का ज़हर फीका करने लगा है। खोया, पनीर, मेवा, मसाले और मिठाइयों में मिलावट इतनी गंभीर हो चुकी है कि अब हर खरीद एक जोखिम बन चुकी है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई और जांच से यह खुलासा हुआ है कि बाजार में मिल रहे अधिकांश नमूनों में फैट की मात्रा शून्य है और हानिकारक रसायनों की मिलावट आम बात हो गई है। त्योहारों की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ व्यापारियों ने नकली पनीर का गोरखधंधा शुरू कर दिया है। प्लास्टिक की ड्रमों में सिंथेटिक दूध तैयार किया जाता है, जिसमें रिफाइंड तेल, यूरिया, डिटर्जेंट और व्हाइटनर मिलाकर नकली पनीर तैयार किया जा रहा है। कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, कुशीनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, सहित पूरे यूपी और बिहार, हरियाणा आदि राज्यों में धड़ल्ले से महामिलाट का कारोबार चल रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस नकली पनीर से पेट की बीमारियां, त्वचा संबंधी एलर्जी, उल्टी-दस्त, और किडनी-लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। "यह धीमा जहर है जो शरीर को अंदर से खोखला कर देता है."

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, महाराजगंज और बिहार के सीमावर्ती जिलों में नकली पनीर तैयार कर वाराणसी, लखनऊ, पटना जैसे बड़े शहरों के बाजारों में भेजा जा रहा है।

आस्था का उफान और भगदड़ों की त्रासदियां

जयसिंह रावत

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई रविवार को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था। यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्ति पीठ है जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गये थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही।

भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं।

प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं। श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहाँ तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है। ऐसी स्थिति में यदि हजारों की संख्या में लोग एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं और अचानक अफवाह या घबराहट फैलती है, तो भगदड़ अवश्यंभावी हो जाती है।

प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत में अधिकांश धार्मिक स्थलों पर ऐसी स्पष्ट कैरीइंग कैपेसिटी निर्धारित नहीं की जाती और न ही भीड़ को उसी अनुसार रोका जाता है। जब तक यह वैज्ञानिक आधार पर तय नहीं किया जाएगा कि किस पर्व पर किस स्थल पर कितने लोग एक समय में प्रवेश कर सकते हैं, तब तक सुरक्षा सिर्फ भाग्य पर आधारित होगी। प्रशासन कई बार दावा करता है कि उसने पर्याप्त इंतजाम किए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, पुलिस बल तैनात किया गया था, रूट प्लान तैयार था परंतु जब हादसा हो जाता है तो यही व्यवस्थाएं कागजों में ही सीमित पायी जाती हैं। मनसा देवी मंदिर की घटना में भी यही हुआ। एक अफवाह ने समूची व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। यदि श्रद्धालुओं को पहले से जागरूक और नियंत्रित किया गया होता, तो शायद यह हादसा टल सकता था।

दूसरी ओर धार्मिक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई बार आयोजक भीड़ को लेकर कोई वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाते, न ही किसी प्रकार की पूर्व अनुमति की प्रक्रिया का पालन करते हैं। हाथरस की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है।

न आयोजन का कोई नियंत्रण था, न किसी एजेंसी से सहमति ली गई थी और न ही आपातकालीन प्रबंधन की कोई योजना थी। इन हादसों के बाद अक्सर एक जैसी प्रतिक्रियाएं आती हैं, मुआवजे की घोषणा, मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश परंतु एक लोकतांत्रिक और उत्तरदायी प्रशासन को इससे कहीं आगे जाकर कार्य करना होगा।

कर्नाटक के प्रसिद्ध शिव मंदिर जिनके दर्शन मात्र से मन्नतें होती हैं पूरी

महाबलेश्वर मंदिर

कर्नाटक में स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिरों में आप सबसे पहले उत्तर कन्नड जिले के गोकर्ण में स्थित महाबलेश्वर मंदिर के दर्शन से कर सकते हैं। यह एक प्राचीन मंदिर है, जो चौथी शताब्दी से संबंध रखता है। इस मंदिर का निर्माण द्रविड़ शैली में किया गया था। यह मंदिर दक्षिण के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में गिना जाता है। यह मंदिर का मुख कारवार सिटी बीच की तरफ है, जहां तीर्थयात्री स्नान कर मंदिर दर्शन के लिए जाते हैं।

माना जाता है कि यह शिव मंदिर काशी विश्वनाथ की ही धार्मिक महत्व रखता है। इसलिए इस मंदिर को दक्षिण काशी भी कहा जाता है। अपनी धार्मिक यात्रा को विशेष बनाने के लिए आप यहां आ सकते हैं।

मुरुदेश्वर मंदिर

आप उत्तर कन्नड जिले के एक और प्रसिद्ध शिव मंदिर मुरुदेश्वर के दर्शन करने के लिए आ सकते हैं। यह मंदिर जिले के भटकल तालुका में स्थित है। यहां भगवान शिव की पूजा मुरुदेश्वर रूप में होती है, जो उनका दूसरा नाम है। यहां अरब सागर के तट पर भोलेनाथ की पूरे विश्व में दूसरी सबसे ऊंची मूर्ति स्थापित है। मैंगलोर-मुबई रूट पर

मुरुदेश्वर का अपना रेलवे स्टेशन भी है, जिसके सहारे आप यहां आसानी से पहुंच सकते हैं।

दिल्ली और गुरुग्राम के बीच की दूरी को घटाने के लिए होगा 6 लेन वाले नये एक्सप्रेसवे का निर्माण दिल्ली और गुरुग्राम के बीच की दूरी को घटाने के लिए होगा 6 लेन वाले नये एक्सप्रेसवे का निर्माण

मंजुनाथ मंदिर

कर्नाटक के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में आप 800 साल पुराने धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। यह मंदिर दक्षिण कन्नड जिले के धर्मस्थल नगर में स्थित है। यहां भगवान शिव की पूजा मंजुनाथ रूप में होती है।

इस मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति के साथ अम्मानवारू, तीर्थंकर चंद्रप्रभा, जैन धर्म रक्षक, कन्याकुमारी आदि देवी-देवताओं की प्रतिमाएं मौजूद हैं।

यह एक अद्भुत मंदिर है, क्योंकि इस मंदिर के पुजारी शैव ब्राह्मण हैं और इस मंदिर का प्रशासन जैन परिवार द्वारा चलाया जाता है।

जिन महिलाओं के यहां होता है तिल उनके पति बनते हैं बड़े व्यापारी

भारतीय ज्योतिष और सामुद्रिक शास्त्र में शरीर पर बने तिलों को व्यक्ति के स्वभाव, भाग्य और जीवन से जोड़कर देखा जाता है। महिलाओं के शरीर पर स्थित तिल उनके व्यक्तित्व, सौभाग्य, वैवाहिक जीवन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक संबंधों को प्रभावित करते हैं। आज हम महिलाओं के शरीर के ऐसे शुभ तिलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो पति के लिए भाग्यशाली माने जाते हैं। कहते हैं ऐसे तिल वाली महिलाएं जिस घर में जाती हैं वहां धन-दौलत किसी चीज की कोई कमी नहीं रहती। चलिए आपको बताते हैं इन तिलों के बारे में विस्तार से यहां।

1. क्या कहता है महिलाओं के माथे का तिल?

जिस महिला के माथे के दाहिने हिस्से पर तिल होता है वह अत्यंत बुद्धिमान, आत्मविश्वासी और भाग्यशाली मानी जाती है। ऐसा तिल राजनीतिक या सामाजिक क्षेत्र में सफलता देने वाले भी माने जाते हैं।

2. क्या कहता है महिलाओं के हाथ का तिल?

महिलाओं की हथेली के बीचों बीच तिल होना जीवन में समृद्धि, धन और सफलता का सूचक माना जाता है। ऐसी महिलाएं खुद के बल पर जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं।

3. क्या कहता है महिलाओं के गले पर तिल?

जिन महिलाओं के गले के बीच या दाहिनी ओर तिल होता है ऐसे महिलाएं पति के लिए बेहद भाग्यशाली मानी जाती हैं। ये परिवार वालों की किस्मत चमका देती हैं।

4. क्या कहता है महिलाओं की नाभि के पास का तिल

महिलाओं की नाभि के आसपास तिल होना अत्यंत शुभ माना गया है। यह तिल सुख-संपत्ति, ऐश्वर्य और अच्छे जीवनसाथी की ओर इशारा करता है।

5. महिलाओं के पैर के तलवे पर तिल होना

अगर महिला के पैर के तलवे पर तिल है, तो वह जीवन में बहुत यात्राएं करती हैं और विदेश यात्रा के योग प्रबल होते हैं। ऐसी महिला का पति भी खूब विदेश जाता है।

राहु के प्रकोप से जीवन हो जाएगा अस्त-व्यस्त अगर घर में करेंगे वास्तु से जुड़ी ये 5 गलतियां

राहु एक ऐसा ग्रह है जिसके प्रतिकूल होने पर व्यक्ति को जीवन भर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राहु के प्रतिकूल होने की वजह आपके कर्म भी हो सकते हैं और वास्तु से जुड़े दोष भी। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि वास्तु के अनुसार वो कौन सी गलतियां हैं जो राहु को बेहद प्रतिकूल प्रभाव देने वाला बना सकती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं इसके बारे में।

घर में रोशनी की कमी

अगर आपके घर में सूर्य का प्रकाश नहीं आता तो

नकारात्मकता आपके घर को प्रभावित कर सकती है। वास्तु के अनुसार, घर में प्राकृतिक रोशनी की कमी होने पर राहु ग्रह सक्रिय हो जाता है। इसके कारण घर के लोगों की तबीयत खराब हो सकती है, बने-बनाए कार्य भी बिगड़ सकते हैं। घर में प्राकृतिक रौशनी का अगर कोई जरिया न हो तो कम से कम लाइटिंग आपको ऐसी करनी चाहिए कि घर में उजाला बना रहे। ऐसा करने से राहु का प्रतिकूल प्रभाव कम हो सकता है।

बिस्तर पर बैठकर खाना

वास्तु के अनुसार, बिस्तर पर बैठकर भोजन करने से भी राहु नकारात्मक प्रभाव देता है। जिन लोगों के घर में लोग बिस्तर पर बैठकर खाना खाते हैं उनको बार-बार आर्थिक हानि हो सकती है। इसलिए ऐसा करने से आपको बचना चाहिए। अगर आप जमीन पर बैठकर खाना खाते हैं तो आपको बेहद अच्छे बदलाव अपने जीवन में देखने को मिल सकते हैं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा से जुड़ी गलतियां

वास्तु में दक्षिण-पश्चिम दिशा को नैऋत्य कोण कहा जाता है। इस दिशा का संबंध राहु से माना गया है। ऐसे में अगर आप घर के दरवाजे को इस दिशा में बना दें तो राहु का नकारात्मक प्रभाव आपके जीवन में बढ़ सकता है। इसके साथ ही इस दिशा में गलती से भी कभी शौचालय या स्नान घर भी नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में शौचालय बनाने से राहु बेहद प्रतिकूल हो सकते हैं और आपके जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं।

घर में कूड़ा-करकट जमा करना

आपका घर जितना अव्यवस्थित और कूड़ा-करकट से भरा होगा उतना ही राहु के प्रतिकूल प्रभावों का सामना आपको करना पड़ सकता है। इसलिए गलती से भी आपको कभी घर में कूड़ा-करकट जमा करके नहीं रखना चाहिए। खासकर पूजा-स्थल, किचन और सोने के कमरे में गंदगी जमा करने से आपको बचना चाहिए।

साध्य योग में जुलाई के अंतिम गुरुवार का व्रत विष्णु पूजा विधि और मंत्र से सफल होंगे कार्य

जुलाई का अंतिम गुरुवार व्रत 31 जुलाई को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को है। इस दिन साध्य योग प्रातःकाल से लेकर 1 अगस्त को 04:32 ए एम तक है। उसके बाद से शुभ योग है। गुरुवार को चित्रा नक्षत्र है। साध्य योग में आप कोई शुभ कार्य कर सकते हैं। पंचांग के अनुसार, इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से शुरू होकर 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। इस दिन राहुकाल का समय दोपहर के 02 बजकर 09 मिनट से शुरू होकर 3 बजकर 50 मिनट तक रहेगा।

गुरुवार व्रत और पूजा का महत्व

बृहस्पतिदेव के पूजन से जीवन में सुख-शांति के साथ सफलता के द्वार खुलते हैं। बृहस्पति के पूजन के साथ उनका व्रत रखना भी उत्तम माना जाता है। अग्नि पुराण में उल्लेख मिलता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने काशी में शिवलिंग की स्थापना की थी, जिस वजह से गुरुवार के दिन भगवान बृहस्पति की पूजा का महत्व और भी बढ़ जाता है। अग्नि पुराण और स्कंद पुराण के अनुसार गुरुवार के दिन व्रत रखने से धन, समृद्धि, संतान और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। गुरुवार व्रत रखने के लिए इस दिन पीले वस्त्र धारण करने और पीले फल और पीले फूलों का दान करने से भी लाभ होता है। गुरुवार के दिन भगवान विष्णु को हल्दी चढ़ाने से मनोकामना पूरी होती है और पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, इस दिन विद्या की पूजा करने से भी ज्ञान में वृद्धि होती है। गुरुवार के दिन किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न और धन का दान करने से भी पुण्य प्राप्त होता है।

गुरुवार व्रत को किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से शुरू कर सकते हैं और 16 गुरुवार तक व्रत रखकर उद्यापन कर दें।

मान्यता है कि केले के पत्ते में भगवान विष्णु का वास होता है, इसलिए गुरुवार के दिन केले के पत्ते की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत शुरू करने के लिए आप सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें।

एक चौकी पर पीले रंग का कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करके व्रत का संकल्प लें।

फिर केले के वृक्ष की जड़ में चने की दाल, गुड़ और मुनक्का चढ़ाकर भगवान विष्णु की पूजा करें। दीपक जलाएं और गुरुवार व्रत कथा सुनें।

उसके बाद भगवान बृहस्पति और भगवान विष्णु की आरती करें। उसके बाद आरती का आचमन करें। इस दिन पीले रंग के खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

अपने सत्य को पहचानें, ये बड़ी साधना है और इसे आध्यात्मिक उत्कर्ष भी कहते हैं

जीवन में आगे बढ़ने के लिए, जीवन के सौंदर्य, पावित्र और दिव्यता को प्रकट करने के लिए आत्म निरीक्षण बड़ी साधना है। वास्तव में आत्म निरीक्षण उत्तम कोटि की साधना है। आत्म निरीक्षण से जीवन का वास्तविक सौंदर्य प्रकट होता है और हम अपने अस्तित्व, स्वभाव और सत्य से परिचित होते हैं। हम ये जान पाते हैं कि हम नित्य और सनातन हैं। स्वयं के सत्य को, अपनी सत्ता को अनुभूत करें, यही बड़ी साधना है, इसे आध्यात्मिक उत्कर्ष कहते हैं।

सावन में बेलपत्र से करें चमत्कारी उपाय

कभी-कभी सबके बीच रहने के बावजूद मन अंदर से खाली सा लगने लगता है। दिनभर हंसने-बोलने के बाद भी जब इंसान अकेले कमरे में जाता है, तो ऐसा लगता है जैसे सब कुछ थम गया हो। यह एहसास धीरे-धीरे मन को थकाने लगता है, अगर आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं, तो ये उपाय आपके लिए है। सावन का महीना ना सिर्फ धार्मिक होता है बल्कि आत्मिक रूप से भी बहुत खास माना गया है। इस दौरान किए गए कुछ सरल और सच्चे मन से किए उपाय व्यक्ति के जीवन में पॉजिटिव बदलाव लाते हैं। आज हम सावन के महीने में एक ऐसा उपाय जानेंगे भोपाल निवाससी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से जो आपके मन और जीवन दोनों को शांत और खुशहाल बना सकता है।

सावन का महीना वैसे भी भगवान शिव को समर्पित होता है, और इस

दौरान किया गया हर छोटा-सा उपाय जल्दी असर दिखाता है। आज का उपाय बेहद आसान है लेकिन उतना ही असरदार भी।

उपाय क्या है?

आपको बस एक बेलपत्र लेना है जिसमें तीन पत्तियां जुड़ी हों। इन तीन पत्तियों को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना गया है। इस बेलपत्र को साफ पानी से धो लें और फिर सच्चे मन से "ॐ नमः शिवाय" मंत्र बोलते हुए शिवलिंग पर चढ़ाएं।

क्या होगा इससे?

जब आप इस उपाय को श्रद्धा और शांति से करेंगे, तो धीरे-धीरे आपको महसूस होगा कि आपके मन का तनाव हल्का हो रहा है। यह उपाय आपकी सोच में पॉजिटिविटी लाएगा, आपकी आत्मा को शांति देगा और आपके अंदर की बेचैनी को कम करेगा। साथ ही, यह आपकी लाइफ में स्थिरता, समृद्धि और आगे बढ़ने की शक्ति भी देगा।

इस उपाय को कब करें?

सुबह-सुबह स्नान करके और साफ कपड़े पहनकर बेलपत्र चढ़ाना सबसे अच्छा रहता है। सावन के महीने में हर दिन या कम से कम हर सोमवार को यह उपाय ज़रूर करें।

कुछ जरूरी बातें ध्यान रखने योग्य:

1. बेलपत्र कभी उल्टा ना चढ़ाएं।

2. जिस बेलपत्र को चढ़ाएं, वह फटा हुआ या सूखा नहीं होना चाहिए।

3. अगर संभव हो, तो इस उपाय के साथ "ॐ नमः शिवाय" का जाप भी 108 बार करें।

इन 5 राशियों पर चल रही है शनि साढ़े साती और ढैय्या सावन खत्म होने से पहले जरूर कर लें ये उपाय

शनि साढ़े साती और शनि ढैय्या का नाम सुनते ही लोग डरने लगते हैं क्योंकि इस दौरान कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन ज्योतिष की मानें तो ये दशा हमेशा बुरी नहीं होती। अगर आपकी कुंडली में शनि की स्थिति मजबूत है तो इस दौरान किसी भी तरह की परेशानियां नहीं आती। ऐसे में शनि की स्थिति मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है। बता दें इस समय कुंभ, मीन और मेष राशि वालों पर शनि साढ़े साती चल रही है तो वहीं सिंह और धनु वालों पर शनि ढैय्या है। ऐसे में सावन के दौरान ये 5 राशियां ऐसे कौन से उपाय कर सकती हैं जिससे इन पर शनि की दशा का बुरा प्रभाव न पड़े चलिए इस बारे में जानते हैं..

शनि साढ़े साती और शनि ढैय्या का नाम सुनते ही लोग डरने लगते हैं क्योंकि इस दौरान कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन ज्योतिष की मानें तो ये दशा हमेशा बुरी नहीं होती। अगर आपकी कुंडली में शनि की स्थिति मजबूत है तो इस दौरान किसी भी तरह की परेशानियां नहीं आती। ऐसे में शनि की स्थिति मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है। बता दें इस समय कुंभ, मीन और मेष राशि वालों पर शनि साढ़े साती चल रही है तो वहीं सिंह और धनु वालों पर शनि ढैय्या है। ऐसे में सावन के दौरान ये 5 राशियां ऐसे कौन से उपाय कर सकती हैं जिससे इन पर शनि की दशा का बुरा प्रभाव न पड़े चलिए इस बारे में जानते हैं...

शनि साढ़े साती और शनि ढैय्या के उपाय

-धार्मिक मान्यताओं अनुसार शनिदेव के आराध्य भगवान शिव हैं और भगवान शिव के वरदान से ही शनिदेव को न्याय करने का अधिकार प्राप्त हुआ था। यही कारण है कि शिवजी की पूजा करने से शनिदेव शीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए सावन के महीने में या सिर्फ सावन सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक जरूर करें। साथ ही महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इससे शनि साढ़े साती और शनि ढैय्या से राहत जरूर मिलेगी।

-इसके अलावा साढ़े साती से मुक्ति पाने के लिए सावन महीने में प्रतिदिन स्नान-ध्यान के बाद शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाकर शिव पंचाक्षरी मंत्र का भी जाप जरूर करें। इससे भी शनि साढ़े साती और शनि ढैय्या से राहत मिलेगी।

-अगर आप शनिदेव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं तो सावन सोमवार के दिन गंगाजल में साबुत उड़द मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक जरूर करें। कहते हैं इस उपाय से भी साढ़े साती से मुक्ति मिल सकती है।

-सावन सोमवार पर शहद से भगवान शिव का अभिषेक करने से भी शनिदेव की खूब कृपा बरसेगी। साथ ही साढ़े साती और शनि ढैय्या का प्रभाव भी कम हो जाएगा।

रजनीकांत बुरी तरह फिसले और मुंह के बल गिरे ! अखबार लेने घर से निकले थे थलाइवा

रजनीकांत का वायरल वीडियोः सुपरस्टार रजनीकांत का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया है। वायरल क्लिप में, एक व्यक्ति को तमिल अभिनेता रजनीकांत बताया जा रहा है। वो अपने अपने चेन्नई स्थित घर के लॉन में टहलते हुए दिखाई दे रहे हैं, तभी वह फिसलकर गिर जाते हैं।

वीडियो की शुरुआत में, एक व्यक्ति सुबह का अखबार लेने के लिए एक साधारण टी-शर्ट पहने अपने घर से बाहर निकलता है। जैसे ही वह वापस चलने के लिए मुड़ता है, नम फर्श के कारण वह अचानक फिसल जाता है और जोर से मुंह के बल गिरता है। हालांकि, बिना हिले-डुले, वह तेजी से उठता है और शांति से अपने घर वापस चला जाता है।

रजनीकांत का वीडियो वायरल !

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर होते ही, इंटरनेट यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी और रजनीकांत को लेकर चिंता जताई। लोग कह रहे हैं कि ये रजनीकांत ही हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया कि वीडियो फर्जी हो सकता है, तो कई लोगों ने लीक पर सवाल उठाए और आश्चर्य जताया कि अभिनेता के घर के अंदर का वीडियो कैसे लीक हो गया।

लोगों ने निजता पर उठाए सवाल

एक यूजर ने पूछा- कोई ये निजी फुटेज कैसे ले सकता है? एक ने कहा- यह दुखद है कि लोग दूसरों के नाजुक पलों को सिर्फ व्यूज के लिए रिकॉर्ड कर लेते हैं। हर किसी को निजता का हक है। अपने काम से काम रखो, किसी और की जिंदगी से नहीं। एक तीसरे कमेंट में लिखा था- लगता है कोई उन्हें चुपके से रिकॉर्ड कर रहा था। एक ने पूछा- उनका सीसीटीवी फुटेज भी हैक हो गया?

फिल्म की शूटिंग में जुटे हैं रजनीकांत

इस बीच, काम की बात करें तो, रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कुली' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। लोकेश कनगराज की निर्देशित इस फिल्म में श्रुति हासन, नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर, मोनिशा ब्लेसी और काली वेंकट जैसे कलाकार भी हैं।

सनी देओल जल्द बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म में आएंगे नजर

एक्टर सनी देओल ने हाल ही में 'गदर 2' और 'जाट' जैसी हिट फिल्में दीं। उनके पास 'बॉर्डर 2', 'लाहौर' 1947 और 'रामायणः पार्ट वन' जैसी बड़ी फिल्में हैं। सूत्रों के मुताबिक, जल्द सनी देओल एक्सेल एंटरटेनमेंट की बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगे। एक सूत्र ने बताया कि इस फिल्म से सनी देओल और एक्सेल एंटरटेनमेंट की पहली बार पार्टनरशिप होगी। दोनों के बीच इसको लेकर काफी वक्त से बातचीत चल रही थी। अब एक हाई-कॉन्सेप्ट और बड़े स्केल की फिल्म पर मिलकर काम शुरू हो रहा है। सनी की फिल्म गदर 2 ने 500 करोड़ से ज्यादा कमाए, जबकि जाट ने भी 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। सूत्र के अनुसार, सनी को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई है। वह फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के साथ काम करने को लेकर काफी खुश हैं। यह भी बताया गया कि इस फिल्म से बालाजी डायरेक्शन में डेब्यू करेंगे। वह इससे पहले कई तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्मों में असिस्टेंट और एसोसिएट डायरेक्टर रह चुके हैं। फिल्म की शूटिंग दिसंबर से शुरू होगी।

सूत्र ने बताया, "यह एक दमदार फिल्म होगी। इसमें सनी उसी अवतार में दिखेंगे, जिसमें दर्शकों ने उन्हें हमेशा पसंद किया है। फिल्म में जबरदस्त ड्रामा और एक्शन सीन्स होंगे, जो थिएटर में देखने लायक होंगे।" फिल्म के बाकी किरदारों की कास्टिंग जारी है। इसका टाइटल और फर्स्ट लुक जल्द सामने आएगा। वहीं, एक्सेल एंटरटेनमेंट आने वाले दो सालों में '120 बहादुर', 'मिर्जापुरः द मूवी' और 'डॉन 3' जैसी फिल्में लाने की तैयारी में है।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में राम का किरदार निभाने के सवाल पर आशुतोष राणा ने किया रिएक्ट

रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे, लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स का मानना है कि ये रोल आशुतोष राणा को मिलना चाहिए था। हाल ही में दिए इंटरव्यू में जब आशुतोष राणा से सवाल पूछा गया कि ऑडियंस का ये भी कहना है कि फिल्म 'रामायण' में आपको राम जी का रोल प्ले करना चाहिए था? इस पर आशुतोष ने कहा, मेरा अपना यह मानना है कि जो चीज आपके प्रारब्ध में आपकी भाग्य में भगवान ने लिखी होगी, वो चीज आप तक अपने आप पहुंच जाती है। आप सिर्फ एक जगह पर बैठ के धैर्य पूर्वक प्रतीक्षा करिए। प्रतीक्षा और धैर्य अगर सही स्थान पर किए जा रहे हों तो गती होती है।

आशुतोष ने आगे कहा, मैं ये मानता हूं कि आप क्या सोचते हैं? मैं ये मानकर चलता हूं कि हमारा एक नाटक है, राम नाम के नाटक में मैं रावण का किरदार निभाता हूं। आप अपने मित्रों से ज्यादा अपने शत्रु के नाम का चिंतन करते हैं तो जिसका आप चिंतन करते हैं, स्मरण करते हैं, आप वैसे ही हो जाते हैं। अगर हम राम का किरदार निभा रहे होते तो राम जी अपने बारे में ना सोचते रहते? और अगर वो अपने बारे में सोचते, तो फिर हम उनको राम कैसे कहते?फैंस को लेकर आशुतोष ने कहा कि इसलिए मैं धन्यवाद देता हूं कि ऐसा लोग सोचते हैं और बहुत अच्छी बात लेकिन उनकी कृपा बनी रहे। फिल्म रामायण का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। यह दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म में साई पल्लवी सीता, लारा दत्ता कैकेई, सनी देओल हनुमान और शीबा चड्ढा मंथरा के रोल में हैं।

बचपन में सुदेश लहरी के पास नहीं थे पैसे, कॉमेडियन बोले- 'मैं अनपढ़ हूं कभी स्कूल नहीं गया'

कॉमेडियन सुदेश लहरी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कई खुलासे किए। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब उनके पास स्कूल जाने तक के पैसे नहीं हुआ करते थे और कैसे उन्होंने गरीबी का सामना किया है।

जीवन में कई कठिन मोड़ का किया सामना

अमन औजला के साथ बातचीत के दौरान सुदेश ने बताया कि कैसे वह गरीबी में बड़े हुए हैं। एक समय ऐसा भी था जब उनके पास स्कूल जाने के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने आगे कहा कि वह पढ़े-लिखे नहीं हैं और साइनबोर्ड भी नहीं पढ़ सकते। फिर भी, वह पैसे खर्च करने और जीवन का आनंद लेने में विश्वास रखते थे।

शादी और पढ़ाई को लेकर सुनाया किस्सा

अपनी शादी को लेकर सुदेश ने बताया, 17 साल की उम्र में मेरी शादी हुई। मेरी पत्नी 15 साल की थी। हम समझ नहीं पा रहे थे कि क्या कर रहे हैं। बच्चों के जन्म के बाद भी हमें कुछ समझ नहीं आता था। हमारे पास पैसे नहीं थे। अस्पताल का खर्च भी नहीं उठा सकते थे। अपनी पढ़ाई को लेकर सुदेश ने बताया, मैं अनपढ़ हूं। मैंने कभी स्कूल नहीं देखा। पैसे कमाने के लिए मैं दुकानों पर काम करता था, मैकेनिक का काम करता था। मुझे अभिनेता बनना था। मैं पढ़ नहीं सकता था, लेकिन डायलॉग याद कर सकता था।

दिवाली का किस्सा

सुदेश ने दिवाली का एक किस्सा बताया, मैं पैसे खर्च करने में विश्वास रखता हूं। पैसा बैंक में रखने से कोई फायदा नहीं। बचपन में अमृतसर में दिवाली पर हमारे पास पटाखे या मिठाई खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे। एक बार मेरे पास 100 रुपये थे। मैंने 50 रुपये की मिठाई और कुछ मोमबत्तियां खरीदीं। हमने छत पर जाकर पड़ोसियों के पटाखों को देखा और कल्पना की कि वे हमारे लिए पटाखे जला रहे हैं।

सुदेश की पहली कार

अपनी पहली कार को लेकर सुदेश ने बताया, मेरी पहली कार सेकंड-हैंड इंडिगो थी। मुझे उसका बहुत मजा आया। एक समय ऐसा भी आया जब मेरे पास मुंबई में पांच घर थे। सुदेश ने बताया कि उनका बेटा डिजाइनर कपड़े मांगता है। उन्होंने कहा, मुझे ये सब समझ नहीं आता, लेकिन उसे पसंद है। आखिर में, मेरे गुच्ची जूते वही पहनता है।

'कांतारा 2' के बाद आगामी फिल्म में योद्धा की भूमिका में दिखेंगे ऋषभ शेट्टी

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है। आइए देखें पोस्टर।

क्या है फिल्म का पोस्टर?

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में एक साथ शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

ट्विंकल खन्ना और काजोल एक साथ लेकर आ रही हैं नया टॉक शो 'टू मच', फैंस हुए उत्साहित

ट्विंकल खन्ना और कालोज एक नया टॉक शो 'टू मच' लेकर आ रही हैं। इस शो की

आधिकारिक घोषणा कुछ देर पहले ही सोशल मीडिया पर की गई है। इस शो में ट्विंकल और काजोल को एक साथ देखने के लिए उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं। प्राइम वीडियो ने आज काजोल और ट्विंकल खन्ना के नए शो की अनाउंसमेंट कर दी है।

यह एक टॉक शो होगा। आज अमेजन प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर नए शो 'टू मच' की घोषणा करते हुए काजोल और ट्विंकल की एक शानदार तस्वीर शेयर की और साथ ही कैप्शन में लिखा, उनके पास चाय है और यह बहुत याद आने वाली चीज है। ट्विंकल खन्ना और कालोज के इस शो को लेकर सेलेब्स और फैंस बेहद उत्साहित हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने लिखा, 'शीर्षक और मेजबान बहुत पसंद आये, यह बहुत मजेदार होने वाला है', एक फैन ने लिखा, 'हे भगवान, मेरे दो पसंदीदा व्यक्ति एक ही शो में! यह अनोखा और मजेदार होने वाला है-मैं इसके लिए तैयार हूं', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत उत्साहित हूं', एक और फैन ने लिखा, 'पहले एपिसोड में कुक अक्की और देवगन', एक और फैन ने लिखा, 'वाह काजोल, बैक टू बैक यह बॉलीवुड में अब तक का सबसे अच्छा है!', एक और फैन ने लिखा, ' काजोल बैक टू बैक शॉट।' काजोल और ट्विंकल जल्द ही प्राइम वीडियो पर नए टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल लेकर आ रही हैं।

इस शो की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। यह शो बानिजय एशिया द्वारा बनाया जा रहा है और इसमें बॉलीवुड और बाकी इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों के साथ मजेदार, बेबाक और जोशीली बातचीत होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह शो अनोखा होगा। यह शो कॉमेडी, ग्लैमर और खुलकर बात करने का तालमेल होगा। दोनों अभिनेत्रियां अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। इसलिए यह शो दर्शकों के लिए एक ताजा और मनोरंजक अनुभव हो सकता है।

रुचि गुज्जर की बढ़ी मुश्किलें, एक्ट्रेस पर दर्ज हुआ 10 करोड़ का मुकदमा

एक्ट्रेस रुचि गुज्जर सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने 'सो लॉन्ग वैली' के प्रीमियर पर जमकर हंगामा करते हुए डायरेक्टर मान सिंह पर चप्पल और पानी की बोतलें फेंकी थी। इसके बाद रुचि कानूनी विवाद में फंस गई थीं। वहीं अब एक्ट्रेस पर 10 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर हो गया है। ये मुकदमा किसी और ने नहीं बल्कि डायरेक्टर मान सिंह ने ही किया है।

10 करोड़ का मुकदमा दर्ज

एक्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा था कि करण और मान ने उनसे 23 लाख रुपये टीवी सीरियल के नाम पर हड़पे हैं। वहीं अब मान सिंह ने एक्ट्रेस पर 10 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दर्ज करा दिया है। डायरेक्टर का कहना है कि रुचि ने उनकी इमेज और 'सो लॉन्ग वैली' मूवी की छवि को खराब किया है जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ।

फिल्म प्रीमियर में किया हंगामा

दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हुआ था। जिसमें एक्ट्रेस रुचि 'सो लॉन्ग वैली' प्रीमियर में हंगामा करती दिखाई दीं। वीडियो में वो निर्माता और डायरेक्टर मान सिंह पर चप्पल और पानी की बोतलें फेंकती हुई चिल्लाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने मान सिंह और करण सिंह पर उनके साथ 23 लाख की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया।

मान सिंह ने आरोपों को बताया झूठा

फिल्म निर्माता ने बताया कि रुचि ने जो भी आरोप लगाए हैं वो सरासर झूठे हैं। मान सिंह ने मीडिया को बयान जारी करते हुए कहा कि एक्ट्रेस के खिलाफ मानहानि का मुकदमा तो दर्ज करा दिया गया है और जल्द ही पुलिस इसको लेकर कार्रवाई भी शुरू कर देगी।

बता दें हंगामा करने के आरोप में रुचि और छह लोगों पर पहले ही केस दर्ज हो चुका है। बता दें मान सिंह की 'सो लॉन्ग वैली' 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें त्रिधा चौधरी, आकांक्षा पुरी और विक्रम कोचर भी हैं।

ट्रोल होने पर आरजे महवश ने खोली 'चीटिंग' की किताब, यूजर्स को लिया आडे हाथ

पॉपुलर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आरजे महवश सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। महवश खुद से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इस बीच अब आरजे ने एक पोस्ट शेयर किया है, जो सुर्खियों में आ गया है। इस पोस्ट में महवश 'चीटिंग' पर बात करती नजर आ रही हैं। यूजर्स भी महवश के इस वीडियो पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि आरजे ने इस पोस्ट में ऐसा क्या शेयर कर दिया है?

आरजे महवश ने शेयर किया वीडियो

दरअसल, आरजे महवश ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में महवश ने बताया है कि क्या-क्या करना चीटिंग है? आरजे ने वीडियो में कहा कि किसी को सीक्रेट मैसेज करना चीटिंग है। किसी के मैसेज डिलीट करना चीटिंग है। अपने एक्स से छुपकर बात करना चीटिंग है। जिम के शर्टलेस लड़कों को आग वाला इमोजी भेजना चीटिंग है।

क्या बोलीं महवश?

महवश ने आगे कहा कि अपनी स्नैपचैट आईडी उससे छुपाना चीटिंग। कोई हॉट कपल साइड से निकले, तो उसे घूर-घूरकर घर तक छोड़कर आना चीटिंग। ऐसे लोगों से बस दोस्ती करना जो तुम्हें हॉट लगते हैं, आई कैंडीज चीटिंग। छुप-छपुकर मिलना चीटिंग। इस पोस्ट को शेयर करते हुए महवश ने एक लंबा-चैड़ा कैप्शन भी लिखा है। महवश के इस पोस्ट पर अब यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

यूजर्स ने किया ट्रोल

एक यूजर ने आरजे के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा कि शादीशुदा लड़के के साथ रहना भी चीटिंग। दूसरे यूजर ने कहा कि शादीशुदा लड़के का डिवोर्स कराना भी चीटिंग। तीसरे यूजर ने लिखा कि रिलेक्स गाइज चहल को बता रही है। एक और यूजर ने कहा कि किसी के पति को चुराना चीटिंग पीरियड। एक अन्य यूजर ने लिखा कि और दूसरे लोगों के हसबैंड को चुराना वो भी चीटिंग। एक अन्य यूजर ने कहा कि चीटिंग तो यूजी भाई ने भी किया है।

क्या बोले नेटिजंस?

इसके अलावा एक और यूजर ने लिखा कि किसी का पति चुराना, चीटिंग? इस यूजर के कमेंट का जवाब देते हुए आरजे महवश ने लिखा कि मैंने चुराया नहीं, इसलिए मैंने नहीं पता कि किसी का पति चुराना चीटिंग। एक और यूजर ने लिखा कि वो लंदन जाए और पीछे-पीछे जाना चीटिंग। एक और ने कहा कि धनश्री के साथ चीटिंग किया है। इस तरह के कमेंट्स यूजर्स ने आरजे के पोस्ट पर किए हैं।

'मुबारक हो प्यारे भाई', शंकर महादेवन ने सोनू निगम को दी जन्मदिन की खास शुभकामनाएं

30 जुलाई 1973 को हरियाणा के फरीदाबाद में जन्मे सोनू निगम का आज 52वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर उनके दोस्त और सिंगर शंकर महादेवन ने दोनों की एक खास तस्वीर सोशल

मीडिया हैंडल पर शेयर की और साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

सोनू के लिए शंकर का पोस्ट

शंकर महादेवन ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी और सोनू निगम की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ शंकर ने सोनू को जन्मदिन की खास बधाई देते हुए कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्यारे भाई सोनू निगम। इस अद्भुत दोस्ती और हमारे द्वारा किए गए सभी अद्भुत संगीत के लिए चीयर्स, और साथ मिलकर करेंगे।'

फैंस के कमेंट्स

शंकर महादेवन की इस खास पोस्ट पर फैंस सोनू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं सर जी', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो सोनू सर, आपसे प्यार करता हूं', एक और फैन ने लिखा, 'एक फ्रेम में दो दिग्गज', एक और फैन ने लिखा, 'दोनों मेरे पसंदीदा हैं', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत प्यारी पोस्ट'। सोनू निगम ने शंकर महादेवन की इस पोस्ट पर उनका शुक्रिया अदा करते हुए कमेंट में लिखा, 'बहुत बहुत धन्यवाद।'

सोनू निगम का करियर

सोनू निगम को भारतीय संगीत उद्योग के सबसे सफल गायकों में से एक माना जाता है। सोनू हिंदी और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में गाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनू ने अपने पूरे सिंगिंग करियर में 32 से अधिक भाषाओं में 6,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं।

सोनू निगम के प्रसिद्ध गाने जिन्हें दर्शक अक्सर सुनते और गुनगुनाते हैं- संदेशे आते हैं (बॉर्डर), बोले चूड़ियां (कभी खुशी कभी गम), सतरंगी रे (दिल से), ये दिल दीवाना (परदेस), अभी मुझ में कहीं (अग्निपथ), सूरज हुआ मद्धम (कभी खुशी कभी गम), और कल हो ना हो (कल हो ना हो)।

डायबिटीज मरीजों को भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये चीजें, वरना बढ़ सकता है शुगर लेवल

आज डायबिटीज (मधुमेह) एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुकी है, जिसने दुनिया भर में करोड़ों लोगों को अपनी चपेट में लिया है। खासकर भारत में, यह संख्या चौंकाने वाली है, जहां लगभग 10 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। यह एक ऐसी स्थिति है जहां शरीर या तो पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता या उसका सही इस्तेमाल नहीं कर पाता, जिससे ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता या अनियंत्रित रहता है। अगर इस पर नियंत्रण न किया जाए, तो यह हृदय, किडनी, तंत्रिकाओं और आँखों जैसे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

इस बीमारी के प्रबंधन में सही डाइट प्लान बनाना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस डाइट प्लान में इस बात का विशेष ध्यान दिया जाता है कि चीनी और मीठी चीजों से दूरी बनाई जाए। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि उन चीजों को भी न खाया जाए जो आपकी शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम उन्हीं चार चीजों के बारे में जानते हैं, जिनसे डायबिटीज के मरीजों को विशेष रूप से परहेज करना चाहिए।

सफेद चावल

सफेद चावल भारतीय घरों में एक प्रमुख आहार है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए यह सबसे हानिकारक खाद्य पदार्थों में से एक हो सकता है। सफेद चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत हाई होता है, जिसका अर्थ है कि यह बहुत तेजी से पचता है और ब्लड शुगर लेवल को तुरंत बढ़ाता है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इसकी बाहरी परत (चोकर और जर्म) को हटा दिया जाता है, जिससे इसमें फाइबर और पोषक तत्व कम हो जाते हैं। ठीक इसी तरह सफेद ब्रेड, मैदा से बने उत्पाद जैसे बिस्कुट, नूडल्स और पेस्ट्री भी रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होते हैं और तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। इनकी जगह ब्राउन राइस, क्विनोआ, दलिया, बाजरा, ज्वार जैसे साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए, जिनमें फाइबर अधिक होता है और वे ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं।

आलू और मसालेदार सब्जियां

आलू, शकरकंद और मक्का जैसी कुछ सब्जियों में स्टार्च की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में तेजी से ग्लूकोज में परिवर्तित हो सकती हैं। आलू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी अधिक होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है।

इसके अलावा 'मसालेदार सब्जियां' अक्सर ऐसी सब्जियों को संदर्भित करती हैं जिन्हें बहुत ज्यादा तेल, क्रीम या अन्य अनहेल्दी चीजों के साथ तैयार किया जाता है, जो कैलोरी, अनहेल्दी फैट से भी भरपूर होती हैं। ये न केवल वजन बढ़ाती हैं बल्कि इंसुलिन प्रतिरोध को भी प्रभावित कर सकती हैं। इनकी जगह कम स्टार्च वाली सब्जियां जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां (पालक, मेथी), ब्रोकोली, पत्ता गोभी, फूल गोभी, लौकी और खीरा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

फास्ट फूड और प्रोसेस्ड स्नैक्स

आज की जीवनशैली में फास्ट फूड और प्रोसेस्ड स्नैक्स एक आम विकल्प बन गए हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ये बेहद खतरनाक हो सकते हैं। बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स और पैकेज्ड कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ अनहेल्दी फैट (ट्रांस और संतृप्त वसा), रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, हाई सोडियम और छिपी हुई चीनी से भरपूर होते हैं।

ये सभी कारक न केवल ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाते हैं, बल्कि इंसुलिन प्रतिरोध को भी बढ़ावा देते हैं, वजन बढ़ाते हैं, और हृदय रोग व हाई ब्लड प्रेशर का जोखिम भी बढ़ाते हैं। डायबिटीज के मरीजों को इन चीजों से विशेष रूप से परहेज करना चाहिए।

मीठे फल और फलों के रस

हालांकि फल आवश्यक विटामिन, खनिज और फाइबर के अच्छे स्रोत होते हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीजों को सभी फल नहीं खाना चाहिए। कुछ फलों में प्राकृतिक चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जैसे आम, केला, लीची, चीकू और अंगूर।

इनका अत्यधिक सेवन ब्लड शुगर को बढ़ा सकता है। वहीं फलों के रस में भी फाइबर निकल जाता है और उसका मिठास और बढ़ जाता है, जिससे वे पूरे फल की तुलना में ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाते हैं। डायबिटीज के मरीजों को इन मीठे फलों का सेवन सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए, खासकर एक बार में एक से ज्यादा फल न खाएं। सेब, अमरूद, जामुन, संतरा और पपीता जैसे कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले और फाइबर युक्त फल बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

इम्युन रेजीलेंस की वजह से बार-बार बीमार पड़ते हैं लोग

देर-सबेर बीमारी हम सबका दरवाजा खटखटाती है, लेकिन कुछ लोगों पर इसका असर नहीं दिखता, कुछ ऐसे भी होते हैं, जो अक्सर बीमार पड़ते-रहते हैं। पहली बार इसकी सटीक वजहों का पता चला है। नेचर में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक इसके लिए हमारे शरीर में मौजूद 'प्रतिरक्षा लचीलापन' सिस्टम जिम्मेदार है।

यह शरीर की प्रतिरक्षा गतिविधियों को बहाल करने, सूजन/जख्म को नियंत्रित करने की क्षमता, संक्रमण या अन्य बीमारियों को प्रभावित कर सकता है। जिन लोगों में यह सिस्टम मजबूत होता है, उनमें रोगों से लड़ने की क्षमता अधिक होती है। यह लंबे जीवन के लिए सबसे अहम फैक्टर है।

स्टडी के मुख्य शोधकर्ता और टेक्सास यूनिवर्सिटी में मेडिसिन के प्रोफेसर कहते हैं- इस खोज से दिल की बीमारी, संक्रमण, कैंसर जैसे रोगों की रोकथाम के लिए नए कारगर इलाज तलाशने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने सभी उम्र के 50 हजार लोगों के ब्लड सैंपल को एनालाइज करके ये रिजल्ट निकाला है।

नियमित व्यायाम से ही इस सिस्टम को और प्रभावी बना सकते हैं

डॉ.बताते हैं कि मुझे खुशी होती है जब मैं अब भी बुजुर्ग दिग्गजों को मास्क में देखता हूं क्योंकि वे मूल सिद्धांत को समझते हैं कि उनका प्रतिरक्षा सिस्टम कमजोर है। यह सिस्टम आनुवंशिक है। अच्छे भोजन और नियमित व्यायाम से इसे और प्रभावी बना सकते हैं। मध्यम आयु वर्ग के समूह को छह महीने कसरत कराई और फिर दो हफ्ते के लिए प्रैक्टिस रोक दी।

व्यायाम करते वक्त और न करने के दौरान लिए गए ब्लड सैंपल के विश्लेषण से पता चलता है कि जब लोग लगातार व्यायाम करते हैं, तो मृत्यु दर और दीर्घायु से जुड़े मापदंडों में सुधार होता है। जैसे ही व्यायाम बंद करते हैं तो दोबारा प्वाइंट जीरो पर पहुंच जाते हैं। यानी व्यक्तिगत अनुशासन बेहद अहम है।

'प्रतिरक्षा लचीलापन' ही तय करता है शरीर बीमारी से कैसे निपटेगा

ज्यादा बीमार पड़ने के 3 फैक्टर हो सकते हैं। पहला आनुवंशिक संवेदनशीलता, दूसरा माहौल (पर्यावरण या गंदगी) और तीसरा किसी इनफ्लेमेटरी स्ट्रेस (सूजन या जख्म) पर शरीर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। जब शरीर चोट या किसी संक्रमण पर प्रतिक्रिया देता है तो 'सूजन का विस्फोट' होता है।

जख्मी या संक्रमित जगह सूज जाती है, लाल हो जाती है। इसे फैलने से रोकने के लिए सफेद रक्त कोशिकाओं की जरूरत होती है। कीमोकाइन्स प्रक्रिया श्वेत रक्त कोशिकाओं को आकर्षित करती हैं। स्टडी बताती है कि मजबूत 'प्रतिरक्षा लचीलापन' सिस्टम वाले लोग संक्रमित होते हैं फिर भी बीमार नहीं पड़ते हैं।

महिलाओं में पुरुषों से ज्यादा मजबूत यह सिस्टम

हम लोगों को 4 समूहों में बांट सकते हैं। जिनमें उच्च प्रतिरक्षा लचीलापन व संक्रमण जोखिम कम होता है, वे दीर्घायु होते हैं। कम प्रतिरक्षा क्षमता व उच्च संक्रमण वाले लोग दुर्भाग्य से कम जीते हैं। जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा और संक्रमण का जोखिम उच्च है, उनका जीवनकाल मध्यम होता है।

चौथा ऐसा वर्ग है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम व संक्रमण का जोखिम कम होता है। ऐसे लोग भी मध्यम जीवन जीते हैं। महिलाओं में यह क्षमता पुरुषों से अधिक मिली। मातृ और भ्रूण के स्वास्थ्य के लिए प्रतिरक्षा क्षमता के महत्व को देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रतिरक्षा संबंधी गुण इनमें अधिक प्रमुखता से विकसित हुए होंगे। यही लंबी उम्र का राज है।

कुछ गलत आदतों की वजह से बढ़ता है फेफड़ों में कैंसर का खतरा

फेफड़ों का कैंसर, एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जो दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बन चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में फेफड़ों के कैंसर से 18 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

धूम्रपान

फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा और सीधा कारण धूम्रपान है। चाहे वह सिगरेट, बीड़ी, हुक्का, या ई-सिगरेट हो, तंबाकू के धुए में कई ऐसे रसायन होते हैं, जिसकी वजह से फेफड़ों में कैंसर का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है। ये रसायन सीधे फेफड़ों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उन्हें असामान्य रूप से बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे कैंसर विकसित होता है।

निष्क्रिय धूम्रपान (पैसिव स्मोकिंग)

कुछ लोग खुद तो धूम्रपान नहीं करते हैं लेकिन धूम्रपान कर रहे लोगों के साथ घूमने की आदत होती है। इसी को निष्क्रिय धूम्रपान कहते हैं। निष्क्रिय धूम्रपान तब होता है जब कोई व्यक्ति खुद सिगरेट, बीड़ी या हुक्का नहीं पीता, लेकिन धूम्रपान करने वाले के धुएं (सेकेंड-हैंड स्मोक) के संपर्क में आता है। यह धुआं

उतना ही हानिकारक होता है जितना सीधे पीने वाले के लिए।

वायु प्रदूषण

आज के समय में वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर का एक और बड़ा और बढ़ता हुआ कारण बन रहा है। यह एक ऐसा खतरा है जिससे बच पाना अक्सर मुश्किल होता है। बाहरी वायु प्रदूषण, जो वाहनों के धुएं, औद्योगिक उत्सर्जन और धूल-मिट्टी से होता है, हमारे फेफड़ों को लगातार नुकसान पहुंचाता है।

हानिकारक रसायनों का संपर्क और खराब आहार

कुछ खास रसायनों के संपर्क में आना भी फेफड़ों के कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। एस्बेस्टस (जो पुराने निर्माण कार्यों में पाया जाता था), रेडॉन गैस, आर्सेनिक, क्रोमियम और निकल जैसे रसायन फेफड़ों के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। जो लोग इन रसायनों से संबंधित उद्योगों में काम करते हैं, उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, खराब आहार और शारीरिक निष्क्रियता भी अप्रत्यक्ष रूप से फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती है।

सावधानियां

अपने फेफड़ों को सुरक्षित रखने और फेफड़ों के कैंसर से बचाव के लिए कुछ अहम सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, धूम्रपान तुरंत छोड़ दें, और उन जगहों व लोगों से भी दूर रहें जहां धूम्रपान किया जा रहा हो ताकि निष्क्रिय धूम्रपान से बचा जा सके। प्रदूषण से बचाव के लिए, वायु प्रदूषण अधिक होने पर मास्क पहनें, घर में एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें और वेंटिलेशन का ध्यान रखें।

हैकर्स की नजर हमेशा हम पर रहती है इसलिए इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोच लें

हम सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं। कभी घर में खींची हुई सेल्फी, कभी दोस्तों के साथ कैफे वाली फोटो और कभी घूमने-फिरने की तस्वीरें। परंतु कहते हैं न कि सोशल मीडिया पर तस्वीर हमेशा सोच-समझकर डालनी चाहिए। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि इन तस्वीरों का ग़लत इस्तेमाल हो सकता है, बल्कि इसलिए कि इनमें मौजूद छोटी-छोटी जानकारियां आपका बड़ा नुक़सान कर सकती हैं। इन जानकारियों की बदौलत हैकर्स आप पर और आपके खाते पर नज़र रख सकते हैं। यहां हम उन्हीं जानकारियों की बात करेंगे जिसका अंदाज़ा आपने पहले कभी नहीं लगाया होगा।

इसे उदाहरण से समझते हैं...

आपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आपकी दोस्त या साथी आपका पूरा नाम ले रही है। सोशल मीडिया पर कई लोग रोचक नाम चुनकर यूज़र आईडी बनाते हैं इसलिए असली नाम का अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है। परंतु साथी ने जब आपको पुकारा तो आपने हैकर को अपने सही नाम की पुष्टि कर दी।

हैकर आपकी प्रोफाइल पर जाएगा और सारी तस्वीरें और वीडियो देखेगा। एक तस्वीर आपने अपने ग्रैजुएशन की भी डाली है जिसमें आप अपना सर्टिफिकेट लेकर खड़ी हैं। यहां से हैकर टीसी नंबर निकाल सकता है जिससे आपकी अन्य जानकारी भी मिल जाएगी।

घर के बाहर ली गई सेल्फी घर का पता उजागर कर सकती है।

दोस्तों के साथ फोटो खींचते समय यदि ग़लती से भी आपका एटीएम कार्ड या कोई दस्तावेज़ उसमें आते हैं तो हैकर इसे चुरा सकता है। कार्ड नंबर पता चल सकता है। जन्मदिन की तस्वीरें जिनमें केक में उम्र की संख्या वाली मोमबत्ती है, हाथ में अंकों के गुब्बारे पकड़े हुए आपकी तस्वीर है, हैकर को आपकी आयु का पता देगी। तस्वीर किस दिन पोस्ट की गई है उससे जन्म तिथि निकाली जा सकती है।

अब आपका नाम, एटीएम कार्ड का नंबर, जन्म तिथि, घर का पता आदि सब हैकर के पास है।

सुरक्षा का ध्यान रखें

अपनी प्रोफाइल पब्लिक न रखते हुए प्राइवेट रखें ताकि कोई अनजान व्यक्ति पोस्ट न देख पाए। क्योंकि अगर यह पब्लिक होगी तो आपके दोस्त के द्वारा तस्वीर को लाइक और कमेंट करने पर ये उससे जुड़े लोगों तक पहुंच जाएगी। इसलिए इसे निजी रखने की कोशिश करें।

केवल उन्हीं की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करें जिन्हें आप जानते हैं, क्योंकि ठग आपको फॉलो करके आप पर नज़र रख सकता है।

अगर आपको तस्वीरें और वीडियो डालने का शौक़ है, बिज़नेस प्रोफाइल या सोशल मीडिया ब्लॉग है तो ऐसी सामग्री डालने से बचें जिससे आपको नुक़सान पहुंच सकता है।

निजी ज़िंदगी से जुड़े कोई भी पल साझा करने से बचें।

पहले जांच लें कि...

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर, कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसे अच्छी तरह से जांच लें। आपने अपनी कोई तस्वीर खींची है तो उसके आसपास मौजूद वस्तुओं को एक बार देख लें। कहीं आपके पीछे, बगल या फिर टेबल पर कोई ऐसी वस्तु तो मौजूद नहीं जिसमें ज़रूरी जानकारी नज़र आए, जैसे दस्तावेज़, घर का पता या तस्वीर आदि। यहां तक कि घर के अंदर भी तस्वीर लेने से पहले देख लें कि आसपास अलमारी, तिजोरी या सोने-चांदी की मूर्ति या तस्वीर जैसी क़ीमती वस्तुएं तो इसमें नज़र नहीं आ रहीं, क्योंकि इससे अपराधी को आपकी आर्थिक स्थिति के बारे में पता चल जाएगा और आपके बारे में अधिक से अधिक जानकारी बटोर सकेगा।

सीमित रखें जानकारी

तस्वीर और वीडियो इस तरह पोस्ट करें कि उसमें अधिक जानकारी न हो। उदाहरण के लिए, तस्वीर कहां ली है उस जगह का नाम नहीं लिखें। कई बार लोग लोकेशन डाल देते हैं। कहां जा रहे हैं और कैसे जा रहे हैं, सब कैप्शन में लिखते हैं। ऐसा करके आप ख़ुद को जोखिम में डालते हैं। यह ख़ासतौर पर उन लोगों के लिए ख़तरनाक साबित हो सकता है जो अकेले सफ़र करते हैं। इसलिए इनके अलावा सोशल मीडिया पर लाइव होने से भी बचें।

शरीर की बदबू को दूर करने के लिए असरदार हैं ये 3 घरेलू उपाय

लोगों को लगता है कि पसीने की बदबू सिर्फ गर्मी के मौसम में आती है, जबकि ऐसा नही है। हम में से कई व्यक्ति बारिश के मौसम में भी पसीने की बदबू से परेशान रहते हैं। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि बारिश के मौसम में वातावरण में नमी अधिक होती है, जिससे पसीना जल्दी सूखता नहीं और बैक्टीरिया त्वचा पर पनपने लगते हैं।

यही कारण है कि कई लोगों को इस मौसम में शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यदि आप या आपका कोई जानना वाला भी इस दिक्कत से जूझ रहा है तो हमारे द्वारा बताए गए नुस्खे आजमाकर देख लें। इससे भी आपको अवश्य ही फायदा मिलेगा।

फिटकरी

हर घर में फिटकरी बेहद आसानी से मिल जाती है। इसका उपयोग तब भी किया जाता है, जब कहीं कट लग जाता है। पर, क्या आप फिटकरी का इस्तेमाल प्राकृतिक डिओडोरेंट की तरह भी कर सकते हैं।

दरअसल, इसमें पाए जाने वाले तत्व बैक्टीरिया को खत्म करने के काम आते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले फिटकरी को पानी में भिगोकर बदबू वाली जगहों पर मलें। इससे न केवल बदबू दूर होगी बल्कि पसीना भी कम आएगा।

सिरका

सिरका भी पसीने की बदबू को दूर करने में मददगार हो सकता है। सुनने में अजीब लगा न, लेकिन ये सच है। दरअसल, एप्पल साइडर विनेगर शरीर के पीएच लेवल को बैलेंस करता है और दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है। ऐसे में इसे आप एक कॉटन बॉल में लेकर अंडरआर्म्स पर अप्लाई करें। 10 मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर सादा पानी से धो लें। इससे भी पसीने की बदबू एकदम से कम हो जाएगी।

नींबू और बेकिंग सोडा

ये दोनों ही चीजें आपको आपके घर में बेहद आसानी से मिल जाएंगी। नींबू में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं और बेकिंग सोडा पसीने को सोखने में मदद करता है। इन दोनों चीजों का मिश्रण शरीर की बदबू दूर भगाता है।

इसके लिए सबसे पहले एक चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिक्स करें। अब इसे मिलाकर उसे अंडरआर्म्स या शरीर के उन हिस्सों पर लगाएं जहां से दुर्गंध आती है। अब दस मिनट तक इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें। इसका इस्तेमाल भी आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

आपकी खर्च करने या बचत करने की आदत से बच्चे सीखते हैं, इसलिए अपने धन प्रबंधन पर नजर डालें

हमारे पारिवारिक मूल्यों का निबाह जैसे होता है, नई पीढ़ी उसे ही देखती और सीखती है। ख़ुद को अभिव्यक्त करना, समस्याओं को हल करना, ग़लतियों से आगे बढ़ना और कौशल व क्षमताएं अर्जित करना आदि देखकर ही सीखे जाते हैं। वित्तीय प्रबंधन इन्हीं महत्वपूर्ण सीखों में से एक है। बड़े जिस तरह पैसों के साथ पेश आते हैं, बच्चे उसी को दोहराते हैं। उस समय वित्त से जुड़े फैसले जो हम करते हैं, हमें सही लगते हैं, लेकिन जब बच्चे भी वही दोहराते हैं तो हम उन्हें ग़लत ठहराने लगते हैं।

बच्चों में वित्तीय समझ विकसित करने से पहले एक बार ख़ुद से पूछें कि आप जिस तरह से पैसे ख़र्च कर रहे हैं और उनका इस्तेमाल कर रहे हैं, वह कितना सही है? आप वित्तीय रूप से कितने जागरूक हैं, पहले इस पर ग़ौर करें।

बजट बनाकर स्थिर नहीं रहना

महीने का बजट आप बनाते हैं, लेकिन बाज़ार में या ई-कॉमर्स वेबसाइट पर कोई वस्तु पसंद आती है तो आप बिना कुछ सोचे-समझे ख़रीद लेते हैं। बजट की अहमियत पसंद के आगे कितनी है, यह बच्चा सीख लेता है। उसे लगता है कि अगर कोई चीज़ पसंद आ रही है तो उसे कभी भी ख़रीद सकते हैं। गाहे-बगाहे घर में कुरियर से पार्सल आते हैं, तो समझ में आ जाता है कि बिना हिसाब-किताब के घर चलाया जा सकता है। क्या करें... पूरे महीने का बजट बनाने से पहले कुल कमाई में से बचत की रक़म निकाल लें। उसके बाद बची हुई रक़म में 60-40 का गणित रखें, जिसमें 60 ख़र्च करने के बाद 40 को आपात ख़र्चों के लिए रखें।

इच्छाओं पर पैसे उड़ाना

हर महीने नए-नए कपड़े और जूते-सैंडल ख़रीदते हैं। अगर कोई परिधान ढीला हो गया है या कस रहा है तो उसे ठीक न करवाते हुए नया ख़रीद लेते हैं। अगर कहीं से ख़राब हो गया है तो

उसे सुधरवाने के बजाय नया ख़रीद लेते हैं। जब यही समस्या बच्चे को होती है तो अभिभावक उसे सुधारकर पहनने की सलाह देते हैं। परंतु बच्चा तो आपको देख ही रहा है। नतीजतन कई बार बच्चे इस तरह जवाब देते हैं कि- आप तो इतनी साड़ियां ख़रीदती हो, मुझे क्यों नए नहीं दिला सकतीं? उसके लिए ये अनावश्यक ख़र्च नहीं है बल्कि सीख है कि किसी वस्तु के ख़राब होने पर उसे फेंककर नया ख़रीदा जाता है। क्या करें... कपड़े आदि के ख़र्च के मामले में संयम बरतें। जब नए परिधान को मन ललचाए, तो उसे ख़रीदने के बजाय, उसके मूल्य को एक पर्स में रख दें।

जितना चाहा उतना ख़र्च किया

जब आप कोई ख़रीदारी करते हैं और सीधा डेबिट या क्रेडिट कार्ड से भुगतान करते हैं तो एहसास नहीं होता कि हम कितना ख़र्च कर रहे हैं। यह ख़रीदारी को तब तक सीमित नहीं करता जब तक कि खाते में पैसे ख़त्म न हो जाएं या क्रेडिट सीमा समाप्त न हो जाए। ये देखकर बच्चों को लगता है कि हम जब चाहे, जो चाहे ख़रीद सकते हैं। क्या करें... ख़रीदारी के लिए नक़द का इस्तेमाल करें।

बचत कम और ख़र्च अधिक करना

कुछ लोग अपनी हैसियत या आवश्यकता से अधिक ख़र्च करते हैं। वे उन उपकरणों या निजी गैजेट्स को अक्सर बदलते रहते हैं। आवेगपूर्ण ख़र्च करने की उनकी आदतों के कारण वे ख़ुद को रोक नहीं पाते। इस चक्कर में कई बार महीने का ही नहीं, महीनों का बजट बिगड़ जाता है।

क्या करें... उन चीज़ों पर भी ख़र्च करने से बचें जिन पर आप दोबारा ख़र्च नहीं कर सकते, जैसे लाखों के टीवी, मोबाइल, मंहगी कार को आप दोबारा नहीं ख़रीद सकते, तो उन्हें न ख़रीदें।

छोटे-छोटे कामों पर व्यय

यह बूंद-बूंद बचाने का उपाय है। ऐसे बहुत से छोटे-छोटे काम हैं जिन्हें आप स्वयं कर सकते हैं लेकिन उनके लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। अगर आपके पास ख़ुद कर लेने का समय है, तो आप सहायकों की संख्या कम कर सकते हैं।

क्यों ज़रूरी है वित्तीय संभाल?

धन अर्जन की मेहनत बच्चे नहीं समझते। ख़र्च के हिसाब की समझ भी उन्हें नहीं होती। वे केवल यह देखते हैं कि घर में सामान कब, कितना और कैसा आ रहा है। पैसा जीवन का अहम हिस्सा है। हर छोटी से लेकर बड़ी ज़रूरत के लिए इसकी आवश्यकता होती है। यदि हम इसे आज बचाएंगे और बढ़ाएंगे तो आने वाले कल में हमें वित्तीय समस्याओं से जूझना नहीं पड़ेगा। ख़र्चों का बजट, पैसों की बचत और निवेश, वित्तीय समझ का हिस्सा है। जब यह समझ आपके अंदर होगी तो आपको देखते हुए बच्चों में भी यह सोच विकसित हो जाएगी।

इन आदतों को अपनाने का

महीने का बजट बनाएं और उन पैसों को पहले ही अलग कर लें। अगर कोई वस्तु बजट के अंदर नहीं है तो उसे नहीं ख़रीदें। बजट बनाते समय बच्चों को भी इसमें शामिल करें। बजट क्यों और कैसे बनाया जाता है, वे सीख सकेंगे। ख़र्चों से जुड़े नियम बच्चों पर भी लागू होंगे।

सेंसेक्स 144 अंक चढ़कर 81,482 पर बंद

निफ्टी में 34 अंकों की तेजी रही

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (30 जुलाई) को सेंसेक्स 144 अंक चढ़कर 81,482 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 34 अंक की तेजी रही, ये 24,855 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में गिरावट रही। एलएण्डटी, सनफार्मा और एनटीपीसी के शेयर्स 4.72% तक चढ़कर बंद हुए। वहीं, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड और बजाज फिनसर्व के शेयर्स 3.48% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 21 ऊपर जबकि 29 नीचे बंद हुए। एनएसई के एफएमसीजी, आईटी और फार्मा इंडेक्स में मामूली तेजी रही। जबकि, ऑटो, मीडिया, बैंकिंग और रियल्टी इंडेक्स 1% तक गिरकर बंद हुए।

सोना 391 रुपये बढ़कर 98687 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 1.14 लाख रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 30 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 391 रुपए बढ़कर 98,687 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,296 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 293 रुपए बढ़कर 1,13,600 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,307 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,630 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,250 रुपये

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100 रुपये

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100 रुपये

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,480 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,100 रुपये

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,530 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 4 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

अमेरिकी टीम ट्रेड-डील के लिए 25 अगस्त को भारत आएगी

दोनों देशों के बीच छठे राउंड की चर्चा होगी, अक्टूबर तक पहला फेज पूरा होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के ऑफिशियल्स ट्रेड डील को लेकर 25 अगस्त को भारत आएंगे। यहां दोनों देशों के बीच होने वाले बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (बीटीए) को लेकर छठे राउंड की चर्चा होगी। यह खबर ऐसे समय आई है, जब दोनों देश 1 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतरिम ट्रेड डील को फाइनल करने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ के सस्पेंशन पिरियड की आखिरी तारिख भी 1 अगस्त ही है।

अक्टूबर तक पहला फेज पूरा होने की उम्मीद

दोनों देश सितंबर-अक्टूबर तक ट्रेड एग्रिमेंट्स के पहले चरण को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

इसके साथ ही एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट की संभावना भी तलाशी जा रही है। ट्रेड डील को लेकर वार्ता का पिछला राउंड वाशिंगटन में हुआ था। जहां भारत के चीफ नेगोशिएटर राजेश अग्रवाल और यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने चर्चा की थी।

कृषि और डेयरी पर भारत का सख्त रुख

भारत ने कृषि और डेयरी प्रोडक्ट्स पर शुल्क में छूट देने से साफ इनकार कर दिया है, जिसकी मांग अमेरिका लगातार कर रहा है। भारतीय किसान संगठनों ने भी सरकार से आग्रह किया है कि ट्रेड एग्रीमेंट में कृषि से जुड़े मुद्दों को शामिल न किया जाए। भारत की प्राथमिकता 26% एडिशनल टैरिफ को हटाने और स्टील, एल्यूमीनियम और ऑटोमोबाइल सेक्टर पर टैरिफ में राहत देने की है। ये मुद्दे चर्चा के केंद्र में हैं। इसके अलावा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन नियमों के तहत जवाबी शुल्कों के साथ इन पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा भारत कई लेबर इंटेंसिव सेक्टर यानी श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे- फैब्रिक, अपेरल, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर, प्लास्टिक, केमिकल्स, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले पर भी अमेरिका से शुल्क रियायत की मांग कर रहा है।

ट्रेड डील में अमेरिका की मांगें

अमेरिका इंडस्ट्रियल गुड्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, वाइन और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स पर शुल्क में छूट चाहता है। इसके अलावा, वह कृषि, डेयरी, सेब, मेवे और जेनेटिकली मोडिफाइड फसलों पर भी शुल्क रियायत की उम्मीद कर रहा है। लेकिन भारत के लिए यह अमेरिका की यह डिमांड मानना मुश्किल है।

अमेरिका में इंपोर्टेड 44% स्मार्टफोन मेड इन इंडिया

भारत चीन से आगे निकला, देश में स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग एक साल में 240% बढ़ी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अब चीन को पीछे छोड़कर अमेरिका को स्मार्टफोन का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। यह इस बात का संकेत है कि टैरिफ वॉर के बीच मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन चीन से दूर जा रही है। रिसर्च फर्म कैनालिस के मुताबिक, इस साल अप्रैल-जून में अमेरिका में इम्पोर्टेड स्मार्टफोन में मेड इन इंडिया का हिस्सा 44% रहा। पिछले साल अप्रैल-जून में भारत का हिस्सा मात्र 13% था। दूसरी तरफ जून तिमाही में अमेरिका को एक्सपोर्ट किए गए स्मार्टफोन में चीन का हिस्सा घटकर 25% रह गया, जो एक साल पहले 61% था।

अमेरिका को स्मार्टफोन एक्सपोर्ट में वियतनाम की हिस्सेदारी भी चीन से ज्यादा 30% रही। ये पहली बार है जब भारत ने चीन की तुलना में अमेरिका को ज्यादा स्मार्टफोन भेजे हैं। कैनालिस की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्मार्टफोन की मैन्युफैक्चरिंग एक साल पहले की तुलना में 240% बढ़ गई है।

एपल चीन में पहली बार रिटेल स्टोर बंद कर रही एपल ने चीन में पहली बार एक रिटेल स्टोर बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने घोषणा की कि डालियान शहर का पार्कलैंड मॉल स्टोर 9 अगस्त को बंद कर दिया जाएगा। ये कदम एपल के लिए एक अहम मोड़ है, क्योंकि चीन एपल का बड़ा बाजार है। चीन में एपल के 56 स्टोर हैं, जो इसके कुल आउटलेट्स के 10% से ज्यादा हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 05-57, सूर्यास्त 18-47

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क...	04-57 बजे
चन्द्र	कन्या	सिंह...	07-09 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	09-15 बजे
बुध	कर्क	तुला...	11-21 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक...	13-31 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु...	15-45 बजे
शनि	मीन	मकर...	17-51 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ...	19-41 बजे
केतु	सिंह	मीन...	21-19 बजे
		मेष...	22-55 बजे
		वृष...	00-40 बजे
		मिथुन...	02-41 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 04-58 तक उपरान्त अष्टमी
श्रावण शुक्ल, गुरुवार 31 July
नक्षत्र- चित्रा 00-41 तक उपरान्त स्वाति
योग- साध्य 04-41 तक उप शुभ
करण- गर 15-47 तक उप वणिज
व्रत त्योहार- श्री तुलसी जं शील सप्तमी

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13-59 से 15-35 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 05-57 - 07-33 शुभ	अमृत 18-47 - 20-12 शुभ
रोग 07-33 - 09-09 अशुभ	चंचल 20-12 - 21-36 शुभ
उत्पात 09-09 - 10-46 अशुभ	रोग 21-36 - 22-59 अशुभ
चंचल 10-46 - 12-22 शुभ	काल 22-59 - 00-23 अशुभ
लाभ 12-22 - 13-59 शुभ	लाभ 00-23 - 01-46 शुभ
अमृत 13-59 - 15-35 शुभ	उत्पात 01-46 - 03-10 अशुभ
काल 15-35 - 17-12 अशुभ	शुभ. 03-10 - 04-33 शुभ
शुभ 17-12 - 18-47 शुभ	अमृत 04-33 - 05-57 शुभ

टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने सैमसंग चेयरमैन से चिप डील पर की चर्चा

सियोल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ हाल ही में हुई बड़ी चिप सप्लाई डील को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि सैमसंग के चेयरमैन ली जाए-योंग और उनकी सीनियर टीम के साथ वीडियो कॉल के जरिए इस डील के सभी अहम पहलुओं पर चर्चा हुई। योनहाप समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील 22.8 ट्रिलियन वॉन यानी करीब 16.5 अरब अमेरिकी डॉलर की है, जिसे सैमसंग ने एक अज्ञात ग्राहक के साथ साइन किया था। अब एलन मस्क ने साफ कर दिया है कि इस अनुबंध के पीछे टेस्ला की साझीदार थी। एलन मस्क ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए दी। जब एक यूजर ने कहा, सैमसंग को शायद समझ नहीं आया कि उन्होंने किस चीज पर साइन किया है, तब मस्क ने जवाब दिया, उन्हें पता है। उन्होंने आगे कहा, मैंने सैमसंग के चेयरमैन और सीनियर लीडरशिप के साथ वीडियो कॉल की, जिसमें यह समझाया कि एक सच्ची साझेदारी कैसी होनी चाहिए। हम दोनों कंपनियों की ताकतों का इस्तेमाल कर बेहतरीन परिणाम हासिल करेंगे।

भारत में 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

आईएमएफ ने कहा-स्थिर विकास को मिलेगी गति

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर बड़ा दावा किया। आईएमएफ ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मजबूत उपभोग और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा मिलने से वृद्धि दर में इजाफा होगा। इससे देश में स्थिर विकास को गति मिलेगी।

आईएमएफ ने विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर में इजाफा अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में अधिक बेहतर स्थिति को दर्शाता है। भारत के लिए आंकड़े और अनुमान वित्तीय वर्ष के आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। भारत में विकास अनुमान 2025 के लिए 6.7 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.4 प्रतिशत हैं। आईएमएफ अनुसंधान विभाग के प्रमुख डेनिज़ इगन ने कहा कि भारत में वास्तव में काफी स्थिर विकास हुआ है। इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर अप्रैल की तुलना में मामूली सुधार हुआ है। भारत के लिए इस अपेक्षाकृत स्थिर विकास का चालक यह तथ्य है कि सुधार की गति मजबूत उपभोग वृद्धि और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा दे रही है।

'आरामदायक रिटायरमेंट के लिए भारतीयों को 3.5 करोड़ रुपये की जरूरत'

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। संपन्न भारतीयों को आरामदायक और सुरक्षित सेवानिवृत्ति सुनिश्चित करने के लिए करीब 3.5 करोड़ रुपये (लगभग 401,000 अमेरिकी डॉलर) की बचत करनी होगी। एचएसबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में यह टिप्पणी की है। 'अफ्लुएंट इन्वेस्टर्स स्नैपशॉट 2025' शीर्षक वाली में रिपोर्ट में भारतीयों की बढ़ती जीवन-यापन लागत, मुद्रास्फीति और जीवन प्रत्याशा के बारे में बढ़ती जागरूकता का हवाला देकर बताया गया है कि- ये ऐसे कारक हैं जो देश में सेवानिवृत्ति योजना को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

भारत में निवेशक जीवन-यापन की लागत और आर्थिक अनिश्चतता के कारण चिंता में

रिपोर्ट के निष्कर्षों से पता चलता है कि बहुत से लोग अब भी यात्रा, शिक्षा या संपत्ति खरीदने जैसे अल्पकालिक लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन अब बड़ी संख्या में लोग दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रबंधित निवेश, शेयर और सोना वर्तमान में सबसे लोकप्रिय वित्तीय उत्पाद हैं, और निवेशक वैकल्पिक और प्रबंधित निवेशों पर भी विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, निवेशक (भारत में) जीवन-यापन की लागत और आर्थिक अनिश्चितता को लेकर चिंतित हैं। वैश्विक परिदृश्य की तुलना में, वे वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपनी क्षमता को लेकर बेहद आश्वस्त हैं।

निवेश के मामले में सोने में सबसे अधिक वृद्धि

भारतीय निवेशक संपत्ति निवेश, अपने परिवारों की आर्थिक मदद और व्यक्तिगत कल्याण के लिए बचत को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, एचएसबीसी का यह भी मानना है कि 2025 में औसत परिसंपत्ति आवंटन की बात करें तो पिछले 12 महीनों में सोने में आवंटन में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। इसके बाद ही दूसरी संपत्तियों का स्थान आया।

जितनी जल्दी निवेश शुरू हो, लोगों को मिलता है उतना अधिक फायदा

दूसरी ओर, पिछले 12 महीनों में निवेशकों का नकद आवंटन घटकर 15 प्रतिशत रह गया है, और अगले 12 महीनों के लिए इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई। एचएसबीसी का विश्लेषण बचत की जल्द से जल्द शुरुआत करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन निवेशकों ने अपने 30 के दशक की शुरुआत में सेवानिवृत्ति योजना शुरू की, वे अपने लक्ष्यों को पूरा करने को लेकर अधिक आश्वस्त दिखे, जबकि देरी से बचत शुरू करने वालों ने सेवानिवृत्ति के बाद की जीवनशैली से समझौता करने के बारे में चिंता व्यक्त की। दुनिया की बात करें तो, सिंगापुर में, एक आरामदायक और सुरक्षित सेवानिवृत्ति के लिए आवश्यक औसत बचत 1.39 मिलियन डॉलर है। हांगकांग में यह 1.1 मिलियन डॉलर है, जो जीवनयापन की बढ़ी हुई लागत का प्रमाण है।

टाटा मोटर्स इटली की ट्रक मेकर कंपनी इवेको को खरीदेगी

39,245 रुपये करोड़ में हो सकता है सौदा, इससे कॉमर्शियल व्हीकल बिजनेस मजबूत होगा

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा मोटर्स इटली की ट्रक बनाने वाली कंपनी इवेको को 4.5 बिलियन डॉलर (लगभग 39,245 करोड़ रुपए) में खरीद सकता है। इवेको ग्रुप ने भी इस बात की पुष्टि की है कि वे टाटा मोटर्स के साथ कमर्शियल ट्रक बिजनेस के बिक्री पर बातचीत कर रहे हैं। यह टाटा मोटर्स का अब तक का सबसे बड़ा सौदा होगा, जो 2008 में जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को 2.3 अरब डॉलर में खरीदने से भी बड़ा है। खबर है कि टाटा इवेको के मालिक अगनेली परिवार से उनकी हिस्सेदारी (27.1%) खरीदेगा और बाकी शेयरधारकों के लिए टेंडर ऑफर लॉन्च करेगा।

भारतीय चाय उद्योग पर संकट के बादल

आईटीए ने उत्पादन में गिरावट और सस्ते आयात पर जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय चाय उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय चाय संघ (आईटीए) ने बुधवार को यह बयान दिया। आईटीए के अनुसार यह उद्योग 2025 में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। उद्योग को उत्पादन में कमी, मूल्य प्राप्ति में गिरावट और अधिक आयात के कारण भारी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

खराब मौसम और कीटों से उत्पादन में आई भारी कमी

आईटीए ने कहा कि 2024 में फसल उत्पादन में भारी कमी देखी गई। देशव्यापी स्तर 2023 से 109 मिलियन किलोग्राम कम हो गया। आईटीए ने कहा कि उत्पादन में यह कमी खराब मौसम की स्थिति और बागानों में कीटों के हमलों के कारण हुई। एसोसिएशन के अनुसार, 2025 का कम उत्पादन स्तर पश्चिम बंगाल और असम के बड़े उत्पादकों के लिए बड़ी चिंता का विषय है। दार्जिलिंग चाय उद्योग को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यहां उत्पादन स्तर 2024 के स्तर से 10.34 प्रतिशत कम है।

तापमान में आई वृद्धि से उत्पादन में 20 प्रतिशत तक की कमी आई

आईटीए ने कहा कि 2025 में दैनिक तापमान में औसतन दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और कम वर्षा के कारण शुष्क परिस्थितियां पैदा हो रही हैं।

इससे दो प्रमुख उत्पादक राज्यों में उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। जुलाई की फसल भी कमजोर रहने की उम्मीद है। इसमें 2024 की तुलना में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। इसके अलावा अप्रैल से जुलाई के अंत तक चाय की नीलामी की कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा है। इससे हितधारकों के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं।

सीटीसी और डस्ट चाय की कीमतों में आई सात प्रतिशत की गिरावट

आईटीए ने कहा कि खासतौर पर सीटीसी और डस्ट चाय की नीलामी कीमतों में असम में लगभग सात प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के डुआर्स में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सीटीसी किस्म की कीमतों में गिरावट उद्योग की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का कारण है। सीटीसी चाय, जिसका अर्थ है क्रश, टियर, कर्ल, काली चाय को संसाधित करने की एक विधि है जिसके परिणामस्वरूप छोटे, कठोर दाने बनते हैं। यह अपने मजबूत, तीखे स्वाद के लिए जाना जाता है और आमतौर पर भारतीय मसाला चाय बनाने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

आयात 82 प्रतिशत बढ़कर 445.3 लाख किलोग्राम हुआ

2024 और 2025 की शुरुआत में चाय के आयात में भारी वृद्धि ने भी कीमतों में गिरावट में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि 2024 में कुल आयात 2023 के 245.3 लाख किलोग्राम से 82 प्रतिशत बढ़कर 445.3 लाख किलोग्राम हो गया। इसमें नेपाल और केन्या का हिस्सा 74 प्रतिशत रहा। 2025 में जनवरी से अप्रैल के दौरान कुल 85.77 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ। यह 2024 की इसी अवधि की तुलना में 0.18 मिलियन किलोग्राम कम है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आपको पोटेशियम असंतुलन या एनीमिया का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही स्तन, पेट और पाचन तंत्र में कमज़ोरी भी हो सकती है। जोड़ों और त्वचा संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जिसमें दर्द और दाने शामिल हैं। त्वचा संबंधी बीमारियाँ या गुर्दे में जलन संभव है। अचानक ऊर्जा के विस्फोट की उम्मीद करें, हालाँकि दिल की धड़कनें तेज़ हो सकती हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप अपने प्यार के लिए अपने मन को टटोल कर देखेंगे। पहले आप के प्यार और रिश्तो में बचपना दिखाई देता था परन्तु अब प्रेम और रिश्तो में आप का दृष्टिकोण कहीं अधिक समझदार और परिपक्व हो गया है। अब आप में स्पष्ट रूप से यह विचार विद्यमान होगा की आप इस रिश्ते और अपने साथी से क्या चाहते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — काम और बदले में आप उसे कितना दे सकते है। अगर आप किसी को पसंद करते हैं तो अपनी पसंद को जाहिर करने के लिए आज का दिन बिलकुल अच्छा नही है। हो सकता है कि आपको गलत समझा जाए। उस समय तक इन्तजार करें जब तक सामने वाला आपसे खुद बात न करना चाहे।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) — आप में सामाजिक ऊर्जा की अधिकता रहेगी और आप अपने साथी के साथ लोगो से मिल सकते है। एकरसता आपके स्वभाव में नहीं है। कुछ नवीन करने की कोशिश करे क्यों की बोरियत आपके सम्भंधो पर हावी होती धिक रही है। व्यावसायिक और कार्य क्षेत्र से संभंधित मामले एक जबरदस्त गति से आगे बढ़ रहे हैं।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,) — आज आप बिलकुल नये और ताजगी भरे रोमांटिक माहौल का आनंद लेंगे। आपके करीबी सम्बन्धियों से मिलने वाला प्यार आज दिन की खासियत रहेगा। आप ख़ास तौर पर मस्ती महसूस करेंगे। इस खूबसूरत समय को अपने पार्टनर के साथ बिताएं और कुछ खूबसूरत यादें बनने दें। आप आज अपने पार्टनर के लिए कुछ ख़ास कर सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है कि आपको काफी मुश्किल वक्त से गुजरना पड़ सकता है लेकिन यह समय वास्तव में इतना बुरा नही होगा। आप हाल फिलहाल ही किसी की और आकर्षित हुए हैं लेकिन आप दोनों ही एक दुसरे को अभी अधिक महत्व नही दे रहे।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,) — आपके सम्बन्ध में धीरे धीरे बिना कही बातों और अनसुलझे मुद्दों के कारण दरार आ रही है। आप इस दर के कारण उन्हें सामने नही लाना चाहते कि कहीं इससे रिश्ता टूट न जाए। हालाँकि, आज आप असामान्य रूप से सामना करने वाले मूड में रहेंगे और जो जो बातें आपको पसंद नही आई हैं उन सभी को बातचीत करके स्पष्ट करना चाहेंगे।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,) — आज आप अपने साथी के बारे में कुछ नया जान सकते हैं और इस नई जानकारी की वजह से आपको एक बड़ा आश्चर्य हो सकता है, लेकिन यह एक सुखद आश्चर्य है। वास्तव में इस नई जानकारी के कारण रिश्ते में आ रही समस्याओं और भ्रामक मुद्दों को आप हल कर सकते हैं।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — आप अपने प्रेम से संभंधित रिश्तो में कड़वाहट और जटिलताएं तलाश सकते है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। आप अपने साथी पर विश्वास करने में असमर्थ महसूस कर सकते हैं और अपने रिश्ते को तोड़ने के बारे में भी सोच सकते है। हालांकि, संभावना है की अपने साथी के बजाय मुद्दे आप में ही निहित है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — पिछले कुछ दिनों से आप अपने कैरियर और नौकरी के मुद्दों में व्यस्त है, जिसकी वजह से आपने अपने परिवार और प्रेम प्रसंगो की उपेक्षा की है। इसलिए, समय की मांग है की जीवन के इन पहलुओं को आप प्रमुखता दे। आप इन मुद्दों की तरफ भी ध्यान आकृष्ट करे अन्यथा भविष्य में समस्या आ सकती है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — अगर आप किसी रोचक और खुशमिजाज आदमी को डेट करना चाहते हैं तो आपको अपने रूटीन में बदलाव लाना पड़ेगा नही तो आपका सम्बन्ध फिर से उसी नीरस स्तर पर पहुंच जाएगा। आपको अपनी लव लाइफ में बदलाव लाने के लिए खुद को अन्दर से बदलना पड़ेगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आपका साथी कुछ ऐसा कर सकता है जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप एक साथ ख़ुशी बाटकर इस एहसान को वापिस कर सकते है। आप अपने प्यार के साथ एक खुशनुमा समय व्यतीत कर सकते है। आप एक साथ बाहर भोजन कर सकते हैं। अपने साथी को अपने परिवार के साथ मिलाये।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कौन हैं नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस?

जिनकी दुर्ग में गिरफ्तारी पर दिल्ली तक तूफान मचा है

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। यह न सिर्फ छत्तीसगढ़ में बल्कि केरल और दिल्ली में भी एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। मंगलवार को केरल के एलडीएफ और यूडीएफ के सांसदों ने इसके विरोध में संसद के बाहर प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी ननों के समर्थन में सामने आए। बीजेपी की केरल यूनिट ने इसे भूल बताया। सीपीएम नेता वृंदा करात ने नन की गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताया। ईसाई संगठनों ने अलग ही मोर्चा खोल रखा है। जीआरपी का कहना है कि इस मामले में अदालत ही उचित फैसला करेगी। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि केस की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र होकर काम करेगा।

ननों का परिवार भी चर्च से जुड़ा

पिछले शुक्रवार को जीआरपी ने दुर्ग रेलवे स्टेशन से केरल के सीरियाई-मालाबार चर्च की दो ननों प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। तीसरे गिरफ्तार शख्स का नाम सुकामन मंडावी है। दर्ज एफआईआर के अनुसार, केरल के असीसी सिस्टर्स ऑफ मैरी इमैक्युलेट (ग्रीन गार्डन्स) से जुड़ीं ननों पर नारायणपुर की तीन महिलाओं को जबरन धर्म परिवर्तन कराने और मानव तस्करी के आरोप है। प्रीति मैरी मूल रूप से केरल के एर्नाकुलम जिले के एलावुर की रहने वाली हैं, जबकि वंदना फ्रांसिस कन्नूर के उदयागिरी गांव से हैं। इनके भाई बहन भी चर्च से जुड़े हैं। गिरफ्तार ननों में से एक फार्मासिस्ट है और दूसरी नर्स हैं। दोनों ने नॉर्थ इंडिया में कई साल बिताए हैं। फिलहाल इन दोनों आरोपियों को महिला आश्रय गृह रखा गया है।

केरल से छत्तीसगढ़ पहुंचे नेता

इन ननों की गिरफ्तारी के बाद उत्तर से दक्षिण भारत तक राजनीति गरमा गई है। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक दलों के नेताओं का दौरा शुरु हो गया। संसद के बाहर भी इस गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन हुए। बुधवार को केरल के कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के नेताओं ने दुर्ग केंद्रीय जेल में ननों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के सांसद बेनी बेहनन, सांसद सप्तागिरी उल्का, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन और केरल कांग्रेस के के फ्रांसिस जॉर्ज शामिल थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को लोकसभा में उठाया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं। जिन राज्यों में बीजेपी सत्ता में है, वहां अल्पसंख्यकों को वोटों के ध्रुवीकरण के लिए निशाना बनाते हैं। ननों के समर्थन में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, केरल समेत कई राज्यों के ईसाई संगठनों ने मोर्चा खोल रखा है। मंगलवार को तीनों आरोपियों के जमानत की सुनवाई के दौरान दुर्ग, भिलाई और रायपुर के ईसाई संगठन के लोग कोर्ट में विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे। भोपाल में असीसी सिस्टर्स ऑफ मैरी इमैक्युलेट की नित्या फ्रांसिस ने बताया कि सिस्टर प्रीति डायबीटिज की पेशेंट है, उसके लिए समय से दवा लेना जरूरी है।

मिशनरी-सिस्टर्स गिरफ्तारी केस, संसद भवन में कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रियंका बोलीं- राज्य सरकार को सिर्फ चुनाव प्रचार की चिंता, दुर्ग में वृंदा ने कहा-छत्तीसगढ़ में गुंडाराज

दुर्ग, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से केरल की 2 मिशनरी सिस्टर्स की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस ने संसद भवन में प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी के साथ कई कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने हाथों में 'ननों को रिहा करो, गुंडों को गिरफ्तार करो' लिखा स्लोगन रखा था।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पुलिस ने ननों के साथ बदसलूकी की, उनपर झूठा आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि, राज्य सरकार को केवल चुनाव प्रचार की चिंता रहती है, जबकि वे अपराधियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। वहीं माकपा नेता वृंदा करात और सीपीआई नेता एनी राजा ने भी बुधवार को दुर्ग जेल पहुंचकर दोनों ननों से मुलाकात की। इस दौरान वृंदा ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में गुंडाराज चल रहा है। बीजेपी सरकार ईसाई समुदाय को टारगेट कर रही है। पुलिस ने बजरंग दल के लोगों को फोन कर रेलवे स्टेशन में बेवजह हंगामा कराया। धर्मांतरण और मानव तस्करी के झूठे केस में फंसाया।

सड़क भ्रष्टाचार: पीडब्ल्यूडी के 5 अधिकारी गिरफ्तार

इसमें 2 रिटायर्ड ईई -एसडीओ और सब-इंजीनियर शामिल
इसे उजागर करने पर पत्रकार मुकेश-चंद्राकर की हुई थी हत्या

जगदलपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गंगालूर से मिरतुर तक सड़क निर्माण में घोटाला हुआ। इस मामले में पुलिस ने पीडब्ल्यूडी के 5 अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो रिटायर्ड, एक वर्तमान ईई, एसडीओ और सब इंजीनियर भी शामिल हैं। इसी सड़क निर्माण के भ्रष्टाचार की खबर बनाने के मामले में 1 जनवरी 2025 को पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई थी। 3 जनवरी को ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के बाड़ा में सेप्टिक टैंक में शव मिला था। हत्या के आरोप में 4 आरोपी जेल में बंद हैं।

इनकी हुई गिरफ्तारी

आर. साहू- सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता

वी.के. चौहान- सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता

एच.एन. पात्र- तत्कालीन कार्यपालन अभियंता सुकमा

प्रमोद सिंह कंवर- एसडीओ बीजापुर

संतोष दास- उप अभियंता, जगदलपुर

बता दें कि, सड़क निर्माण का ठेका 4 फर्मों को मिला था। हर 2 किमी की सड़क निर्माण के लिए अलग-अलग टेंडर जारी किया गया। 32 किमी के काम को 16 भागों में बांटा गया और अनुबंध किया गया। ये काम ठेकेदार सुरेश चंद्राकर कर रहा था।

52 किलोमीटर की सड़क को टुकड़ों में बनाया गया है। लगभग 12 से 15 किमी तक डामर बिछाया गया, लेकिन क्वॉलिटी इतनी घटिया थी कि कुछ ही दिन में सड़क उखड़ने लगी। इसके अलावा बीच-बीच में गिट्टी और मुरुम डाल दिया गया है, जो चलने लायक भी नहीं है।

दरअसल, 15 साल पहले यानी 2009 में भारत सरकार ने सड़क आवश्यकता योजना स्पेशल प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी, 2009 के प्रोजेक्ट का 2015 में एग्रीमेंट हुआ था। जिसके तहत सड़क के लिए लगभग 56 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। इन 15 सालों में सड़क की दूरी उतनी ही है, जितनी पहले थी, लेकिन जब 56 करोड़ रुपए में बननी थी तो 120 करोड़ रुपए कैसे हुई?

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की रॉड से पीट-पीटकर हत्या की गई थी। लोकेशन भटकाने के लिए उसका मोबाइल 50किमी दूर तुमनार नदी में फेंका गया। वारदात से 5 दिन पहले ठेकेदार सुरेश चंद्राकर ने मुकेश की हत्या की प्लानिंग की थी। एसआइटी की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। सड़क निर्माण काम की खबर से ये लोग मुकेश से नाराज थे।

इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने और आरोपियों को पकड़ने के लिए सीजी के अलावा महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिशा पुलिस की भी मदद ली गई। एसआइटी के मुताबिक, हत्या रितेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके ने की, जबकि शव छिपाने का काम दिनेश ने किया।

मुकेश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के 15 निशान मिले थे। कितनी बुरी तरह हत्या की गई, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि लिवर के 4 टुकड़े मिले, गर्दन टूट गई और हार्ट फट गया था। 5 पसलियां भी टूटी हुई थीं।

सीआरपीएफ-जवान ने खुद को मारी गोली

बिहार से 1 दिन पहले छुट्टी से लौटा था, गले से सिर को चीरते हुई निकली बुलेट

बीजापुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। जवान पप्पू यादव 22वीं बटालियन मिनगाचल में पदस्थ था। वह बिहार के भोजपुर जिले का रहने वाला था। घटना नैमेड़ थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक बैरक में बुधवार सुबह 5 बजे जवान ने अपनी सर्विस राइफल से गले पर गोली चलाई। गोली सिर को चीरते हुए बाहर निकली। जवान की मौके पर ही मौत हो गई। जवान 1 दिन पहले ही छुट्टी से लौटा था। एसपी जितेंद्र यादव ने घटना की पुष्टि की है।

एसपी ने बताया कि जवान ने लाइसेंसी इंसास राइफल से खुद को गोली मारी है। सूचना पर नैमेड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जरूरी कानूनी कार्रवाई कर रही है। आत्महत्या की वजह का अभी पता नहीं चला है। मृत जवान पप्पू यादव बिहार के चाल पोखरी थाना क्षेत्र के ठाकुरी गांव का रहने वाला था।

13 दिन पहले ही जगदलपुर के परपा में पोस्टेड आरक्षक ने अपने सरकारी क्वार्टर में सुसाइड कर लिया था। उसके कमरे में फंदे से लटकता शव मिला। वो जशपुर जिले का रहने वाला था। आरक्षक परपा में यातायात विभाग में था।

लेकिन कुछ दिन पहले ही उसका परपा से लोहंडीगुड़ा तबादला हो गया था। पुलिस प्रारंभिक रूप से पारिवारिक कारणों की वजह से सुसाइड करने की बात कही थी।

छुट्टी ना मिलना सुसाइड का सबसे बड़ा कारण

बस्तर के बीहड़ों में तैनात जवान सुसाइड कर रहे हैं। इनके सुसाइड की सबसे बड़ी वजह इन्हें समय पर छुट्टियां न मिलना है।

हालांकि, कुछ जवान ऐसे भी हैं जो छुट्टी से लौटने के बाद ड्यूटी के दौरान सुसाइड किए हैं। इसकी वजह पारिवारिक कलह सामने आई है।

इसके अलावा फोर्स में बड़े अफसरों के साथ जवानों का कम्युनिकेशन गैप भी होता है, जिससे जवान अफसरों के सामने अपनी समस्या नहीं रख पाते हैं। इसके अलावा जवानों के बीच आपसी-मजाक मस्ती भी इनके सुसाइड करने या फिर अपने साथियों की ही हत्या करने की वजह है।

नवा रायपुर में बनेगी क्रिकेट अकादमी

भारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी रोकने के लिए नियम बदले
रेत खदानों के लिए जमीन-आवंटन अब आसान नहीं

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक आज बुधवार को मंत्रालय में हुई। सभी मंत्रियों की मौजूदगी में सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। नवा रायपुर के परसदा में क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एकेडमी बनाई जाएगी। इसकी स्थापना के लिए 7.96 एकड़ भूमि आबंटित किया गया है।

कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है। वहीं, छत्तीसगढ़ में लगातार अवैध खनन-परिवहन मामले को देखते हुए रेत खदान के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। प्रस्तावित नियमों में संशोधन के बाद अब आवंटन की कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से होगी।

इसी तरह भारत माला परियोजना में अनियमितता के बाद सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। कृषि भूमि के बाजार मूल्य की गणना के लिए 500 वर्गमीटर तक के भू-खंड की दर को खत्म करते हुए पूरे रकबे की गणना हेक्टेयर दर से की जाएगी।

खनिज न्यास नियम में बदलाव - अब जिला खनिज न्यास की 70% राशि पीने के पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास, रोजगार और स्वच्छता जैसे जरूरी कामों पर खर्च की जाएगी।

रेत खनन के नए नियम - रेत के अवैध खनन पर रोक और पारदर्शिता के लिए नए नियम लागू होंगे, जिससे आम लोगों को सस्ती रेत मिलेगी और ई-नीलामी से खदानें दी जाएंगी।

कृषि भूमि मूल्य निर्धारण में बदलाव - अब ग्रामीण कृषि भूमि की कीमत हेक्टेयर में तय होगी, और निवेश क्षेत्रों की जमीन वर्गमीटर में आंकी जाएगी जिससे अनियमितताओं से बचा जा सकेगा।

क्रिकेट अकादमी के लिए जमीन - नवा रायपुर में क्रिकेट अकादमी के लिए 7.96 एकड़ जमीन दी गई है, जिससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मिलेगी और राज्य को खेलों में पहचान मिलेगी।

इससे पहले 12 जुलाई को साय कैबिनेट की बैठक हुई थी। जिसमें छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा के 2005-2009 बैच के अफसरों को सीनियर सिलेक्शन ग्रेड पे स्केल देने 30 पद स्वीकृत किए गए थे। छत्तीसगढ़ में पुरानी गाड़ियों के नंबर नए वाहनों में ट्रांसफर हो सकेंगे। शासकीय वाहनों पर शुल्क नहीं लगेगा।

इसके अलावा, छात्र स्टार्टअप और नवाचार नीति को मंजूरी मिली थी। 100 संस्थानों में 50 हजार छात्रों तक पहुंच बनाना होगा। 150 स्टार्टअप को सपोर्ट मिलेगा। राजधानी क्षेत्र (राज्यीय राजधानी क्षेत्र) प्राधिकरण की स्थापना को मंजूरी मिली थी।

मोक्षित-कॉर्पोरेशन के ठिकानों पर ईडी रेड

घर-दफ्तर में एक साथ छापा, 660 करोड़ के सीजीएमएससी घोटाले से जुड़ा, हो सकता है एक्शन

दुर्ग, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में मोक्षित कॉर्पोरेशन के कई ठिकानों में ईडी की रेड पड़ी है। तड़के सुबह 6 बजे ईडी के दो दर्जन से ज्यादा अधिकारी पहुंचे हैं। मोक्षित कॉर्पोरेशन के 3 आवासीय परिसरों और ऑफिस में एक साथ छापेमारी की गई है।

बताया जा रहा है ये कार्रवाई सीजीएमएससी से जुड़े 400-660 करोड़ के कथित घोटाले में हो सकती है। फर्म से जुड़े सिद्धार्थ, शशांक, शरद चोपड़ा तीनों के आवास पर रेड चल रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान मौजूद हैं। बंगले के बाहर अधिकारियों की 6-7 गाड़ियां भी खड़ी है।

बता दें कि मोक्षित कॉर्पोरेशन सरकारी मेडिकल एंजेसियों में दवा और इक्विपमेंट सप्लाई करती है। जानकारी के मुताबिक, करीब 6 महीने पहले इस फर्म में पहले भी एसीबी और ईओडब्ल्यू के छापे पड़े थे तब मोक्षित कॉर्पोरेशन चर्चा में आया था। हालांकि इस बार की रेड की वजह अब तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन ये माना जा रहा है कि कार्रवाई सीजीएमएससी घोटाले से जुड़ी हो सकती है।

कुआं धंसा, 26 घंटे बाद 3 शव निकाले गए

25 फीट गहराई में मिले, गांव में मातम, परिजन के रुक नहीं रहे आंसू

कोरबा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले में कुआं धंसने से मलबे में दबे तीनों लोगों के शव 26 घंटे बाद निकाले जा चुके हैं। पहले पिता फिर मां-बेटे की लाश मिली। तीनों के शव 25 फीट गहराई में थी। इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। परिजन के आंसू नहीं रुक रहे हैं।

बता दें क बनवार गांव में 29 जुलाई की सुबह हादसा हुआ। पति-पत्नी और उनका बेटा मोटर पंप निकालने की कोशिश कर रहे थे तभी अचानक कुआं धंस गया। मलबे में तीनों दब गए।

घटना के बाद रात ढाई बजे तक एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। लेकिन बारिश होने और मिट्टी धंसने के कारण इसे बीच में ही रोकना पड़ा था। आज सुबह से फिर अभियान चलाया गया। कुएं के पैरेलल में खुदाई कर लाशें निकाली गईं।

घटना मंगलवार सुबह 6 बजे के आसपास की है। घर पर मौजूद भाई-बहन ने पुलिस को बताया कि जब वे सुबह उठे तो उन्होंने कुआं धंसा हुआ पाया। बड़े भाई, मां और पिता लापता थे। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

उच्च अधिकारियों को सूचना देकर आपदा प्रबंधन टीम को बुलाया गया। 2 महीने पहले ही कुआं खुदवाया गया था।

मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर

बीजीएल लॉन्चर समेत भारी विस्फोटक जब्त

सुकमा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगिनपारा जंगल में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने पांच लाख के इनामी माओवादी कोटला गंगा उर्फ मुचाकी गंगा को मार गिराया है, जो केरलापाल एरिया कमेटी में सक्रिय पदाधिकारी था। यह मुठभेड़ सुकमा और दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई।

पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादी मूवमेंट की पुख्ता सूचना पर सुकमा डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की टीमों ने संयुक्त अभियान चलाया। मंगलवार सुबह से मुठभेड़ रुक-रुक कर जारी रही, जिसमें अंततः एक वर्दीधारी माओवादी ढेर हो गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और नक्सली साहित्य बरामद किया गया। बरामद सामग्रियों में बीजीएल लॉन्चर राइफल, बीजीएल सेल व कॉटेज, वायरलेस सेट, डेटोनेटर, जिलेटिन रॉड, कोर्डेक्स वायर, बिजली तार, पिट्ठू और नक्सली दस्तावेज शामिल हैं। मारे गए नक्सली की पहचान गोगुंडा निवासी कोटला गंगा के रूप में हुई है, जिस पर शासन ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। इस मुठभेड़ के दौरान एक प्रेशर आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के तीन जवान घायल हो गए। सभी को तत्काल मुठभेड़ स्थल से निकालकर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पी. ने कहा कि कठिन भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बल पूरी निष्ठा के साथ बस्तरवासियों की सुरक्षा में जुटे हैं। उन्होंने माओवादियों से अपील की कि वे हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ लें, अन्यथा उन्हें सख्त परिणाम भुगतने होंगे।

आस्था ज्वेलर्स लूटकांड का मास्टर माइंड गिरफ्तार

1.5 करोड़ के लूट मामले में आठ आरोपी पकड़े गए, बड़ी मात्रा में सामान बरामद

बोकारो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो में आस्था ज्वेलर्स में 23 जून को हुई लूट मामले में पुलिस ने घटना के मास्टर माइंड रोनित राय को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने लूट में शामिल नवीन कुमार को भी पकड़ा है। यह जानकारी बुधवार को एसपी हरविंदर सिंह ने दी।

एसआइटी टीम ने 29 जुलाई को वैशाली और सीतामढ़ी जिले से रोनित राय और नवीन कुमार को गिरफ्तार किया है। इनकी निशानदेही पर नवीन कुमार के किराये के मकान से लूट के 23 सोने की अंगूठी, 6 गले के हार, 1 ब्रासलेट और 13,820 नगद रुपए बरामद किए गए। साथ ही एक सफेद डिजायर कार, एक चोरी की मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

एसपी के अनुसार, यह गिरोह अंतरराज्यीय अपराधियों का समूह है। यह कई जिलों में सक्रिय था। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने इस सफलता को टीमवर्क और तकनीकी जांच का नतीजा बताया है। चास थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित आस्था ज्वेलर्स में लूट मामले में पुलिस अब तक कुल 8 आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। 23 जून की शाम लगभग 6 बजे चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार दिखाकर दुकान से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए थे। लुटेरे दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए थे।

रांची से किडनैप हुई छात्रा रामगढ़ के कुजू से मिली

सिरमटोली ओवरब्रिज के पास से उठाया, पुलिस ने बढ़ाई दबिश तो सड़क पर उतारा भागे क्रिमिनल

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र से बुधवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। सिरमटोली फ्लाईओवर के पास बिशप वेस्ट-कॉट स्कूल जा रही 11 साल के करीब की स्टूडेंट का अपहरण कर लिया गया।

पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक बच्ची चर्च रोड की रहने वाली है। जेएच01एफयू6874 नंबर की गाड़ी में चार की संख्या में सवार अपराधियों ने पहले स्कूल बच्ची के वैन को टक्कर मार कर रोका और फिर बच्ची को उठा कर भाग निकले। इस बीच दहशत फैलाने के लिए तीन राउंड फायरिंग भी की।

किडनैपिंग की जानकारी मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई। रांची एसएसपी चंदन सिन्हा, रांची आईजी मनोज कौशिक की ओर से एक्शन लिया गया। जानकारी के मुताबिक 10 जिले के 90 से अधिक जगहों पर जांच अभियान चलाया गया।

लगातार ट्रैकिंग के बाद अपराधियों का लोकेशन रामगढ़ में मिला। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस की बढ़ती दबिश की वजह से अपराधियों ने बच्ची को कुजू के पास सड़क किनारे छोड़ कर भाग निकले। इसके बाद बच्ची को रांची ले आया गया है। फिलहाल वह थाने में है।

चचेरे भाई और चाचा ने की युवक की हत्या

चाईबासा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरकेला गांव में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। आपसी विवाद के चलते युवक के चाचा और चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

घटना बरकेला गांव के टोला बांदा साईं में हुई। मृतक की पहचान बुंडू बायपाई उर्फ जंगगुवा (40 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपियों में 70 वर्षीय गोमती बायपाई उर्फ जोजो बायपाई (चाचा) और उसका 20 वर्षीय बेटा कुरूपा बायपाई (चचेरा भाई) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात को किसी बात को लेकर मृतक का अपने चाचा और चचेरे भाई से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर कुल्हाड़ी से हमला कर बुंडू की हत्या कर दी।

घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चाचा गोमती बायपाई को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, उसका बेटा कुरूपा बायपाई अभी फरार है।

नशे ने एक की जिंदगी और तीन का करियर किया खत्म

हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

कांकेर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांकेर शहर के बरदेभाटा इलाके में सोमवार शाम चाकू से गोद कर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। रात भर पुलिस आरोपियों की धर पकड़ करती रही।

मामले में हत्या के तीनों आरोपियों को आज कांकेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें एक नाबालिग भी है। हत्या का कारण आपसी रंजिश है। रंजिश का कारण है नशा,जिसके चलते दोनों पक्षों में सुबह से चल रहा विवाद इतना बढ़ गया की शाम को एक की हत्या हो गई।

हत्या के पहले का एक वीडियो भी सामने आया है। हत्या में बिना शर्ट का दिख रहा व्यक्ति शिवा वाल्मीकि है। जिसका नाबालिक आरोपी के साथ हाथापाई हो रहा है, वीडियो में साफ तौर पर सुना जा सकता है जिसमे हथियार निकालने की बात हो रही है।

गौरतलब है कि नगर पालिका सफाईकर्मी शिव वाल्मिकी 22 साल निवासी टिकरापारा कांकेर सोमवार सुबह नया बसस्टैंड के निकट नाश्ता ठेला पहुंचा था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल आएंगी धनबाद

धनबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद डीसी सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बुधवार को आईआईटी आईएसएम पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। आईआईटी आईएसएम में 1 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम निर्धारित है। डीसी और एसएसपी ने राष्ट्रपति के आगमन के लिए तैयार हो रहे प्रेसिडेंट सुइट का निरीक्षण किया। साथ ही प्रेसिडेंट सुइट तक पहुंच पथ, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के लिए निर्धारित आवासन का भी जायजा लिया।

जापान तक पहुंची सुनामी की लहरें

20 लाख लोगों को घर छोड़ने का निर्देश, फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट खाली कराया गया

टॉक्यो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार सुबह आए 8.8 की तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठी हैं। सुनामी ने रूस, अमेरिका, न्यूजीलैंड, जापान जैसे देशों के तटीय इलाकों को प्रभावित किया है। जापान खासतौर से इस सुनामी से प्रभावित हो रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया है कि 60 सेंटीमीटर यानी 2 फीट ऊंची सुनामी की पहली लहर होक्काइडो के पूर्वी तट पर स्थित नेमुरो तक पहुंच गई है। ये लहरें प्रशांत तट के साथ होक्काइडो से टोक्यो खाड़ी तक दक्षिण की ओर बढ़ रही हैं।

सुनामी की वजह से जापान में करीब 20 लाख लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर जाने के लिए कहा गया है। सुनामी से प्रभावित होक्काइडो से ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें लोगों को घरों की छत पर इकट्ठा होकर मदद की गुहार लगाते देखा जा रहा है। जापानी अधिकारियों ने लोगों से उत्तरी तटीय इलाके को खाली कर ऊंचे जगह पर चले जाने के लिए कहा है।

जापान केफुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट तक सुनामी की लहरों ने दस्तक दी है। सुनामी के खतरे को देखते हुए प्लांट के कर्मचारियों को निकालकर सरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। फिलहाल प्लांट में किसी नुकसान की खबर नहीं है। स्थानीय अधिकारियों की चिंता इससे बढ़ी है क्योंकि साल 2011 में जापान में 9.0 तीव्रता वाले भूकंप के बाद आई सुनामी फुकुशिमा दाइची प्लांट में बड़े हादसे की वजह बनी थी।

सुनामी के संकट पर बात करते हुए जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा है कि अधिकारी लगातार हालात पर नजर बचाए हुए हैं। राहत और बचाव की टीमें भी अलर्ट पर हैं। जापानी पीएम ने कहा कि किसी भी राहत बचाव कार्य में पहली प्राथमिकता इंसानों की जान बचाने की होगी।

इशिबा ने नागरिकों से तटों से दूर रहने और ऊंचे इलाकों में जाने के लिए कहा है।

जापान में सुनामी की वजह से अभी तक जानमाल के किसी नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

दमिश्क में दिल्ली की दस्तक: कश्मीर पर अल-जोलानी का रुख़?

दमिश्क, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने सीरिया की नई सरकार के साथ डिप्लोमेटिक संबंध बहाल कर लिए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय मे पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के ज्वाइंट सेक्रेटरी सुरेश कुमार ने सीरियाई विदेश मंत्री असद हसन अल-शिबानी से दमिश्क में मुलाकात की है। बैठक में भारत-सीरिया संबंधों को गहरा करने और आपसी हितों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सीरिया में अब कभी आईएसआईएस से संबंध रखने वाले अल-जोलानी की सरकार है, जो देश के राष्ट्रपति हैं। पिछले दिनों सऊदी अरब में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी रियाद में अल-जोलानी से मुलाकात की थी। भारत ने अभी तक अल-जोलानी की सरकार से दूरी बना रखी थी, लेकिन अब इस मुलाकात से भारत ने संकेत दे दिए हैं कि वो सीरिया की नई सरकार से संबंध मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो संग दिखी अमेरिकी सिंगर केटी पेरी

रेस्टोरेंट में सीक्रेट डिनर का वीडियो लीक, डेटिंग की अटकलें तेज हुईं

ओटावा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की मशहूर पॉप स्टार केटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एक साथ डिनर करते देखा गया। टीएमजड की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात 28 जुलाई 2025 की रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्तरां में हुई।

इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में केटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत करते दिख रहे हैं। दोनों को साथ देखकर लोगों में उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं।

सुरक्षा में कई गार्ड भी तैनात थे

यह डिनर एक प्राइवेट डेट जैसा लग रहा था, लेकिन दोनों अकेले नहीं थे। उनके साथ कई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे जो उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सुरक्षाकर्मी पास की सीटों पर बैठे थे और शीशे की दीवार के जरिए निगरानी कर रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक पेरी और ट्रूडो ने रेस्तरां में कई डिशेज लीं। इनमें लॉब्स्टर भी शामिल था, लेकिन

दोनों ने कोई एल्कोहलिक ड्रिंक नहीं ली। डिनर के बाद रेस्तरां के हेड शेफ खुद दोनों से मिलने आए और उनका स्वागत किया। खाना खत्म होने के बाद, पेरी और ट्रूडो दोनों ने किचन जाकर स्टाफ को पर्सनली थैंक्स कहा।

रेस्तरां में मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों काफी दोस्ताना थे और उनके बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। वे रेस्तरां के एक शांत कोने में बैठे थे और साथ में कॉकटेल और लॉबस्टर डिश का लुफ्त उठा रहे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, कैटी पेरी बातचीत में काफी दिलचस्पी दिखा रही थीं। पेरी इन दिनों अपने नए एल्बम 143 के प्रमोशन के लिए कनाडा टूर पर हैं। उन्होंने हाल ही में विन्निपेग में परफॉर्म किया और अगला शो ओटावा में होगा। वहीं, ट्रूडो जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रहे हैं। 2023 में उन्होंने अपनी पत्नी सोफी से 18 साल पुरानी शादी खत्म कर दी थी।

दिलचस्प बात ये है कि कैटी पेरी का इस साल की शुरुआत में एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम से भी ब्रेकअप हुआ था। दोनों की एक बेटी है और वे अभी भी अच्छे रिश्तों में हैं और मिलकर उसकी परवरिश कर रहे हैं।

हालांकि कुछ लोगों को लग रहा है कि ये डिनर किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है, लेकिन दोनों की तरफ से अब तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है। सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को लेकर काफी चर्चा है और #केटी पेरी दोस्त और #जस्टिन ट्रूडो डेटिंग जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। इसी महीने केटी पेरी और ऑरलैंडो ब्लूम का ब्रेकअप हुआ केटी पेरी और एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम का रिश्ता 2016 में गोल्डन ग्लोब्स की एक आफ्टर पार्टी में शुरू हुआ था। दोनों के बीच जल्द ही नजदीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता मीडिया की सुर्खियों में आ गया।

जुलाई 2025 की शुरुआत पेरी और ब्लूम ने अपने ब्रेकअप की आधिकारिक घोषणा की है। एक साझा बयान में कहा गया कि वे अब एक रोमांटिक रिश्ते में नहीं हैं, लेकिन अपनी बेटी डेजी की मिलकर देखभाल करेंगे।

युगांडा के विपक्षी नेता बॉबी वाइन ने बताया जान का खतरा

कहा- देश में राजनीतिक माहौल बदतर हो रहा

कांपला, 30 जुलाई (एजेंसियां)। युगांडा में विपक्षी नेता और पूर्व राष्ट्रपति बॉबी वाइन ने अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि देश में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल बद से बदतर हो रहा है। उन्होंने खुद को और अपने कार्यकर्ताओं को हो रहे खतरे का हवाला दिया। गायक से विधायक बने वाइन का असली नाम क्यागुलान्यी सेनटामु है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उन्हें खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले कुछ महीनों में विपक्षी नेता वाइन की सुरक्षा के मामले बढ़ रहे हैं। हाल में राष्ट्रपति मुसेवेनी के बेटे और सेना प्रमुख मुहूजी कैनेरुगाबा ने एक्स पर लिखा था कि अगर राष्ट्रपति अनुमति दें तो वह वाइन का सिर काट देंगे। इसके बाद मई में वाइन के लापता अंगरक्षक को अपने तहखाने में रखने के बयान के लिए उनकी व्यापक आलोचना हुई। अदालत में पेश किए जाने पर अंगरक्षक बिना सहारे के चलने में असमर्थ था। जनरल एफ कैनेरुगाबा के बारे में बात करते हुए वाइन ने कहा कि यह लगातार याद दिलाता है कि खतरा वास्तविक है, क्योंकि यह कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। यह एक ऐसा व्यक्ति है जो न केवल देश के प्रभारी व्यक्ति का बेटा है, बल्कि हिंसा के सभी अंगों का भी प्रभारी है। वह सेना, पुलिस, जेलों का मुखिया है। वह कानून से ऊपर है और उसने इसी तरह काम किया है। यह राज्य पर कब्ज़ा करने की बात करता है। यह दंड से मुक्ति की बात करता है। यह पारिवारिक शासन की बात करता है। 1986 से युगांडा पर शासन कर रहे 80 वर्षीय राष्ट्रपति मुसेवेनी ने वाइन को विदेशी हितों का एजेंट बताया।

रूस की नई डेडलाइन 10 दिन

ट्रंप की पुतिन को धमकी, यूक्रेन में युद्ध रोको नहीं तो लगाएंगे नए प्रतिबंध

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर रूस ने तेजी से यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए कदम नहीं उठाए तो उनकी ओर से कड़े फैसले लिए जाएंगे। ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रुख से निराशा जताई है।

ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में रूस प्रगति नहीं दिखाता है तो अमेरिका 10 से 12 दिनों के भीतर मॉस्को पर टैरिफ लगाएगा। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी, 2022 से लड़ाई चल रही है। ट्रंप तमाम कोशिशों के बावजूद इस लड़ाई को रोकने में नाकाम दिखे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने रूस को बार-बार मौके दिए हैं लेकिन उनको मॉस्को से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। ट्रंप ने पहले 50 दिनों की समय-सीमा

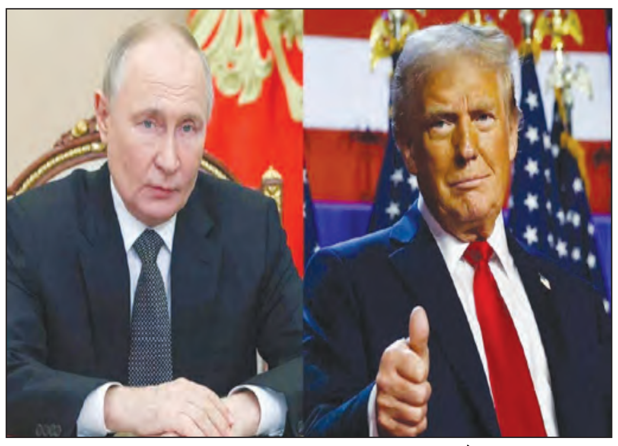

तय की थी। उन्होंने कहा कि रूस से कोई कार्रवाई ना होने के कारण वह समय-सीमा कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज से 10 दिनों की एक नई समयसीमा तय कर रहा हूं।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्लादिमीर पुतिन के साथ आगे बातचीत नहीं करने का संकेत दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर मॉस्को उनकी शर्तों का पालन करने में विफल रहता है तो वार्ता की बजाय प्रतिबंध और टैरिफ जैसे दंडात्मक उपाय होंगे।

उन्होंने कहा, 'अगर आपको पता है कि जवाब क्या होगा तो फिर इंतजार करने का कोई मतलब नहीं है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से की गई डोनाल्ड ट्रंप की सख्त टिप्पणियों की प्रशंसा की है। जेलेंस्की ने कहा, 'ट्रंप के स्पष्ट रुख और दृढ़ संकल्प से बहुत कुछ बदला जा सकता है। मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिंदगियों को बचाने और इस भयानक युद्ध को रोकने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए धन्यवाद देता हूं।'

रूस ने दिखाया है सख्त रुख

यूक्रेन ने अगस्त से पहले जेलेंस्की और पुतिन के बीच एक बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था लेकिन मॉस्को ने प्रस्तावित समय-सीमा को अवास्तविक बताते हुए खारिज कर दिया।

मॉस्को की ओर से जोर देकर कहा गया कि ऐसी बैठक केवल शांति समझौते की दिशा में अंतिम कदम के रूप में ही हो सकती है। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में ये भी कहा है कि अगर पश्चिम वास्तव में यूक्रेन के साथ शांति चाहता है तो वह कीव को हथियारों की आपूर्ति बंद कर दे।

फिलिस्तीन को देश की मान्यता दे सकता है ब्रिटेन

250 सांसदों की पीएम को चिट्ठी, 5 दिन पहले फ्रांस ने मान्यता देने का ऐलान किया

लंदन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा के बाद अब ब्रिटेन भी इसी राह पर है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर इजराइल हमास के साथ युद्धविराम पर सहमत नहीं होता, तो ब्रिटेन सितंबर में फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे देगा।

यह फैसला कैबिनेट की आपात बैठक के बाद आया और ब्रिटेन के रुख में बड़ा बदलाव है। दरअसल, गाजा में बच्चों की भुखमरी और तबाही की तस्वीरों के बाद ब्रिटिश जनता के दबाव में यह घोषणा हुई है।

स्टार्मर ने स्पष्ट किया कि मान्यता तुरंत नहीं दी जाएगी, बल्कि यह उस व्यापक यूरोपीय प्रयास का हिस्सा होगी, जिसका उद्देश्य गाजा युद्ध को समाप्त करना है। ब्रिटेन के इस ऐलान के बाद इजराइल सरकार पर युद्ध रोकने का अंतरराष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया है।

हालांकि हाल ही में जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि उनका देश फिलिस्तीन को मान्यता देगा, तब स्टार्मर ने उनका समर्थन नहीं किया था।

फ्रांस जी7 का पहला देश था जिसने फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा की थी। नॉर्वे, स्पेन और आयरलैंड पहले ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता दे चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेबर पार्टी समेत 9 दलों के 250 से ज्यादा सांसदों ने पीएम स्टार्मर और विदेश मंत्री डेविड लैमी को चिट्ठी लिखकर फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग की थी।

पाकिस्तान का सबसे महंगा ग्वादर एयरपोर्ट बना 'रहस्यमयी स्थान'

ना कोई यात्री ना प्लेन, चीन ने खर्चे हैं अरबों डॉलर

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ग्वादर एयरपोर्ट के शुरू होने से रहस्य खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। तटीय शहर ग्वादर में यह एयरपोर्ट बीते साल अक्टूबर में बनकर तैयार हो गया था। यह पाकिस्तान का सबसे महंगा एयरपोर्ट है। चीन की फंडिंग से 240 मिलियन डॉलर में बना यह हवाई अड्डा नौ महीने से पूरी तरह तैयार है लेकिन व्यावसायिक रूप से बंद है। बिना यात्रियों और बिना विमानों के सूना पड़ा पाकिस्तान का यह सबसे नया हवाई अड्डा एक रहस्य सा बन गया है।

ग्वादर एयरपोर्ट के उद्घाटन के मौके पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि इससे बलूचिस्तान और पाकिस्तान को आर्थिक फायदा होगा। हालांकि इन दावों के उलट यह

सिर्फ धूल फांक रहा है। बलूचिस्तान प्रांत के अशांत इलाके में यह एयरपोर्ट चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का हिस्सा है। यह प्रोजेक्ट चीन के पश्चिमी शिनजियांग प्रांत को अरब सागर के जरिए पाकिस्तान से जोड़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ अजीम खालिद कहते हैं कि यह हवाई अड्डा पाकिस्तान या ग्वादर के लिए नहीं है। इसे चीन ने अपने लिए बनाया है, ताकि वे अपने नागरिकों की ग्वादर और बलूचिस्तान तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान में दशकों से चल रहे विद्रोह को चीनी निवेश ने बढ़ा दिया है। अलगाववादी यहां लगातार चीनी कामगारों को निशाना बना रहे हैं। इससे चीन की सरकार की चिंता बढ़ी हुई है।

ग्वादर के 76 वर्षीय निवासी खुदा बख्श हाशिम ने कहा, 'पहले हमसे कोई भी यह नहीं पूछता था कि हम कहां जा रहे हैं, क्या कर रहे हैं। आज हमें अपनी पहचान साबित करने के लिए कहा जाता है। हम यहां के निवासी हैं और बाहर से आए लोग हमसे पूछते हैं कि अपनी पहचान बताए। पाकिस्तान की सरकार और सेना चीनियों के साथ मिलकर स्थानीय लोगों का शोषण कर रही है।'

बलूचिस्तान का पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों से संपर्क सीमित रहा है। ग्वादर से कराची के लिए हफ्ते में सिर्फ तीन बार केवल एक कर्मशियल फ्लाइट है। यहां से क्वेटा या इस्लामाबाद के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं है।

सऊदी अरब में विदेशी नागरिक भी प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे

मक्का-मदीना में मनाही रहेगी, ऑयल पर निर्भरता कम करना मकसद

रियाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार ने विदेशी नागरिकों और कंपनियों के लिए अपने रियल एस्टेट मार्केट को खोलने का फैसला किया है। नया कानून जनवरी 2026 से लागू होगा।

इसके तहत विदेशी इन्वेस्टर्स रियाद, जेद्दा और अन्य इलाकों में प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे। यह कदम सऊदी अरब के विजन 2030 का हिस्सा है, जिसका मकसद ऑयल पर निर्भरता कम करना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है।

सऊदी कैबिनेट ने हाल ही में इस नए कानून को मंजूरी दी है, जिसे हाउसिंग मिनिस्टर माजिद बिन अब्दुल्लाह ने रियल एस्टेट सुधारों का अगला कदम बताया। उन्होंने कहा- यह कानून रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा और सऊदी शहरों को ग्लोबल इन्वेस्टर सेंटर

बनाएगा। हालांकि, मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों में प्रॉपर्टी खरीद पर प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन शहरों में सिर्फ मुस्लिम ही खास शर्तों के साथ संपत्ति खरीद सकते हैं।

विदेशी निवेशक सऊदी स्टॉक एक्सचेंज (तदावुल) पर लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनियों में 49% तक शेयर खरीद सकते हैं, जो मक्का और मदीना में प्रोजेक्ट्स डेवलप करती है।

रियल एस्टेट जनरल अथॉरिटी 180 दिनों के भीतर उन इलाकों और नियमों की लिस्ट जारी करेगी, जहां विदेशी प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं।

यह सुधार हज और उमराह जैसे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और 2030 तक 30 बिलियन डॉलर की इनकम के टारगेट को सपोर्ट करेंगे।

सऊदी अरब का 'विजन 2030' सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था। इसका मकसद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर मजबूत बनाना है।

एमबीएस 'द लाइन' नाम का शहर बसाना चाहते हैं

विजन 2030 के तहत ही एमबीएस वीरान रेगिस्तान में नियोम नाम का एक नया शहर बसाना चाहते हैं। प्रोजेक्ट के तहत 'द लाइन' नाम का एक शहर बसाया जाएगा। यह एक कार-फ्री शहर होगा, जो सिर्फ 200 मीटर चौड़ा और 170 किमी लंबा होगा।

प्रक्षेपण के 14 सेकेंड में फटा रॉकेट एरिस

सैटेलाइट ले जाने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने किया था तैयार

कैनबरा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया से प्रक्षेपित किया गया रॉकेट एरिस प्रक्षेपण के 14 सेकेंड में ही फट गया। बताया गया कि गिल्मर स्पेस टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रक्षेपित रॉकेट ऑस्ट्रेलिया में डिजाइन और निर्मित पहला कक्षीय प्रक्षेपण यान था। इस रॉकेट को छोटे उपग्रहों को कक्षा में ले जाने के लिए डिजाइन किया गया था।

रॉकेट को क्वींसलैंड राज्य के उत्तर में स्थित छोटे से शहर बोवेन के पास एक अंतरिक्ष केंद्र से स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह एक परीक्षण उड़ान में प्रक्षेपित किया गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में चल रहे वीडियो में रॉकेट प्रक्षेपण टॉवर से ऊपर उठता नजर आया। इसके बाद नजरों से ओझल हो गया। घटनास्थल के ऊपर धुएं का गुबार दिखा।

हालांकि कंपनी ने इस प्रक्षेपण को सफल बताया। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि सभी चार हाइब्रिड-चालित इंजन प्रज्वलित हुए और पहली उड़ान में इंजन का 23 सेकंड का बर्न टाइम और उड़ान का 14 सेकंड का समय शामिल था। कंपनी के सीईओ एडम गिल्मर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि रॉकेट लॉन्चपैड से उड़ान भर गया।

उन्होंने कहा कि जाहिर है मुझे और ज्यादा उड़ान का समय चाहिए होता, लेकिन मैं इससे खुश हूं। इससे पहले गिल्मर ने फरवरी में कहा था कि किसी निजी रॉकेट कंपनी का अपने पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंच जाना लगभग अनसुना है। कंपनी ने भी कहा था कि अगर रॉकेट जमीन से उड़ान भर लेता है, तो वह प्रक्षेपण को सफल मानेगी।

इससे पहले गिल्मर स्पेस टेक्नोलॉजीज ने मई और जुलाई की शुरुआत में रॉकेट के प्रक्षेपण की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी समस्याओं और खराब मौसम के कारण उन कार्यों को रद्द कर दिया गया। स्थानीय व्हिटसनडे क्षेत्रीय परिषद के मेयर राय कोलिन्स ने कहा कि पूरा हुआ प्रक्षेपण बड़ी उपलब्धि है, भले ही यान कक्षा तक नहीं पहुंच पाया। यह हमारे क्षेत्र में भविष्य के वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्योग की विशाल छलांग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

बेटों को पाकिस्तान नहीं आने देंगे इमरान खान

5 अगस्त के प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे, खान 2 साल से जेल में बंद

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने बेटों को पाकिस्तान आने और किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। इससे पहले इमरान की बहन, अलीमा खान ने दावा किया था कि उनके भतीजे अपने पिता की रिहाई के लिए 5 अगस्त को होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे।

हालांकि, खान ने साफ किया कि उनके बेटे न तो पाकिस्तान आएंगे और न ही किसी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। खान के बेटे, सुलेमान खान (28) और कासिम खान (26), हाल ही में अमेरिका में थे, जहां उन्होंने अपने पिता की रिहाई के लिए अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की थी। इमरान की पार्टी

पीटीआई 5 अगस्त से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि उनकी रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर दबाव बनाया जा सके।

पार्टी ने इसे इमरान खान को आजाद करो अभियान नाम दिया है। इमरान की बहन अलीमा खान ने भी मीडिया से कहा कि इमरान ने पीटीआई को निर्देश दिया है कि उनकी या उनकी पत्नी की सुरक्षा को खतरा होने पर मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए।

पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा कि पार्टी का सुलेमान और कासिम से कोई संपर्क नहीं है, लेकिन उन्हें अपने पिता से मिलने का अधिकार है। सुलेमान और कासिम ने एक हफ्ते पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि रिचर्ड ग्रेनेल से मुलाकात की थी। ग्रेनेल ने इमरान खान की गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न करार देते हुए उनकी रिहाई की मांग दोहराई थी। ग्रेनेल ने X पर लिखा था- कैलिफोर्निया (सुलेमान और कासिम) में आपका स्वागत है। सुलेमान और कासिम, आपको मजबूत रहना होगा। दुनिया भर में लाखों लोग राजनीतिक उत्पीड़न से तंग आ चुके हैं। आप अकेले नहीं हैं। यह पहली बार नहीं था जब ग्रेनेल ने इमरान खान का समर्थन किया हो। पहले भी उन्होंने कहा था कि ट्रम्प सरकार के दौरान, जब इमरान खान पाकिस्तान के पीएम थे, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बेहतर रिश्ते थे।

फ्रांसीसी रक्षा कंपनी नेवल ग्रुप में साइबर घुसपैठ भारत के लिए खतरे की घंटी क्यों?

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस की प्रमुख जहाज निर्माता कंपनी नेवल ग्रुप पर हुए बड़े साइबर हमले ने अंतरराष्ट्रीय रक्षा समुदाय के लिए गहरी चिंता पैदा कर दी है। हैकरों ने एक प्रमुख डार्क वेब डेटा लीक फोरम पर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। दावा किया है कि उन्होंने कंपनी का 1 टेराबाइट डेटा तक डेटा हासिल कर लिया, जिसमें पनडुब्बी हथियार प्रणालियों के सोर्स कोड भी शामिल हैं। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि उसे अपने सिस्टम में किसी तरह की घुसपैठ का पता नहीं चला है और वह हैकर के दावे की सत्यता की जांच कर रही है। इस घुसपैठ ने नेवल ग्रुप की परियोजनाओं से जुड़े देशों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है, जिसमें भारत भी शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा को लेकर बोले गहलोत- 'चूक कहां हुई, कोई जवाब नहीं'

राजे और सीएम के दिल्ली दौरे पर भी बोले

बीकानेर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को बीकानेर दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। कांग्रेस के नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में चर्चा को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। साथ ही राज्य सरकार के डेढ़ साल पूरे होने पर गहलोत ने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा खुद बोल रहे है कि यमुना का पानी लाएंगे एग्रीमेंट हो गया है, डीपीआर बन रही है। अगर ऐसा हो गया तो मैं जाकर माला पहनाऊंगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देशवासी चाहते हैं कि 26 लोगों को जो मौत के घाट उतारा था। उसमें चूक कहां हुई, अभी तक कोई जवाब आ नहीं रहा है। चूक कैसे हुई,क्यों हुई और उसके लिए क्या पनिशमेंट दिया गया। ना गृह मंत्री, ना किसी और ने इस्तीफा दिया, एजेंसीज के कोई हेड ने इस्तीफा नहीं दिया तो इसका मतलब कुछ भी नहीं हुआ। जनता जवाब चाहती थी इतनी बड़ी घटना के बाद में आप किन को पनिशमेंट दे रहे हो? और चूक कहां हुई, इसकी इंक्वायरी हुई है क्या? कोई रिपोर्ट नहीं आ रही है और कल जवाब में भी कोई स्पष्ट रूप से बात नहीं आई।

सरकार ने विपक्ष के सवालों का नहीं दिया जवाब- गहलोत

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, गौरव गोगोई ने संसद में बात उठाई लेकिन किसी का भी जवाब नहीं दिया गया। सरकार के पास आंकड़े होते हैं, फैक्चुअल रिपोर्ट उनके पास होती है। देश को बताई नहीं गई। विपक्ष की मांग के बाद भी लोकसभा का सेशन नहीं बुलाया गया। बुला लेते तो उस वक्त देशवासियों के सामने बात आती, जवाब-सवाल होते तो जनता ज्यादा संतुष्ट होती। लोकसभा के अंदर आप पुराना इतिहास बता रहे हैं। आपको जो बड़ी उपलब्धियां थीं, उस पर किसी को गर्व नहीं था। कैसे पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए, बांग्लादेश बन गया , अब उसका शिमला समझौता हुआ क्या गलतियां रही आप ये लीपापोती कर रहे हो।

सवाईमाधोपुर में बाढ़ जैसे हालात, पुलिया टूटने से मध्य प्रदेश से कटा संपर्क

रेलवे स्टेशन पर भी भरा पानी

सवाई माधोपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में भारी बारिश के बाद बाढ़ के हालात पैदा हो गए है। एक तरफ ओघड़ पुलिया बह जाने से सवाई माधोपुर-श्योपुर मार्ग बंद पूरी तरह बंद है। वहीं, रेलवे स्टेशन भी पानी में डूब गया है। शहर में चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग की मानें तो प्रदेश में सर्वाधिक बारिश सवाईमाधोपुर के खंडार में 230 मिलीमीटर दर्ज की गई। सवाई माधोपुर में देर रात शुरू हुआ बारिश का दौर बुधवार सुबह तक जारी रहा है। करीब 6 घंटे तक मूसलाधार बारिश से सड़कें दरिया बन गई। घरों और दुकानों में बारिश का पानी भर गया। शहर में बाढ़ के हालात पैदा हो गए।

रेलवे स्टेशन भी पानी में डूबा

लगातार 6 घंटे चली बारिश के चलते सवाईमाधोपुर में जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कहीं सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित हैं तो सवाईमाधोपुर रेलवे स्टेशन भी बारिश के पानी में डूब गया है। ट्रेन की पटरियां पूरी तरह पानी में डूब जाने के कारण कई ट्रेनों को रोका गया। हालांकि, पानी कम होने के बाद ट्रेनों को धीमी गति से निकाला गया।

राजबाग की टूटी पुलिया से आवागमन बंद, लोग परेशान

झमाझम बारिश के बाद शहर में राजबाग की पुलिया से आवागमन ठप हो गया। बारिश के बाद शहर से परली पार जाने वाले व शहर की ओर आने वाले लोग लटिया लाने में पानी के तेज बहाव के चलते जहां के तहां खड़े रहे। हालात यह है कि क्षतिग्रस्त पुलिया से शहर में परलीपार लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने जिला कलक्टर से टूटी पुलिया की शीघ्र निर्माण कराने की मांग की है।

फिर उफान पर नदी-नाले

मलारना डूंगर में बीते दो दिनों से बारिश के चलते एक बार फिर बनास, मोरेल और निगोह नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे कई लिंक सड़कों और मुख्य मार्गों पर आवागमन बंद है। बुधवार को भी उपखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र में सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। इससे निगोह व मोरेल नदी के संगम समेला रपट पर आवागमन पूरी तरह बन्द हो गया। अब मायापुर व आनंदपुरा तथा गुर्जर टापरीन के लोग समेला से सैनीपुरा तिबारा होकर उपखण्ड मुख्यालय पर पहुंच रहे हैं।

बारिश से मोरेल बांध का ओवरफ्लो बढ़ गया

उधर, जयपुर में हुई बारिश से मोरेल बांध का ओवरफ्लो बढ़ गया। मोरेल में पानी की आवक से निमोद-टिगरिया तथा मायापुर रपट के ऊपर से पानी बहने लगा है।

इससे यहां लोग जान जोखिम में डाल नदी पार कर रहे हैं। बीसलपुर से पानी निकासी होने से मलारना स्टेशन-ओलवाड़ा रोड पर भी आवागमन पूरी तरह बंद है। नदियों का जलस्तर बढ़ने पर प्रशासन भी सतर्क हो गया है। बनास नदी के पास बसे बाढ़ बिलोली, कांटड़ा और श्यामोली के लोगों को बहाव क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई है।

शिक्षक, एलडीसी को बनाया इंजीनियर, कैसे हो स्कूलों के भवनों की सुरक्षा?

शिक्षामंत्री बोले- 'नियम में संशोधन करेंगे'

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद सरकारी स्कूलों के भवनों की सुरक्षा का जिम्मा भले ही समग्र शिक्षा की सिविल शाखा का तो हैं, लेकिन शाखा में सिविल इंजीनियर ही नहीं हैं। स्कूल भवनों की देखरेख की जिम्मेदारी शिक्षक, एलडीसी, प्रयोगशाला सहायक और कृषि अभियंताओं को दे रखी है। दरसअल, डिग्री-डिप्लोमाधारी शिक्षक, एलडीसी, प्रयोगशाला सहायकों को ही इंजीनियर बनाकर सिविल शाखा में लगा लिया। इतना ही नहीं, जब से सिविल शाखा शुरू की गई हैं, तब से ही कृषि विभाग के अभियंताओं को यहां प्रतिनियुक्ति पर ले रखा है। इसके अलावा विभाग में स्वीकृत कुल पदों पर आधे तो अभियंता ही नहीं है और जो भी अभियंता लगे हैं, वे योग्य इंजीनियर नहीं हैं। ऐसे में विभाग की ही कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षामंत्री बोले खेती का काम करने वाले इंजीनियर बने बैठे हैं।

ये तो खेती का काम ही जान सकते हैं। अब हम कैडर बनाएंगे, सिविल इंजीनियर ही डेपुटेशन पर लेंगे। पिछली सरकार ने सिविल और कृषि अभियंताओं को एक मान लिया। अब हम नियम में संशोधन करेंगे।

जैसलमेर में मिला हड़प्पा सभ्यता का नया प्रमाण

मिले व्यापारिक संबंधों के ठोस सबूत

जैसलमेर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पश्चिमी रेगिस्तानी इलाके में पहली बार सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के एक पक्के पुरातात्विक स्थल की खोज हुई है। यह ऐतिहासिक खोज न केवल इस क्षेत्र के अतीत की नई परतें खोलती है, बल्कि सिंधु सभ्यता की सीमाओं और सामाजिक-आर्थिक विस्तार को भी नए सिरे से परिभाषित कर सकती है। यह स्थल जैसलमेर जिले के दूरस्थ इलाके ₹रातड़ी री ढेरी₹ में पाया गया है, जो रामगढ़ तहसील से करीब 60 किमी और पाकिस्तान के संदनावाला से लगभग 70 किमी की दूरी पर स्थित है—वह क्षेत्र जहां पहले हड़प्पा सभ्यता के अवशेष मिल चुके हैं। इस उत्खनन का नेतृत्व पुरातत्वविद् पंकज जगाणी ने किया, और उनके निष्कर्षों की पुष्टि राजस्थान विश्वविद्यालय तथा उदयपुर स्थित राजस्थान विद्यापीठ के विशेषज्ञों द्वारा की गई है।

खुदाई के दौरान क्लासिक हड़प्पा कालीन सांस्कृतिक अवशेष मिले हैं, जिनमें लाल रंग की मृदभांड (रेड वेयर), छिद्रदार मटके, टेराकोटा केक, चर्ट से बने औज़ार, मिट्टी व शंख की चूड़ियां, और एक भट्ठी (किल्न) शामिल है। भट्ठी में केंद्रीय स्तंभ और हड़प्पा स्थापत्य के अनुरूप वेज-आकार की ईंटें पाई गई हैं। राजस्थान विद्यापीठ के पुरातत्वविद् डॉ. जीवन सिंह खड़कवाल के अनुसार, यह एक छोटा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रामीण हड़प्पा स्थल है, जिसकी तिथि लगभग 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व के बीच की मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थल उत्तरी राजस्थान और गुजरात के ज्ञात हड़प्पा स्थलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो सकता है।

रेगिस्तान में हड़प्पा का समृद्ध नेटवर्क

विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थल पर मिली भट्ठी की बनावट कालीबंगन और मोहनजोदड़ो जैसी प्रसिद्ध हड़प्पा साइट्स से मेल खाती है, जो संकेत देती है कि यहां एक उन्नत सामाजिक और आर्थिक ढांचा मौजूद था।

यह खोज बताती है कि आज का निर्जन थार क्षेत्र भी कभी एक समृद्ध ग्रामीण केंद्र रहा होगा, जो व्यापार और कारीगरी के जरिए शहरी हड़प्पा केंद्रों से जुड़ा हुआ था। राजस्थान पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. तमेघ पंवार ने इस खोज को ऐतिहासिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा, यह स्थल ग्रामीण हड़प्पा बस्तियों की कार्यप्रणाली और उनके माध्यम से शहरी केंद्रों से जुड़ने की प्रक्रिया को दर्शाता है।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई

1500 व्यापारियों के बैंक खाते सीज, 25 करोड़ के नोटिस जारी

जोधपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने जोधपुर जोन में टैक्स चोरी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1500 व्यापारियों के बैंक खाते सीज कर दिए हैं। खाते सीज करने से पहले 25 करोड़ रुपए की टैक्स डिमांड जनरेट कर नोटिस जारी किए गए थे। खाते सीज होने के बाद जीएसटी विभाग ने कई खातों से स्वयं ही अपना पैसा ले लिया है। इसमें से 5 प्रतिशत व्यापारी हाईकोर्ट पहुंचे, जिनको स्टे मिलने के बाद बैंक खाते वापस री-ओपन किए गए। विभाग ने यह कार्रवाई 2017 से 2023 के बीच हुई अनियमितताओं के आधार पर की है।

जीएसटी विभाग के अनुसार डिमांड जनरेट होने का सबसे बड़ा कारण व्यापारियों का गलत आइटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) क्लेम कर लाखों रुपए का फायदा उठाना है। रिटर्न में 2-ए और 2-बी में जो क्लेम नहीं बन रहे थे, उनकी भी आइटीसी उठ गई। कुछ मामलों में सप्लायर ने रिटर्न फाइल नहीं किया अथवा सप्लायर का खुद का ही रजिस्ट्रेशन कैंसिल हो गया, इसके बावजूद आइटीसी क्लेम कर ली गई। विभाग ने डेटा एनालिसिस और एआइ (कृत्रिम बुद्धिमता) आधारित सिस्टम से इन गड़बड़ियों का पता लगाया।

आरटीडीसी के निजीकरण का विरोध

पूर्व चेयरमैन राठौड़ बोले- यह सरकारी संपत्तियों को बेचने का प्रयास

अजमेर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम की इकाइयों को निजी हाथों में सौंपने की राज्य सरकार की हालिया योजना का विरोध शुरू हो गया है। पूर्व चेयरमैन और कांग्रेस नेता रामेश्वरलाल राठौड़ ने इस निर्णय को सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने का कुत्सित प्रयास करार दिया है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की पर्यटन पहचान और सांस्कृतिक गरिमा को संरक्षित रखने के लिए आरटीडीसी की स्थापना की गई थी, जो लंबे समय से राज्य में पर्यटन सेवाएं जैसे आवास, भोजन, परिवहन और अन्य सुविधाएं प्रदान करता आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा घोषित पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत संचालन की बजाय, अब इकाइयों को पूरी तरह निजी हाथों में सौंपने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जो कि जनहित के विरुद्ध है।

राठौड़ ने सवाल किया कि जब आरटीडीसी की इकाइयों का संचालन वर्षों तक सफलतापूर्वक सरकारी नियंत्रण में होता रहा है, तो अब सरकार खुद इसका संचालन क्यों नहीं कर सकती? उन्होंने कहा कि सरकारी संचालन पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसामान्य की पहुंच सुनिश्चित करता है, जबकि निजीकरण से सेवाओं में कटौती, शुल्क वृद्धि और आम नागरिकों की पहुंच में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

पूर्व चेयरमैन ने कहा कि आरटीडीसी की संपत्तियां न केवल आर्थिक बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी राज्य की धरोहर हैं। इनका संरक्षण और संवर्धन सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निजीकरण से राजस्थान पर्यटन की वैश्विक छवि प्रभावित हो सकती है। राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील की है कि आरटीडीसी की सभी इकाइयों का संचालन पूर्ववत राज्य सरकार द्वारा ही किया जाए और इन संस्थानों में नवाचार एवं सुधार की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाए, जिससे पर्यटन की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार हो सके।

पुल टूटा, लोग लगे नाचने-गाने, जमकर मनाया जश्न

विरोध का अजब-गजब तरीका देख हर कोई हैरान

भीलवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में हाल ही निर्मित एक पुल गिर गया। पुल गिरने की इस घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन को जगाने और विरोध का अजब-गजब तरीका निकाला। बिना कोई शोर-शराबे या प्रदर्शन किए ग्रामीणों ने अपनी बात इस तरह रखी कि हर कोई दंग रह गया।

भीलवाड़ा के उमेदपुरा गांव के लोगों ने अल्गोजे बजा और ढोल-ताशे की थाप पर लोकगीत गाकर अपनी नाराजगी जताई। इस दौरान पानी और बरसात में ग्रामीण नाच-गाकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में सैंकड़ों लोग शामिल हुए। ग्रामीणों का इस तरह का विरोध प्रदर्शन करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसकी यूजर्स काफी प्रशंसा कर रहे हैं।

डूंगरपुर में एएसआई 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

एसीबी ने थाने में दबोचा

बांसवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में पदस्थ एक सहायक उप निरीक्षक को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी एएसआई जीवतराम पर आपसी विवाद के एक मामले में दो व्यक्तियों को छोड़ने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।

डूंगरपुर एसीबी चौकी प्रभारी राजेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई को एक व्यक्ति ने लिखित में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के अनुसार, चार महीने पूर्व लांबासाडोड़ गांव में हुए आपसी विवाद के मामले में एएसआई जीवतराम ने परिवादी के भाई, भतीजे और एक अन्य को थाने में बंद कर दिया था। बाद में भाई को छोड़ दिया गया, लेकिन भतीजे और तीसरे व्यक्ति को छोड़ने के लिए एएसआई ने 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की।

शिकायत के आधार पर एसीबी टीम ने सत्यापन कर जांच शुरू की, जिसमें यह सामने आया कि आरोपी एएसआई पहले ही परिवादी से 3 हजार रुपए ले चुका था। शेष 5 हजार रुपए की रिश्वत लेने के लिए जब एएसआई ने बुलाया, तो एसीबी ने जाल बिछाया। जैसे ही परिवादी ने थाने में एएसआई को 5 हजार रुपए दिए, तुरंत ही एसीबी टीम ने दबिश दी और जीवतराम को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। पूरी कार्रवाई थाने परिसर में ही की गई। एसीबी टीम आरोपी एएसआई को बुधवार को उदयपुर स्थित भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय में पेश करेगी। मामले की आगे की जांच जारी है।

आमेर में हिट एंड रन हादसा

तेज रफ्तार ट्रक ने 15 वर्षीय किशोर को कुचला, मौके पर मौत; साथी घायल

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर शहर के आमेर क्षेत्र में दर्दनाक हिट एंड रन हादसा हुआ, जिसमें 15 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सुभाष चौक स्थित मोहल्ला पन्नीग्रान निवासी सफान बैग पुत्र जमाल बैग के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सफान अपने रिश्तेदार शरीक के साथ स्कूटी पर सवार होकर आमेर से घर लौट रहा था। जब वे नई माता मंदिर के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शरीक स्कूटी से दूर जा गिरा और घायल हो गया, जबकि सफान ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर आमेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। घायल शरीक को भी नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। आमेर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक सफान के चाचा की ओर से अज्ञात ट्रक और उसके चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि ट्रक और आरोपी चालक की पहचान की जा सके। पुलिस के अनुसार जिस स्थान पर हादसा हुआ है, वहां पहले भी कई बार तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने इलाके में स्पीड ब्रेकर और ट्रैफिक निगरानी की मांग की है। घटना के बाद सफान के मोहल्ले में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने की तैयारी शुरू कर दी है और ट्रक व उसके चालक की तलाश जारी है।

आरएएस परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की करंट लगने से मौत

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के पॉश इलाके बजाज नगर में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 23 वर्षीय आरएएस अभ्यर्थी विकास विश्नोई की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वह केंद्रीय विद्यालय 1 के सामने से गुजर रहा था। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरा हुआ था और स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट आ गया था। जैसे ही विकास पोल के पास पहुंचा, उसे करंट लगा और वह वहीं गिर पड़ा। घटना का वीडियो पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जिसमें युवक करंट लगने के बाद पानी में गिरकर बहता नजर आ रहा है। बजाज नगर थाना पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने विकास को बहते देखा और तुरंत जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विकास मूल रूप से सांचौर के राजीव नगर का रहने वाला था और पिछले 5 साल से जयपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। उसने हाल ही में बी.एड. पूरी की थी और अब आरएएस परीक्षा की तैयारी में जुटा था।

भीलवाड़ा में तस्कर और पुलिस के बीच भिडंत

गाड़ी के टायर में लगी गोली तब भी भाग निकले

भीलवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में डोडा चूरा के तस्कर और पुलिस के बीच फायरिंग का घटनाक्रम सामने आया है। यह पूरी वारदात मांडल के बाजार में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बिना नंबर के काले रंग के थार वाहन में डोडा चूरा भरकर तस्करी की जा रही है। इस पर पुलिस ने प्रमुख मार्गों पर नाकाबंदी कर दी। इसके बाद एक थार वाहन नाकाबंदी तोड़ते हुए फरार हो गया।पुलिस ने तत्काल वायरलेस पर सूचना प्रसारित की, जिस पर मांडल थाना पुलिस हरकत में आई।

मांडल थाना प्रभारी विक्रम सिंह के अनुसार, नाकाबंदी से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर एक मोड़ पर थार फंस गई। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी और कांस्टेबल महावीर ने तस्करों को रोकने की कोशिश की। पुलिस जवान ने गाड़ी के ड्राइवर की ओर से विपरीत दिशा में बैठे व्यक्ति की खिड़की का शीशा गन से तोड़ते हुए रुकने का इशारा किया। स्थिति तनावपूर्ण होते देख पुलिस ने वाहन के टायर पर भी गोली चलाई, लेकिन तस्कर किसी तरह थार को निकालकर भागने में कामयाब हो गए।

तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए थार को गांव की संकरी गलियों में घुसा दिया। इस दौरान वे भीम रोड की तरफ भाग निकले। पीछा करते समय पुलिस को रास्ते में थार से फेंके गए तीन कट्टे दिखाई दिए, जिनमें से एक कट्टा में कुल 8 किलो 690 ग्राम डोडा चूरा पाया गया। पुलिस के अनुसार तस्करी में प्रयुक्त थार बिना नंबर की थी, जिससे वाहन और तस्करों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

रामदेवरा जा रहे जातरुओं से भरा ट्रैक्टर पलटा

एक वृद्धा की मौत, 10 घायल, ट्रैक्टर में 28 लोग थे सवार

राजसमंद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सावन माह के चलते हर वर्ष की भांति इस बार भी करीब डेढ़ महीने तक श्रद्धालुओं का जत्थों में पैदल, बसों तथा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बैठकर रामदेवरा जाने का सिलसिला जारी है। प्रशासन द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर यात्रा करने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाए जाने तथा अधिकांश ट्रैक्टरों के वैध कागजात नहीं होने के बावजूद हर साल बड़ी संख्या में लोग जोखिमभरी यात्रा करते हैं। इसके बावजूद न तो सतर्कता बढ़ाई जा रही है और न ही पुलिस व प्रशासन इन पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 2007 की देसूरी घाटी दुर्घटना आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, इसके बावजूद लापरवाही का दौर थम नहीं रहा। इसी क्रम में एक और हादसा हो गया। रामदेवरा की ओर जा रहा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चारभुजा-पडासली मार्ग स्थित मोराना घाटी में पलट गया। ट्रैक्टर चालक ने मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। इस हादसे में एक वृद्धा की मृत्यु हो गई तथा 10 लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ट्रॉली में 28 लोग सवार थे। सभी यात्री मध्यप्रदेश के जिला सीहोर, तहसील आसता स्थित गांव खजुरिया कासम के निवासी थे। वे चार दिन पूर्व अपने गांव से रामदेवरा दर्शन के लिए रवाना हुए थे और सोमवार रात चारभुजा के समीप मोराना विद्यालय में रुके थे। पुनः यात्रा शुरू की गई थी, लेकिन पांच मिनट बाद ही मोराना घाटी में यह हादसा हो गया।

मोबाइल फ़ोन छीनने वाला गिरोह पकड़ा गया

3.5 लाख की लूट का माल बरामद

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस के जवानों ने आज निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर मोबाइल फ़ोन छीनने और चोरी करने वाले एक कुख्यात गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया। चोरी की गई संपत्ति, जिसमें दो मोटरसाइकिलें और आठ मोबाइल फ़ोन शामिल हैं, जिनकी कीमत 3.5 लाख है, बरामद की गई। सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण, तकनीकी निगरानी और संदिग्ध डेटाबेस के सत्यापन सहित गहन जाँच के बाद मामले का खुलासा हुआ। 27 जुलाई, 2025 को 1600 बजे, चिंतल, कुतुबुल्लापुर मंडल की डी. अखिला से एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें कहा गया कि 27 जुलाई को लगभग 1500 बजे अपना काम पूरा करने के बाद, वह अपने छात्रावास जा रही थी और फोन पर बात करते हुए शाहपुर नगर बस स्टॉप की ओर जा रही थी और सुभम होटल के पास पहुँचने पर, दो अपराधी उसके पीछे से एक काले रंग की बाइक पर आए और उसे जबरन धक्का दिया और उसका फोन छीन लिया और उनकी टक्कर के कारण उसके बाएं कान में चोट आई। उसने कहा कि उसने उस व्यक्ति की पहचान की जो लाल रंग की शर्ट पहने बाइक का पीछे सवार था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में, जीडीमेटला पीएस की टीमों ने संभावित भागने के रास्तों को कवर करते हुए सीसीटीवी कैमरों से फुटेज का विश्लेषण किया। ज्ञात अपराधियों के साथ कार्यप्रणाली का मिलान करके और संदिग्ध रिकॉर्ड की पुष्टि करके, आरोपियों की सफलतापूर्वक पहचान की गई और उन्हें पकड़ लिया गया। वरुण, शिवा, नरेश, कुमार और वेंकट नाम के आरोपी शाम के समय मेट्रो स्टेशन, विज्ञानपुरी कॉलोनी, संगीत नगर, कुक्टपल्ली और जगदगिरिगुट्टा बस स्टॉप के पीछे खुले इलाकों में नियमित रूप से इकट्ठा होते थे और शराब व गांजा पीते थे। नशे में धुत होकर, वे कुकटपल्ली, जीडीमेटला, माधापुर, जेएनटीयू, प्रशांत नगर और मूसापेट इलाकों में चोरी करने, लोगों से मारपीट करके जबरन मोबाइल फोन छीनने, वाहन चोरी और सामान्य चोरियाँ करने के इरादे से घूमते थे। यह मामला बालानगर डिवीजन के एसीपी पी. नरेश रेड्डी की प्रत्यक्ष निगरानी में दर्ज किया गया।

फर्जी वाहन पंजीकरण और बीमा प्रमाणपत्र बनाने वाले दो गिरोह गिरफ्तार

वारंगल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स ने हनमकोंडा, मिल्स कॉलोनी और केयूसी पुलिस के साथ मिलकर आरटीए अधिकारियों के साथ समन्वय करके फर्जी वाहन पंजीकरण और बीमा प्रमाण पत्र बनाने में शामिल दो गिरोहों से जुड़े 15 लोगों को गिरफ्तार किया, जिससे राज्य के खजाने को नुकसान हुआ।

मामले का खुलासा करते हुए सेंट्रल जोन के डीसीपी शेख सलीमा ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से छह डेस्कटॉप कंप्यूटर, दो लैपटॉप, दो थर्मल प्रिंटर, 17 मोबाइल फोन, कंप्यूटर की के साथ पीवीसी कार्ड और कार्ड प्रिंटिंग के लिए आवश्यक उपकरण जब्त किए हैं।

एमडी आसिफ कुरेशी, वडलाकोंडा श्रीनिवास, एमडी नवाब, एमडी साबिर, एम प्रभाकर रेड्डी, गुग्गिला चेरी बाबू, केशोजू राजकुमार उर्फ डीएल राजू, एमडी आसिफ, अंकम श्रीनिवास, गोनेला रमेश उर्फ वाग्देवी रमेश, एन शशिवर्धन, नारीसेट्टी राजेश, थांडा दिलिव कुमार, मुज्जिगा ओमप्रकाश और मुसीपटला अक्षय कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

श्री शिव महापुराण कथा हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकैब) द्वारा श्रावण मास के अवसर पर 13 से 17 अगस्त तक गगन पहाड स्थित पूरन सन्स फार्म्स में श्री शिव महापुराण कथा हेतु भूमि पूजन किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले भक्तों को कथा का रसपान करायेंगे।

आज यहां भूमि पूजन पं.वंशमणि शास्त्री के आचार्यत्व में भूतड़ा परिवार के ब्रिजगोपाल-दीपाली, गौरव, अलोक भूतड़ा द्वारा किया गया। उपरोक्त जानकारी भूतड़ा परिवार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी गई। आगे बतलाया गया कि शिव महापुराण कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जो कथा के माध्यम से न केवल भक्ति रस का संचार करते हैं बल्कि अपनी कथा के माध्यम से शिवलिंग पर विभिन्न वस्तुओं से किये जाने वाले अभिषेकों से होने वाले स्वास्थ्य एवं समृद्दि के बारे में भी ज्ञान देते हैं।

भाग्यनगर की धरा पर लोगों के भाग्य को चमकाने के लिए पं.प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण कथा आगामी 13 से 17 अगस्त तक होगी जिसके लिए पूरन सन्स फार्म्स में 2,50,000 वर्ग फीट का वाटप्रूफ पंडाल तैयार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक संख्या में भक्त कथा का लाभ ले सकें। पार्किंग की भी व्यापक व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर रामअवतार भूतड़ा, श्यामसुन्दर भूतड़ा, श्यामसुन्दर मालपाणी, गोविन्द राठी, श्रीगोपाल डोडिया, पवन भांगडिया, अनुप जाखोटिया, मयंक तोषनीवाल, अनुप चाण्डक, रमेश बंग, कैलाश डालिया, नरेन्द्र सुगंधी, बंकट भाटी, सुधाँसु सुगंधी, राजेन्द्र राठी, लालचन्द भांगडिया, पुरुषोत्तम बांगड़, कमल तोषनीवाल, अनिल तोषनीवाल, सूरज भांगडिया, सत्यनारायण भांगडिया, राजेन्दर राठी, शंकरलाल अग्रवाल, सुधीर शाह, रमेश असावा, सुरेन्दर बजाज, रवि हेडा, सुमीत राठी, राजेश करवा, मनीष अग्रवाल, महेन्दर अग्रवाल, राजेन्दर दरक, दीपक बंग आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे । कथा आयोजक ने सभी से इस दिव्य अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ-09-ओटी-25-26, दि.28-07-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.22-08-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.-एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-09-ओटी-25-26 दि.28-07-2025 कार्य विवरणःविजयवाडा डिवीजनः सिग्नल एण्ड टेलिकाम विभागः टेट्टु(टीटीयु) से जुडे एसएण्डटी कार्यः आरपीडीसी लि. के लिए बीजेडए डिवीजन एससी रेलवे के टेट्टू रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करने (टेक आफ) से संबंधित रामायपट्नम पर ग्रीनफील्ड पोर्ट के लिए प्रस्तावित रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर अथवा अवसंरचना व्यवस्था कार्य। निविदा मूल्यःरु.6,2%,81,626.46 पैसे पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.4,63,900.00 केवल आनलाइन या बिड सेक्युरिटी के माध्यम से ही, सीटीबीः रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः365 दिन, बंद करने की तिथि व समयः 22-08-2025 के 15.30 बजे

1.वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा नियम शर्तें/अन्य विवरण जैसे कार्य विवरण,उपरोक्त कार्य के तत्समान स्वभाव के कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि उपलब्ध है। 2. भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। 3. विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल एण्ड टेलिकाम) कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा में रखे हुए नोटिस बोर्ड पर, निविदा सूचना प्रदर्शित की गयी है। 4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा।

हमारे साइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (एसएण्डटी), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं. एसएण्डटी/13/2025 दि.29-07-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता(रखरखाव) दक्षिण मध्य रेलवे, गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.22-08-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1 निविदा सं. 01-एसएनटी-13-2025 कार्य विवरण(सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य) -दक्षिण मध्य रेलवे-गुण्टकल डिवीजन-इडीडी(मिलाकर)-डीएचएनइ-बीइवाय(मिलाकर) सेक्शन (कुल-8 स्टेशन्स तथा 4 एलसीज)--आरडीएसओ/आरडीपीएम/एफआरएस/2021 , दि.6-5-2021 नुसार, रिमोट डायग्नोस्टिक एण्ड प्रिडिक्टिव मेनटेनेन्स सिस्टम (आरडीपीएमएस) का प्रावधान तथा एस्सेट्स मेनटेनेन्स एण्ड मैनेजमेन्ट के लिए एनालिटिक्स का प्रावधान। 4-रोड स्टेशनः एददुलादोड्डी, रंगापुरम,बेतमचेर्ला, बुग्गनीपल्ले 5-रोड स्टेशनः पेन्डेकल्लु, मल्लीयाला, मलकापुरम 6 रोड स्टेशनः धोने मिड़ सेक. एलसी गेट्सः एलसी नं.141, 149, 161, 162 कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य रु.7,11,97,538.70, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.5,06,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

क्रम सं. 2 निविदा सं. 02-एसएनटी-13-2025 कार्य विवरण(सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य) -गुण्टकल डिवीजन में आटो फ्युज चेंज ओवर सिस्टम्स एण्ड डिजीटल इएलडीज के प्रावधान के लिए, रिलायेबिलीटी इम्प्रूवमेन्ट वर्क्स या विश्वसनीयता सुधार कार्य सहित सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य रु.5,18,74,772.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.4,09,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

क्रम सं. 3 निविदा सं. 03-एसएनटी-13-2025 कार्य विवरण(सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य) -गुण्टकल डिवीजन में रिलाएबुल सिग्नलिंग के लिए एर्थिंग तथा सर्ज प्रोटेक्शन सिस्टम्स का मजबूतीकरण करना। कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य रु.5,96,44,981.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.4,48,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

यदि निविदाएं खोलने की तिथि को अवकाश घोषित रहता है तो, निविदाओं उसके अगले कार्य दिवस में तत्संबंधित निर्धारित समय पर खोला जायेगा। यह आफर, निविदा खोलने की की तिथि से लेकर 60 दिनों तक वैध रहेगा।उपरोक्त निविदा सूचना के लिए, यदि आवश्यक होनेपर, शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग के लिए कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

A1132 वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, रखरखाव, गुण्टकल

निविदा शर्ते/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे और जीएचएमसी अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों के बीच जीएचएमसी क्षेत्र में समपार फाटकों को हटाने और अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। डॉ. आर. गोपालकृष्णन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, के. मुत्याला नायडू, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे और आर.वी. कर्णन, आयुक्त, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने बुधवार को संचालन भवन, सिकंदराबाद में आयोजित बैठक में भाग लिया। एससीआर और जीएचएमसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया। जीएचएमसी क्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग (एल.सी.) को हटाना जीएचएमसी और रेलवे के बीच चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। ये एल.सी. दोनों संगठनों के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, यातायात की भीड़भाड़ में योगदान करते हैं और ट्रेन सुरक्षा से समझौता करते हैं। बैठक के दौरान, जीएचएमसी सीमा के भीतर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के माध्यम से इन एल.सी. को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान, अधिकारियों ने हैदराबाद यार्ड, मौला-अली यार्ड और हाफिजपेट यार्ड में लंबित जल निकासी समस्याओं पर भी चर्चा की, जहाँ रेलवे पटरियों पर सीधे नाले का पानी छोड़े जाने से मानसून के दौरान पटरियों पर पानी भर जाता है। इससे ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को खतरा होता है। इन स्थानों का निरीक्षण करने और इस समस्या को कम करने के लिए आवश्यक उपाय करने का संयुक्त रूप से निर्णय लिया गया। जीएचएमसी सीमा के भीतर कई रोड ओवर ब्रिज (आरओबी)/रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण कार्य - जैसे रानीगंज आरयूबी, सनतनगर आरयूबी, फतेहनगर में अतिरिक्त आरओबी, गुंडलापोचंपल्ली में आरयूबी और मलकाजगिरी में आरयूबी - वर्तमान में भूमि अधिग्रहण और उपयोगिता स्थानांतरण में देरी के कारण रुका हुआ है, जो जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया गया कि जीएचएमसी इन मुद्दों के समाधान में तेजी लाएगा और कार्य शुरू करने के लिए स्थल स्वीकृति प्रदान करेगा।

अंतरराज्यीय आयुर्वेदिक झोलाछाप गिरोह का भंडाफोड़

आदिलाबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने आयुर्वेदिक झोलाछाप डॉक्टरों के एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया और कर्नाटक से आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया, जो हर्बल उपचार के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। उनके पास से छह मोटरसाइकिलें, 15 मोबाइल फोन और 15,000 रुपये नकद बरामद किए गए। एक और आरोपी फरार है। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन के अनुसार , गिरफ्तार किए गए लोगों में शेखर, पेंद्रे कुमार, कोडंगल अमरेश, गोलार अनाद, यालिगर हज़रत और अनिल कुमार शामिल हैं, जो सभी कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों से हैं। एक मुख्य आरोपी कुमार उर्फ बाबा अभी भी फरार है।

पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने जल्दी पैसा कमाने के लिए कुमार के नेतृत्व में गिरोह बनाया था। वे आदिलाबाद शहर के निजी और सरकारी, दोनों अस्पतालों में आने वाले मरीजों को आयुर्वेदिक चिकित्सक बताकर निशाना बनाते थे। गिरोह आयुर्वेदिक हर्बल दवाइयाँ बताकर काढ़े बेचता था और बेखबर मरीज़ों से 5,000 से 10,000 रुपये तक वसूलता था। कुमार खुद को एक योग्य आयुर्वेदिक डॉक्टर बताता था और झूठे नुस्खों के ज़रिए पीड़ितों का विश्वास जीतता था। गिरोह मरीज़ों से संपर्क करने, उनके घर जाने और फ़र्ज़ी पहचान के तहत पंजीकृत सिम कार्ड का इस्तेमाल करने के लिए मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल करता था।

पुलिस ने बताया कि गिरोह फिर पैसे आपस में बाँट लेता था। आरोपियों के खिलाफ आदिलाबाद आई टाउन थाने में पाँच और मावला थाने में दो मामले दर्ज हैं। फरार कुमार को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। एसपी महाजन ने मामले को सुलझाने में किए गए प्रयासों के लिए आदिलाबाद आई टाउन पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बी सुनील और एसआई नागनाथ की सराहना की।

100% धमाका ऑफर सेल" के चौथे दिन उमड़ा विश्वास और उत्साह - शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स बना आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद,, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स द्वारा आयोजित धमाका ऑफर सेल के चौथे दिन ग्राहकों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली। सुबह से ही शो रूम में ग्राहकों की निरंतर आवाजाही रही और माहौल पूर्णतः उत्सवमय बन गया।

22 कैरेट शुद्ध सोने की ज्वेलरी पर मिल रहे 100% धमाका लाभ ने सभी आयु वर्ग के ग्राहकों को आकर्षित किया। विशेष रूप से लाइट वेट ज्वेलरी की खूब मांग रही। अनेक महिलाओं ने दैनिक उपयोग के गहनों के साथ-साथ खास मौकों के लिए भी खरीदारी की।

शो रूम में सिर्फ हैदराबाद ही नहीं, बल्कि विजयवाडा, परभणी, शोरापुर और तांडूर जैसे दूरस्थ शहरों से भी ग्राहकों का लगातार स्वागत हुआ।

खास बात यह रही कि 75 से अधिक ऐसे परिवार आए, जिनके यहां आगामी सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में विवाह के आयोजन हैं। कई परिवारों ने एडवांस बुकिंग भी करवाई।

ग्राहकों ने डायमंड सेट्स, बच्चों की रेंज, और गिफ्टिंग कलेक्शन में भी गहरी रुचि दिखाई। एक महिला ग्राहक ने कहा - इतनी वैरायटी और इतने शानदार दाम, यह मौका मिस नहीं किया जा सकता।

संस्थान के डायरेक्टर श्री गौतम सेहलोत ने बताया, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स को मिला यह प्यार हमारे गुणवत्ता और सेवा के प्रति समर्पण का परिणाम है।

नाग पंचमी पर 6 साँपों को बचाया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नाग पंचमी के दिन ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स) और पीएफए (पीपुल्स फॉर एनिमल्स) ने 6 साँपों (शालीबंडा से 3 , हुसैनी आलम से 1 और मंगलहाट से 2) को बचाया है।

इन्हें शालीबंडा , गौलीपुरा, हुसैनी आलम, दूध बावली, जियागुड़ा, मुसाबावली और मुगलपुरा के इलाकों में सपेरों के पास से पकड़ा गया। पकडे गए सांपों का इलाज डॉ. विश्व चैतन्य द्वारा किया जा रहा है और इनके ठीक होने के बाद हम इन्हें वापस जंगल में छोड़ देंगे।

सांप बचाव अभियान में मदद करने वाले 35 स्वयंसेवको में सुरेंद्र भंडारी, डी. जोशी, दिनेश आंचलिया , सौधर्म भंडारी , पंकज गुप्ता, तकी अली, प्रफुल्ल, निखिल, सिद्धम, अक्षय, अजय, फ़राज़, पीयूष, दीपक, अक्षत, शुभम, दीपेश, अखिल, ताहर, धार्मिक, यश, टिल्लू, सौरभ, दीपेश, अहसान और सिब्तैन एवं अन्य उपस्थित रहे ।

पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से भेंट की

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रतिनिधियों प्रदीप अग्रवाल तथा गोपाल सिंह ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट कर उन्हें पित्ती ट्रस्ट एवं सेवा दल द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में राज्यपाल के निर्देशानुसार विकलांग बंधुओं के लिए इन्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी हैदराबाद ब्रांच, डिसेबल फाउंडेशन तथा महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में विकलांग बंधुओं का सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार दवाइयाँ, चश्में, बैसाखियाँ, कैलीपर, ट्राईसाइकिल आदि निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। आवश्यक होने पर उनका निःशुल्क ऑपरेशन भी करवाया जाएगा। इस अवसर पर इन्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी हैदराबाद ब्रांच के चेयरमेन मामिडी भीम रेड्डी, डिसेबल फाउंडेशन के चेयरमेन डॉक्टर विजय भास्कर तथा डॉक्टर कीर्तन यादव भी उपस्थित थे।

बच्चों को कार से पहले दीजिए संस्कार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत चन्द्रप्रभ जी ने कहा कि जो बच्चों को केवल जन्म देते हैं और भाग्य भरोसे छोड़ देते हैं वे सामान्य दर्जे के माँ-बाप होते हैं, जो बच्चों को जन्म के साथ सुविधाएँ एवं संपत्ति भी देते हैं वे मध्यम दर्जे के माँ-बाप होते हैं, पर जो बच्चों को जन्म और संपत्ति के साथ संस्कृति और संस्कार भी दिया करते हैं वे ही उत्तम दर्जे के माँ-बाप कहलाते हैं। हम बच्चों को कार जरूर दें, पर कार से पहले संस्कार दें।

संस्कार रहेंगे तो परिवार में सदाबहार खुशियाँ रहेंगी अन्यथा खुशियों को ग्रहण लगते वक्त नहीं लगेगा।

वे बुधवार को एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित घर में कार से पहले लाएं संस्कार विषय पर प्रवचन दे रहे थे। इंसान वैसा ही बनता है जैसा उसे साहचर्य एवं संस्कार मिलता है। गंदगी का भी अगर खाद के रूप में उपयोग किया जाए तो वह फूल में सुगंध पैदा करने का आधार बन जाती है। कोई बड़ा होकर महावीर बनेगा या हिटलर, कोई गाँधी बनेगा या गोडसे, कोई ओसामा बनेगा या ओबामा, यह उसे दिये गए संस्कारों पर निर्भर करेगा। अगर हम अपने बच्चों के मोह में अंधे धृतराष्ट बन जाएँगे तो वे दुशासन और दुर्योधन जैसे निकल जाएँगे और उनके संस्कारों के प्रति सावधान रहेंगे तो वे राम-कृष्ण-महावीर-बुद्ध जैसे बन जाएँगे।

संतप्रवर ने कहा कि हमारे माता-पिता ने हमें बचपन में ही संत बना दिया था। इसलिए देने के नाम पर उन्होंने हमें विशेष कुछ न दिया, पर उन्होंने हमें उत्तम संस्कार दिए, अच्छे और ऊँचे लोगों से पढ़वाया परिणाम आज हम लोगों के लिए आदर्श बन पाने में सफल हुए हैं। हमारे पास न तो कोई सम्प्रदाय है, न पंथ-परम्परा है, न चेले-चपाटों की फौज है फिर भी देशभर में हमें बड़े प्रेम से पढ़ा और सुना जाता है।

संतप्रवर ने घटते संस्कारों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले पचास सालों में भारत में समृद्धि तो खूब बढ़ी, पर हमने संस्कारों पर ध्यान देना छोड़ दिया परिणाम वे घटते चले गए। संस्कारों पर ध्यान न देने की वजह से ही परिवार और रिश्ते टूटते जा रहे हैं। अगर यही स्थिति रही तो पच्चीस सालों के बाद गली-गली में वृद्धाश्रम खुल जाएँगे। आजकल संतों को यह कहना पड़ता है कि माँ-बाप की सेवा करो, भाई होकर भाई के काम आओ। हम राम या महावीर बन पाएँ तो अच्छी बात है, पर कम-से-कम श्रवणकुमार तो बन ही जाएँ।

उन्होंने कहा रावण के पास सब कुछ था, पर विनम्रता नहीं थी इसलिए वह लोगों के दिलों में जगह न बना पाया, पर राम के पास विनम्रता थी, सो वे भगवान बन गए। बच्चे इसलिए कहना नहीं मानते क्योंकि हम उन्हें पहले ही माथे चढ़ा देते हैं। इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी बडेर हॉल मे स्व.श्री चतरारामजी सोलंकी की श्रद्धांजलि सभा में पुष्प अर्पित करते हुए रामलाल, जसाराम, रमेशकुमार, ताराराम, दिनेश, किरण, श्रवण सोलंकी । सीरवी समाज के गणमान्य मोहनलाल हाम्बड़, नारायणलाल काग, खंगारसिंह लचेटा, जसवन्त देवड़ा, प्रकाश आगलेचा, जगदीश सोलंकी, भँवरलाल सीरवी व समाज बन्धु ।

केबीआर पार्क इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में भक्तों ने भाग लिया। भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा पद्मा किरण माया अग्रवाल विजया रानी दुर्गा रानी संध्या रानी अग्रवाल विजया अशोक लाखोटिया सुभाष अग्रवाल भोजरेड्डी पीसी जैन विजय अग्रवाल प्रवीण अग्रवाल प्रमोद कुमार अग्रवाल किशन दास डागा विट्ठलदास अग्रवाल आदि थे।

कलेक्टर ने इन्द्रम्मा आवास का निरीक्षण किया

मदनूर, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अधिकारी आशीष सागवान ने मदनूर मंडल हंडे कल्लूर गांव के इन्द्रम्मा मकान का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पंचायत सचिवों को शत-प्रतिशत चिन्हांकन करने के निर्देश दिए गए। एमपीडीओ को इंदिराम्मा आवासों के निर्माण में रेत की कमी की निरंतर निगरानी करने और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने में लाभार्थियों का सहयोग करने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डब्ल्यूसीएल 2025: भारत-पाक सेमीफाइनल मैच से पहले स्पॉन्सर कंपनी हटी

आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं हो सकते; पहला मैच भी रद्द हुआ था

बर्मिंघम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियंनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का पहला सेमीफाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच 31 जुलाई को खेला जाना है। इस मैच से पहले लीग को बड़ा झटका लगा है। सेमीफाइनल मैच से पहले लीग की स्पॉन्सर कंपनी हट गई है।

स्पॉन्सर कंपनी ने यह फैसला पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर लिया है। उनका कहना है कि आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होना वाला सेमीफाइनल मुकाबला होगा कि नहीं इस पर संशय बना हुआ है। इससे पहले भारत-पाकिस्तान का पहला मैच भी रद्द हो गया था।

ईजमाई ट्रिप भारत के साथ

ईजमाई ट्रिप के को-फाउंडर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, हम वर्ल्ड चैंपियंनशिप ऑफ लीजेंड्स में टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। आपने पूरे देश का गौरवान्वित किया। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है, आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। उन्होंने आगे कहा, कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।

भारत-पाकिस्तान का मैच हो चुका है रद्द

इससे पहले 20 जुलाई को भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ियों ने डब्ल्यूसीएल 2025 के लीग मुकाबले में पाकिस्तान से खेलने के इनकार कर दिया था। जिसके बाद इस मैच को रद्द कर दिया गया था। इसके बाद डब्ल्यूसीएल के आयोजकों ने भारतीय फैंस के माफी भी मांगी थी।

डब्ल्यूसीएल की स्पॉन्सर कंपनी ने भी इस मैच से हटने की बात कही थी

वहीं डब्ल्यूसीएल को स्पॉन्सर करने वाली ट्रैवल-टेक कंपनी ईजमायट्रिप ने भी इस मैच से हटने की बात कही थी। कंपनी ने कहा कि दो साल पहले डब्ल्यूसीएल के साथ पांच साल के प्रायोजन करार के बावजूद, वे पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच से नहीं जुड़ेंगे। ईजमायट्रिप ने कहा कि वे भारतीय चैंपियंस का समर्थन करते हैं, लेकिन पाकिस्तान वाले किसी भी मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे। कंपनी ने X पर लिखा,'हमारी स्थिति हमेशा स्पष्ट रही है। हम भारतीय चैंपियंस के साथ हैं, लेकिन पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। भारत पहले, हमेशा।

लीजेंड्स वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम

युवराज सिंह (कप्तान), शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा (विकेटकीपर), अंबाती रायडू, गुरकीरत सिंह मान, सुरेश रैना, यूसुफ पठान, इरफान पठान, स्टुअर्ट बिन्नी, विनय कुमार, हरभजन सिंह, पीयूष चावला, सिद्दार्थ कौल, अभिमन्यु मिथुन और वरुण आरोन।

आईसीसी रैंकिंग- अभिषेक शर्मा पहली बार नंबर-1 टी-20 बैटर बने

टेस्ट में पंत सातवें नंबर पर आए; जडेजा लगातार 177 हफ्ते से नंबर-1 ऑलराउंडर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के अभिषेक शर्मा बुधवार को जारी वीकली ICC रैंकिंग में टी-20 के नंबर-1 बैटर बन गए हैं। वे विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के बाद नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचने वाले तीसरे भारतीय बैटर बने हैं।

अभिषेक के 829 अंक हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते एक भी टी-20 नहीं खेला है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वां टी-20 मैच नहीं खेले थे, इससे उनके अंक गिरकर 814 हो गए। इससे अभिषेक नंबर-1 पोजिशन पर आ गए और हेड दूसरे पर खिसक गए।

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में चोट के बावजूद फिफ्टी बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 776 अंक के साथ ICC टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में आठवें से सातवें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लिश बैटर जो रूट इस लिस्ट में टॉप पर कायम हैं।

टेस्ट बॉलर्स की लिस्ट में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इधर रवींद्र जडेजा लगातार 177 हफ्तों से नंबर-1 ऑलराउंडर बने हुए हैं।

रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 150 रन की पारी खेलकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर अपनी बढ़त कायम रखी है। ओल्ड ट्रैफर्ड मुकाबले के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा और टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत एक स्थान के फायदे के साथ एक स्थान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने चोट के बावजूद मैनचेस्टर टेस्ट में अर्धशतक लगाया था। ओपनर यशस्वी जायसवाल को तीन स्थान का नुकसान हुआ है, वे आठवें स्थान पर आ गए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में नाबाद 107 रन की पारी खेलकर मैच ड्रॉ करने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ऑलराउंडर्स रैंकिंग के टॉप पर कायम हैं। उनके पास 422 रैंकिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स (301 अंक) को तीन स्थान का फायदा हुआ। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को एक-एक अंक का नुकसान हुआ है।

बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज

टेस्ट गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज के रूप में अपनी बढ़त बनाए हुए हैं।

व्हीलचेयर पर पहुंचने तक खेलूंगा

भारत-पाक सेमीफाइनल के रोमांच में शोएब मलिक ने लगाई 'आग'

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला कहीं भी हो, किसी भी खेल में हो, किसी भी लेवल पर हो, उसके रोमांच में तड़का लगता ही है. और, पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज शोएब मलिक ने जो कहा है, उसके बाद रोमांच में तड़का नहीं पूरी आग ही लग गई है. ऐसा इसलिए क्योंकि शोएब मलिक ने बात ही कुछ ऐसी कर दी है. WCL 2025 में 31 जुलाई को होने वाले भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से पहले शोएब मलिक ने कहा है कि वो व्हीलचेयर पर पहुंचने तक क्रिकेट खेलेंगे.

शोएब मलिक ने दिया जबरदस्त बयान

पाकिस्तान चैंपियंस ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को हराते हुए डब्ल्यीसीएल 2025 के सेमीफाइनल का टिकट कटाया है. उसी मुकाबले के बाद शोएब मलिक का दिया बयान अब आग की लपटों की तरह तेजी से फैल रहा है. शोएब मलिक ने भारत से होने वाले सेमीफाइनल से पहले कहा क्या, आइए उसे

डिटेल में जानते हैं.

पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज शोएब मलिक ने इंडिया चैंपियंस से होने वाले सेमीफाइनल से पहले जो बयान दिया है, वो उस मुकाबले से ज्यादा उनके अंदर समाए क्रिकेट के जुनून को लेकर है. उन्होंने कहा कि मैं अच्छा खाना खाता हूं. अच्छी नींद लेता हूं और अच्छे से हेल्दी भी रहता हूं. मुझे अभी भी मैदान पर वापस आने में मजा आता है और मुझे क्रिकेट से प्यार है. यही मेरी फिटनेस का राज है. मैं तब तक क्रिकेट खेलता रहूंगा, जब तक मैं व्हीलचेयर पर नहीं पहुच जाता.

क्रिकेट को लेकर क्रेजी हैं शोएब

क्रिकेट को लेकर शोएब मलिक के क्रेज पर किसी को डाउट नहीं है. ऐसा नहीं होता तो वो 557 टी20 मैच नहीं खेल जाते. इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद भी लीग क्रिकेट में शोएब मलिक का जलवा बरकरार है. टी20 क्रिकेट के इतिहास में शोएब मलिक अब तक चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. उन्होंने 557 मैचों की 515 पारियों में 13,571 रन बनाए हैं, शोएब मलिक 43 साल के हो गए हैं. लेकिन, उनके T20 मैचों के खेलने और उसमें रनों के बनाने का सिलसिला अभी भी जारी है. और, जैसा उन्होंने कहा भी कि ये शायद वाकई तब तक बरकरार रहेगा जब तक कि वो थककर चूर ना हो जाएं. फिलहाल, उनमें थकान नहीं बल्कि भारत के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर ललकार दिख रही है.

शुभमन गिल को एक टेस्ट मैच खेलने के मिलते हैं 45 लाख?

5 साल में 300% का हुआ इजाफा

खेल डेस्क, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शुभमन गिल इस वक्त इंग्लैंड में अपनी टेस्ट कप्तानी के पहले इम्तिहान पर हैं, जिसमें वो खरे भी उतरते दिखे हैं. कप्तान बनने के बाद इंग्लैंड में ना सिर्फ शुभमन गिल की बल्लेबाज का रिकॉर्ड बेहतर हुआ है बल्कि उनकी कप्तानी में टीम इंडिया नया इतिहास लिखते और बुनते भी दिख रही है. पर क्या आप ये जानते हैं कि शुभमन गिल को एक टेस्ट मैच खेलने के कितने पैसे मिल रहे हैं? ये सवाल इसलिए क्योंकि बीते 5 साल में गिल को मिलने वाली टेस्ट मैच की फीस में 300 प्रतिशत का इजाफा हुआ है.

5 साल में बदल गई शुभमन गिल की टेस्ट मैच फीस

शुभमन गिल का टेस्ट डेब्यू साल 2020 में हुआ था. और, साल 2025 में वो टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान बन चुके हैं.

टीम के एक नए खिलाड़ी से कप्तान बनने तक शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट के अंदर काफी कुछ बदलते हुए देखा और उन्हीं बदलावों में एक बदलाव उनकी टेस्ट मैच की फीस में भी देखने को मिला.

बीसीसीआई की स्कीम के बाद मैच फीस में बंपर उछाल

भारत की टेस्ट टीम में जब शुभमन गिल आए थे, तब प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ी को 15 लाख रुपये मैच फीस मिलती थी. 2024 के शुरुआती महीनों तक यही रकम मैच फीस के तौर पर दी जाती रही. मार्च 2024 में बीसीसीआई ने अपनी इन्सेन्टिव स्कीम लाकर खिलाड़ियों की टेस्ट मैच फीस में बंपर इजाफा किया. स्कीम के आने के बाद प्लेइंग इलेवन के उन खिलाड़ियों को 45 लाख रुपये मैच फीस मिलने लगी, जिन्होंने सीजन में 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा मैच खेले. इसी तरह 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा मैचों में प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों की मैच फीस 30 लाख रुपये होंगी. जबकि एक सीजन में जो खिलाड़ी 50 फीसद से कम मैच खेलेंगे, उन्हें बीसीसीआई की इन्सेन्टिव स्कीम का लाभ नहीं मिलेगा.

5 साल में 300 प्रतिशत का इजाफा

अब बीसीसीआई के इन्सेन्टिव स्कीम के आने के बाद शुभमन गिल को एक टेस्ट मैच के बदले मिलने वाली मैच फीस को देखें तो उसमें 300 प्रतिशत का इजाफा दिखता है. मतलब, शुभमन गिल को अब 15 लाख नहीं बल्कि 45 लाख रुपये एक टेस्ट खेलने के मिलते हैं. बड़ी बात ये है कि अब वो टीम के कप्तान भी हैं, तो 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा ही नहीं बल्कि सीजन के लगभग हर टेस्ट मैच में भी खेलते हैं.

12 वाइड, और नो बॉल, पाकिस्तान का मैच खत्म हो गया पर ओवर नहीं

बर्मिंघम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के दूसरे सीजन में पाकिस्तान चैंपियंस का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस से था. इस मुकाबले में एक ऐसा ओवर फेंका गया जिसे देखने के बाद कहना पड़ा कि 29 जुलाई को ही ऐसा क्यों होता है. ये ओवर इतना लंबा था कि पूछिए मत. 12 तो सिर्फ वाइड थे इसमें और नो बॉल की गिनती आप खुद ही कर सकते हैं. इस ओवर की लंबाई का अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि मैच खत्म होने के बाद भी ये ओवर खत्म नहीं हुआ. वैसे एक सवाल भी है और वो ये कि हर बार 29 जुलाई को ही ऐसा क्यों होता है?

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को 74 रन पर समेटा

डब्ल्यूसीएल 2025 में 29 जुलाई को खेले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ने पहले बैटिंग की. मगर सईद अजमल की फिरकी में उसके बल्लेबाज ऐसे फंसे कि उस भंवर से उनके लिए बच पाना मुश्किल हो गया. नतीजा ये हुआ कि ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस 11.5 ओवर में सिर्फ 74 रन पर ढेर हो गई. मतलब, पाकिस्तान चैंपियंस को जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट कटाने के लिए सिर्फ 75 रन बनाने थे.

ना कोई ओर, ना छोर... ये कैसा ओवर?

शर्जिल खान और शोएब मकसूद ने पाकिस्तान चैंपियंस के लिए पारी की शुरुआत की. 20 ओवर में 75 रन का टारगेट ज्यादा बड़ा नहीं था. 7 ओवर में ही उन्होंने 55 रन बना दिए थे. मतलब अगले 13 ओवर में सिर्फ 20 रन और बनाने थे. ऐसे में 8वां ओवर जॉन हैस्टिंग डालने आए, जो इस मैच में उनका पहला ओवर था. अब एक तो टारगेट मामूली और ऊपर से ओवर ऐसा जिसका ना कोई ओर और ना छोर. जहां एक-एक रन बचाने थे. वहां जॉन हैस्टिंग पाकिस्तान को मजे से दिए जा रहे थे. वो भी बल्लेबाजों को बिना कोई जोर लगाए दिए बगैर.

मैच खत्म हो गया पर ओवर नहीं

जॉन हैस्टिंग ने ओवर की शुरुआत ही वाइड से की. एक वाइड, दो वाइड. तीन वाइड... लगा अब रुकेंगे लेकिन नहीं, उन्होंने लगातार 5 वाइड डाले तब जाकर पहली लीगल बॉल डाली. उनके 2 गेंदें लीगल फेंकने के बाद लगा अब सब ठीक है. लेकिन, नहीं. अगली ही गेंद उन्होंने नो बॉल फेंक दी. उसके बाद एक और वाइड. अगली गेंद पर लेग बाइ के 1 रन दिए. फिर वाइड और उसके बाद 2 और लीगल गेंद. लेकिन, नहीं अभी तो जॉन हैस्टिंग को और वाइड डालने हैं.

उन्होंने लगातार 4 और वाइड फेंकी. और उसी के साथ ओवर तो नहीं मगर मैच जरूर खत्म हो गया. क्योंकि, पाकिस्तान चैंपियंस को जीत के लिए जो 20 रन चाहिए थे. वो जॉन हैस्टिंग के ओवर में डाले 12 वाइड, 1 नो बॉल और 5 लीगल गेंदों में पूरे हो गए.

वैसे ये कोई पहली बार नहीं था जब क्रिकेट फैंस ने 29 जुलाई को ऐसी घटना का दीदार किया था. ठीक 21 साल पहले 29 जुलाई को तो एक इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने ऐसा ही एक ओवर फेंका था. सामी ने तब 17 गेंदों का ओवर डाला था, जिसमें 7 वाइड और 4 नो बॉल के अलावा 6 गेंदें लीगल थी. लेकिन, पाकिस्तान के मोहम्मद सामी के भी उस्ताद निकले. उन्होंने 18 गेंदें फेंकी, फिर भी ओवर खत्म नहीं हुआ क्योंकि उससे पहले मैच खत्म हो गया.

ओवल टेस्ट से बुमराह को आराम दिया गया

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखकर लिया फैसला; आकाशदीप की वापसी होगी

ओवल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह को पीठ की समस्या के कारण इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। उनकी जगह आकाश दीप को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। यह फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम ने बुमराह की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए लिया है।

सीरीज में बराबरी का मौका को देखते हुए पहले बुमराह को आखिरी टेस्ट में खिलाने फैसला किया गया था, पर मेडिकल टीम ने उनकी फिटनेस को देखते हुए आराम देने का फैसला किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट ओवल में 31 जुलाई से खेला जाएगा। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है और ओवल टेस्ट जीतकर सीरीज बराबर करने का है। लेकिन दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीठ की चोट से बचाने के लिए इस मैच में नहीं खिलाया जाएगा। उनकी जगह आकाशदीप, जो चोट से उबर चुके हैं, टीम में शामिल होंगे।

बुमराह 3 मैच ही खेलेंगे

सीरीज शुरू होने से पहले ही बीसीसीआई की मेडिकल टीम, बुमराह, भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने तय किया था कि वह इंग्लैंड दौरे पर पांच में से केवल तीन टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेला (जिसे भारत ने जीता), और फिर लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में पिछले दो टेस्ट खेले।

पहले यह तय किया गया कि योजना में बदलाव कर उन्हें आखिरी टेस्ट में भी खिलाया जाए। खासकर जब सीरीज को 2-2 से बराबर करने का मौका है। लेकिन ओवल की धीमी और सपाट पिच, साथ ही बुमराह के पिछले टेस्ट में भारी वर्कलोड के कारण यह फैसला लिया गया कि उन्हें आराम दिया जाए।

ओल्ड ट्रैफर्ड में बुमराह ने 33 ओवर फेंके, जो उनके करियर में किसी एक पारी में सबसे ज्यादा है और पहली बार उनकी गेंदों पर 100 से ज्यादा रन बने। सीरीज के दौरान उनकी गति भी प्रभावित हुई। हेडिंग्ले में उनकी 42.7% गेंदें 140 किमी/घंटा से ऊपर थीं, जो लॉर्ड्स में 22.3% और ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 0.5% रह गईं। ऑस्ट्रेलिया में बुमराह ने ज्यादा गेंदबाजी की कोशिश की थी, जिससे उनकी पीठ की चोट बढ़ गई थी। ओवल की सपाट पिच और कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए बीसीसीआई ने जोखिम न लेने का फैसला किया।

अकाशदीप की वापसी और अर्शदीप सिंह कर सकते हैं डेब्यू

अकाशदीप: चौथे टेस्ट में चोट के कारण नहीं खेल सके थे, लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं। एजबेस्टन टेस्ट में उन्होंने 10 विकेट लिए थे और भारत के लिए हीरो साबित हुए थे। वह बुमराह की जगह लेंगे।

अर्शदीप सिंह: वह भी चोट से उबर चुके हैं और उन्हें इस मैच में टेस्ट कैप मिलने की संभावना है। वह अंशुल कंबोज की जगह लेंगे।

सीएएफए नेशंस कप में भारत का पहला मैच ताजिकिस्तान से

ब्राजील कोपा अमेरिका फेमिनिना के फाइनल में

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 29 अगस्त को दुशांबे में मेजबान ताजिकिस्तान से होगा। इस ग्रुप की अन्य दो टीमें ईरान और अफगानिस्तान हैं। आठ सितंबर तक चलने वाला यह मध्य एशियाई क्षेत्रीय टूर्नामेंट, एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालिफायर फाइनल राउंड से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगा।

भारत ग्रुप चरण के अपने अगले दो मैच एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट में आठ टीम भाग लेंगी। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल में जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें दुशांबे में तीसरे स्थान के लिए भिड़ेंगी। ग्रुप ए के मैच ताशकंद में खेले जाएंगे। इस ग्रुप में मेजबान उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और ओमान दो मेहमान टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था।

ब्राजील पांचवीं बार फाइनल में

पिछली चार बार के चैंपियन ब्राजील की टीम इक्वाडोर के क्विटो में जारी कोपा अमेरिका फेमिनिना महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। उसने उरुग्वे के खिलाफ शुरुआती आधे घंटे में तीन गोल करके 5-1 से जीत हासिल की और पांचवीं बार फाइनल में जगह बनाई। अमांडा गुटिएरेस ने 11वें मिनट में ब्राजील की तरफ से पहला गोल किया। इसके दो मिनट बाद जियोवाना क्विरोज़ ने बढ़त दोगुनी कर दी जबकि स्टार खिलाड़ी मार्टा ने 27वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल करके ब्राजील की जीत सुनिश्चित कर दी।

गुटिएरेस ने 65वें मिनट में फ्री किक पर एक और गोल किया, जबकि डुडिन्हा ने 86वें मिनट में टीम की तरफ से पांचवां गोल दागा। ब्राजील अगले शनिवार को होने वाले फाइनल में कोलंबिया से भिड़ेगा, जिसने सोमवार को अर्जेंटीना को पेनल्टी शूट आउट में 5-4 से हराया था।

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में

जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें शमिल

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं।'

नेशनल बैंक ओपन में कोको गॉफ की संघर्षपूर्ण जीत

मॉन्ट्रियल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गई। फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-1 से हरा दिया। विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की। गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने बियांका एंड्रीस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में जगह बनाई।

सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करना चाहिए : रामकृष्ण राव

सीएस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद , 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए आज सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी वीरुला सैनिक स्मारक (शहीद स्मारक) पर श्रद्धांजलि अर्पित करके दिन की शुरुआत करेंगे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री ऐतिहासिक गोलकुंडा किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि यह कार्यक्रम इस अवसर के अनुरूप सुव्यवस्थित और भव्य तरीके से आयोजित हो।

पुलिस विभाग को एक विस्तृत यातायात मार्ग मानचित्र तैयार करने और आमंत्रित अतिथियों व आम जनता के लिए निर्धारित उतरने और ले जाने के स्थान निर्धारित करके आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी आयोजन स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा और यातायात नियंत्रण उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। सड़क एवं भवन विभाग को तेलंगाना विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजभवन, सचिवालय और तेलंगाना तल्ली की मूर्तियों जैसे प्रमुख सार्वजनिक भवनों को उत्सव की भावना को दर्शाने के लिए रोशन करने का निर्देश दिया गया। सांस्कृतिक विभाग को राज्य की समृद्ध विरासत और देशभक्ति को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया, जो गोलकुंडा किले में आधिकारिक समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाएँगे।

अग्निशमन विभाग को किसी भी आपात स्थिति के लिए सुरक्षा और तत्परता सुनिश्चित करने हेतु अग्नि सुरक्षा कर्मियों और अग्निशमन उपकरणों को तैनात करने का काम सौंपा गया है। ऊर्जा विभाग को समारोह और रोशनी गतिविधियों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की गरिमा और भव्यता को बनाए रखने के लिए प्रत्येक विभाग को बारीकी से समन्वय करना चाहिए और हर विवरण पर ध्यान देना चाहिए। बैठक में डीजीपी जितेंद्र, विशेष मुख्य सचिव टी आर एंड बी विकास राज, प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, विशेष सीआईपीआर प्रियंका, कलेक्टर हैदराबाद हरिचंदन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सट्टेबाजी ऐप मामले में प्रकाश राज ईडी के समक्ष हुए पेश

36 हस्तियां जांच के घेरे में

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ अभिनेता प्रकाश राज बुधवार को सट्टेबाजी ऐप मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी, जिसने हाल ही में सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार करने वाली फिल्मी हस्तियों को नोटिस जारी किया था, ने प्रकाश राज को भी नोटिस भेजकर जाँच टीम के सामने पेश होने को कहा है। अभिनेता बशीरबाग स्थित ईडी कार्यालय पहुँचे। गौरतलब है कि सट्टेबाजी ऐप 'जंगल रमी' से जुड़े एक विज्ञापन में काम कर चुके अभिनेता पर साइबराबाद पुलिस ने सट्टेबाजी को बढ़ावा देने का मामला दर्ज किया था। ईडी ने एफआईआर के आधार पर मामले की समानांतर जांच शुरू कर दी थी।

आरोप है कि फिल्मी हस्तियों द्वारा सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार से कई लोग आकर्षित हुए और उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ, यहां तक कि कुछ लोगों ने अपनी जान भी ले ली। ईडी अब तक 36 फिल्मी हस्तियों को नोटिस भेज चुका है। राणा दग्गुबाती को 23 जुलाई को पेश होने के लिए बुलाया गया था। हालाँकि, उन्होंने बाद में फिर से पेश होने की अनुमति मांगी। ईडी ने मंचू लक्ष्मी को भी 13 अगस्त को जांच के लिए पेश होने का नोटिस भेजा है।

कांग्रेस और भाजपा खोखले वादों से पिछड़े वर्गों को गुमराह कर रही हैं: विनोद

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने तेलंगाना में पिछड़े वर्गों के लिए बढ़ाए गए आरक्षण को लागू करने में धीमी प्रगति के लिए कांग्रेस और भाजपा दोनों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय निकाय चुनावों के नज़दीक आते ही राष्ट्रीय दल पिछड़े वर्गों के समुदायों को सिर्फ़ वादों और राजनीतिक चालबाज़ियों से गुमराह कर रहे हैं, बजाय इसके कि वे अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए इस पहल को नौवीं अनुसूची में शामिल करने जैसे सार्थक कदम उठाएँ। बुधवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, विनोद कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार का अध्यादेश के ज़रिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को बढ़ाने का प्रयास अव्यावहारिक है। उन्होंने पिछड़े वर्गों के लिए अध्यादेश के लिए राज्य की मंज़ूरी लेने की व्यवहार्यता पर चिंता जताई, जबकि इसी तरह का एक विधेयक पहले से ही केंद्र के पास लंबित है। "अगर कांग्रेस सचमुच प्रतिबद्ध है, तो उसे पिछड़े वर्गों के आरक्षण में वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की वकालत करनी चाहिए।," पूर्व सांसद ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्षी नेता राहुल गांधी वाकई पिछड़े वर्गों (बीसी) के हितों की परवाह करते हैं, तो वे एक घंटे से भी कम समय में संसद से विधेयक पारित करा सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने के बजाय, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को इस मुद्दे पर नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी दोनों पर दबाव बनाना चाहिए।

उन्होंने राहुल गांधी से एक निजी विधेयक पेश करने और केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। विनोद कुमार ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव द्वारा भाजपा के सत्ता में आने पर पिछड़े वर्ग के मुख्यमंत्री नियुक्त करने के वादे का भी मज़ाक उड़ाया।

निर्मल कस्बे में तेंदुए के दिखने से हड़कंप

निर्मल, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके में स्टार फंक्शन हॉल और बंगालपेट की ओर जाने वाली सड़क के बीच स्थित एक पहाड़ी पर एक तेंदुआ दिखाई देने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने शहर के किनारे एक पहाड़ी पर एक चट्टान पर तेंदुए को खड़ा देखा। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने जानवर की तस्वीरें और वीडियो भी बनाए हैं। उन्होंने वन अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जानवर को वापस जंगल में खदेड़ने और इंसानों को कोई नुकसान न पहुँचाने के लिए तुरंत कार्रवाई करें।

वन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि तेंदुए की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि उसे वापस जंगल में भेजने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने लोगों को सड़क पर न जाने और तेंदुए से अचानक मुठभेड़ से बचने की सलाह दी है।

लोगों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे उसकी तस्वीरें लेने की कोशिश न करें, क्योंकि ऐसी हरकतें जानवर को भड़का सकती हैं और हमला कर सकती हैं।

नलगोंडा पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति ने किया आत्मदाह का प्रयास

नलगोंडा, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के वन टाउन पुलिस स्टेशन परिसर में सोमवार रात एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली, क्योंकि पुलिस ने नशे में गाड़ी चलाने की जांच के दौरान उसका वाहन जब्त कर लिया था। आर. नरसिम्हा नाम के व्यक्ति को गंभीर रूप से थर्ड-डिग्री जलन हुई है और उसका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात नलगोंडा कस्बे में नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ नियमित जाँच चल रही थी।

मोटरसाइकिल चला रहे नरसिम्हा को रोका गया और उनकी श्वास परीक्षण किया गया, जिसमें उनके रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) 155 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर पाई गई, जो स्वीकार्य सीमा से काफी अधिक थी। इसके बाद पुलिस ने उनकी गाड़ी ज़ब्त कर ली।

बताया जा रहा है कि नरसिम्हा ने मौके पर पुलिस अधिकारियों से बहस की। कुछ देर बाद, वह थाने में दाखिल हुआ। एक होमगार्ड प्रवीण ने उसे देखा और उसकी पहचान पूछी।

नशे की हालत में ही नरसिम्हा पुलिस अधिकारियों पर चिल्लाने लगा और सवाल करने लगा कि पुलिस उसके खिलाफ नशे में गाड़ी चलाने का मामला कैसे दर्ज कर सकती है। अचानक उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। होमगार्ड ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन उसे रोकने की कोशिश में उसके हाथ जल गए। थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे, आग बुझाने के लिए कंबल का इस्तेमाल किया और नरसिम्हा को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

मनुगुरु और अश्वरावपेट अस्पतालों में रक्त भंडारण केंद्र खुलेंगे

कोत्तागुडेम, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले बीआरएस शासन के दौरान 2023 में स्वीकृत तीन रक्त भंडारण केंद्र जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कार्यात्मक होने के लिए तैयार हैं। मनुगुरु और अश्वरावपेट के सरकारी क्षेत्रीय अस्पतालों और येलंडु के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इन केंद्रों को मंजूरी दी गई थी। हालाँकि, तकनीकी समस्याओं के कारण इन्हें अब तक शुरू नहीं किया जा सका था। ज़िला कलेक्टर जितेश वी. पाटिल और ज़िला अस्पताल सेवा समन्वयक (डीसीएचएस) डॉ. रवि बाबू के सक्रिय प्रयासों से, इन समस्याओं का समाधान हो गया है।

संबंधित अस्पतालों में इन केंद्रों को शुरू करने की अनुमति सरकार द्वारा प्रदान की गई और ये बुधवार से आम जनता के लिए उपलब्ध होंगे। इन केंद्रों से मरीजों को रक्त प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय करने की परेशानी से मुक्ति मिलने की उम्मीद है। कोत्तागुडेम और भद्राचलम में रक्त बैंक उपलब्ध थे, लेकिन अश्वरावपेट और मनुगुरु के क्षेत्रीय अस्पतालों में अब तक ऐसी कोई सुविधा नहीं थी। येल्लांडु में एक महीने के भीतर एक रक्त भंडारण केंद्र खुलने की उम्मीद है।

डॉ. रवि बाबू ने बताया कि रक्त भंडारण केंद्रों में लगभग 200 यूनिट रक्त संग्रहित करने की सुविधा है। इन केंद्रों से सर्जरी करना आसान हो जाएगा क्योंकि सभी क्षेत्रीय अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऑपरेशन थिएटर मौजूद हैं। वर्तमान में, मनुगुरु और अश्वरावपेट में गर्भवती महिलाओं और सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया और अन्य प्रकार के एनीमिया से पीड़ित रोगियों को रक्त आधान के लिए कोत्तागुडेम, भद्राचलम, सथुपल्ली या पलोंचा जाना पड़ता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.